A Daily News Magazine
भोपाल
शनिवार, 29 नवम्बर, 2025

सुबह सवेरे

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 23, अंक 89, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

देश में माओवादियों के सामने अब अस्तित्व बचाने की लड़ाई

मयंक कुमार

इस महीने की शुरुआत में एक शनिवार दोपहर जब मुचकी सोमाडा उर्फ एर्रा तेलंगाना पुलिस प्रमुख के दफ़्तर में खड़े थे, तो वह भावनाओं से भर गए थे। लेफ्ट विंग उग्रवाद की छाया से निकलकर 42 वर्षीय माओवादी आधिकारिक तौर पर अपने हथियार सौंपने आए थे। उन्होंने डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस शिवाधर रेड्डी और वरिष्ठ अधिकारियों के सामने आत्मसमर्पण किया।

'वरिष्ठ अधिकारियों के बीच बैठने के लिए उन्हें कुर्सी दी गई तो एर्रा की आंखों में आंसू आ गए। यह छोटी-सी शिष्टता उनके लिए कितना बड़ा अनुभव था, यही दिखाता है,' एक तेलंगाना पुलिस अधिकारी ने बताया।

एर्रा प्रतिबंधित कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (माओवादी) की राज्य समिति के सदस्य थे और दक्षिण बस्तर क्षेत्र में डिवीज़नल कमेटी सचिव के रूप में तैनात थे। तेलंगाना आने और आत्मसमर्पण करने से पहले वह बीजापुर, सुकमा और दंतेवाड़ा जिलों में सक्रिय थे। एक हफ्ते पहले सुरक्षा बलों ने आंध्र प्रदेश के अल्लूरी सीताराम राजू ज़िले में एक मुठभेड़ में माओवादी कमांडर-इन-चीफ मदवी हिड़मा को मार गिराया था।

हिड़मा की मुठभेड़ के तुरंत बाद माओवादी संगठन के वास्तविक प्रमुख तिरुपति उर्फ देवूजी के संदिग्ध ठिकाने पर भी छापा पड़ा। देवूजी तो नहीं मिले, लेकिन आंध्र प्रदेश पुलिस ने उन माओवादी सदस्यों को पकड़ लिया जो पहले उनकी सुरक्षा टीम का हिस्सा थे। अधिकारियों का कहना है कि यह 'डंडा और गाजर' नीति–हथियारबंद माओवादियों के खिलाफ लगातार अभियान और जो आत्मसमर्पण करना चाहते हैं उन्हें बातचीत और समझाकर मुख्यधारा में लाना–ने संगठन के कैडर बेस और नेतृत्व दोनों को कमजोर किया है।

सुरक्षा बल पहले से ही लेफ्ट विंग उग्रवाद को खत्म करने के लिए तेज़ अभियान चला रहे थे। मार्च 2026 तक देश से नक्सलवाद खत्म करने की केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की घोषणा से इसमें और तेजी आई। इसी नए फोकस में मई में सुरक्षा बलों को पहली बड़ी सफलता मिली, जब सीपीआई (माओवादी) के महासचिव नंबाला केशव राव, यानी बसवराजू, अबूझमाड़ में एक ऑपरेशन में मारे गए।

बसवराजू की मौत से केंद्रीय समिति के वरिष्ठ माओवादी नेताओं के बीच मतभेद और खाइयां भी खुलकर सामने आ गईं। संगठन में लगभग सीधा बंटवारा हो गया था, जिसमें कैडर और नेता मल्लुजोला वेणुगोपाल (उर्फ भूपति) और थिप्पिरी तिरुपति, उर्फ देवूजी के बीच साइड ले रहे थे।

भूपति, जिन्हें सोनू भी कहा जाता है, के समर्थक हथियार छोड़ने, सरकार के साथ शांति वार्ता जारी रखने और यहां तक कि एकतरफा युद्धविराम की घोषणा करने के पक्ष में थे। दूसरी ओर देवूजी के समर्थक सशस्त्र संघर्ष जारी रखने और सोनू की आत्मसमर्पण की अपील को मानने से इनकार कर रहे थे। सोनू ने पिछले महीने महाराष्ट्र के गढ़चिरौली ज़िले में पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। कुछ सप्ताह बाद एक और महत्वपूर्ण केंद्रीय समिति सदस्य (सीसीएम) पुल्लुरी प्रसाद राव उर्फ चंद्रन्ना ने तेलंगाना पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। 'सोनू माओवादी कैडर में राजनीतिक चेहरा थे, लेकिन चंद्रन्ना वह अहम व्यक्ति थे, जो लॉजिस्टिक्स और देश के अलग-अलग हिस्सों में छिपे सीसीएम के बीच संचार चैनल संभालते थे। वह सीसीएम के लिए संपर्क सूत्र थे और संभवतः वरिष्ठ माओवादी नेताओं में सबसे बड़ा आत्मसमर्पण करने वाले व्यक्ति थे,' एक पुलिस अधिकारी ने कहा।

सोनू और चंद्रन्ना दोनों के आत्मसमर्पण के साथ ही माओवादियों का राजनीतिक नेतृत्व लगभग ढह चुका है एक अन्य वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, 'माओवादी जमीन पर इसलिए पकड़ बना पाए, क्योंकि तेलुगु नेतृत्व पहले अविभाजित आंध्र प्रदेश के गरीबों को और फिर छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश के आदिवासियों को यह समझाने में सफल रहा कि सरकार ने उनकी जमीन और अधिकार छीन लिए। अब इन इलाकों में स्थितियां और कल्याणकारी व्यवस्था बेहतर हुई है। इसके अलावा, जो माओवादी नेता अब बचे हैं, उनमें पहले के नेताओं जैसे किशनजी जैसा प्रभाव नहीं है कि वे आदिवासियों को प्रभावित कर सकें।'

जनवरी 2024 से सुरक्षा बल 300 से ज्यादा माओवादी कैडर और नेताओं को खत्म कर चुके हैं, जिनमें शीर्ष नेता बसवराजू, हिड़मा और कई अन्य केंद्रीय समिति सदस्य शामिल हैं। साथ ही 800 से ज्यादा कैडर, जिनमें सोनू और चंद्रन्ना भी शामिल हैं, आत्मसमर्पण कर चुके हैं।

अधिकारियों ने यह भी कहा कि माओवादी केवल सैन्य संगठन के रूप में जीवित नहीं रह सकते। देवूजी सैन्य तौर पर फैसले इसलिए ले पाए क्योंकि पार्टी के पास मजबूत राजनीतिक नेतृत्व था। वह नेतृत्व अब टूट चुका है। अधिकारियों का कहना है कि बाकी सेंट्रल कमेटी मेंबर्स में मुप्पला लक्ष्मण राव (उर्फ़ गणपति) और मल्ला राजी रेड्डी (उर्फ़ संग्राम) बहुत बूढ़े हैं और उनकी सेहत भी ठीक नहीं है। सेंट्रल कमेटी के एक और बचे हुए मेंबर, गणेश उइके भी पार्टी की एक्टिविटीज़ में एक्टिवली हिस्सा लेने के लिए ठीक नहीं हैं। अधिकारियों ने कहा कि दो और–पथिरन मांझी और मिसिर बेसरा–झारखंड में हैं और उनके मूवमेंट को लीड करने की उम्मीद कम है।

दूसरी ओर, माओवादी हिंसा खत्म करने के लिए सुरक्षा बलों और सरकारों के प्रयासों में देवूजी अहम हैं। 'उनमें पार्टी को राजनीतिक रूप से एकजुट रखने की क्षमता नहीं है, लेकिन वह राज्य समिति के कैडरों को छोटे समूहों में काम कराने और उन्हें छिपकर सक्रिय रखने में सक्षम हैं। उनका आत्मसमर्पण या मुठभेड़ सुरक्षा बलों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है ताकि भविष्य में हथियारबंद माओवादियों के फिर से एकजुट होने को रोका जा सके,' एक और अधिकारी ने कहा।

लेफ्ट विंग उग्रवाद से प्रभावित सभी राज्यों के सुरक्षा और खुफिया अधिकारियों की राय है कि सीपीआई (माओवादी) अपने पुराने रूप में ज्यादा समय तक नहीं टिक सकती और मार्च 2026 की समय सीमा सही दिशा में है। लेकिन तेलंगाना राज्य समिति के सदस्यों को लेकर चिंता बनी हुई है, जो अब तक पकड़ में नहीं आए हैं।

एक राज्य के खुफिया अधिकारी ने बताया, 'हालांकि वे माओवादी नेतृत्व के शीर्ष स्तर में नहीं आते, लेकिन वे छोटे-छोटे समूह बनाकर आंदोलन को जिंदा रखने में पूरी तरह सक्षम हैं।' और यही तेलंगाना राज्य समिति के सदस्य, जिनमें सचिव बाड़े चोक्का राव उर्फ दामोदर भी शामिल हैं, और आत्मसमर्पण कराने की प्रक्रिया में बड़ी बाधा बने हुए हैं। तेलंगाना डीजीपी शिवाधर रेड्डी ने भी उनके आत्मसमर्पण की अहमियत पर जोर दिया।

22 नवंबर को एर्रा के आत्मसमर्पण के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में रेड्डी ने कहा, 'राज्य समिति के 10 सदस्य हैं और जितनी जल्दी वे आत्मसमर्पण करेंगे, उतना अच्छा होगा। जो आत्मसमर्पण करेंगे उन्हें पूरी सुरक्षा मिलेगी और किसी भी तरह की परेशान नहीं किया जाएगा।'

(दि प्रिंट हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

संशोधन के जरिए 5 साल का कार्यकाल बदल सकती है संसद

'एक देश एक चुनाव' पर विधि आयोग ने रख दी है अपनी राय

नई दिल्ली (एजेंसी)। 'एक देश, एक चुनाव' को लेकर देश में सियासी बहस जारी है। इसी बीच भारत के विधि आयोग ने अहम जानकारी दी है। विधि आयोग ने संसद की संयुक्त समिति को स्पष्ट किया है कि लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के पांच साल के कार्यकाल को बदलने के लिए संविधान में संशोधन किया जा सकता है। आयोग ने कहा है कि यह संशोधन 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' जैसे अहम राष्ट्रीय उद्देश्यों को पूरा करने के लिए किया जा सकता है। विधि आयोग ने यह भी बताया कि इस तरह के बदलाव को लेकर राज्यों की आधे से अधिक की सहमति की आवश्यकता नहीं होगी और यह चुनाव आयोग को अत्यधिक अधिकार देने जैसा भी नहीं है। 4 दिसंबर को अहम बैठक से ठीक पहले विधि आयोग ने संसद की संयुक्त समिति को बताया कि संविधान के अनुच्छेद 83 और 172 में बताए गए लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के पांच साल के कार्यकाल को बदला जा सकता है। आयोग ने कहा कि यह अवधि तय नहीं है और इसे बड़े राष्ट्रीय लक्ष्यों को पूरा करने के लिए बदला जा सकता है। आयोग ने साफ तौर पर कहा कि संसद साधारण कानून बनाकर इन सदनों का कार्यकाल कम नहीं कर सकती, क्योंकि यह संविधान में तय है। लेकिन, आयोग का मानना है कि बड़े जन कल्याण के उद्देश्य से संविधान में संशोधन करके इन कार्यकालों को बदला जा सकता है। विधि आयोग की राय है कि संसद निश्चित रूप से संवैधानिक संशोधन के माध्यम से ऐसा कर सकती है। यही वह प्रस्ताव है जो इस बिल में है। आयोग ने इस बात पर भी जोर दिया कि संविधान खुद विधायिकाओं के कामकाज में लचीलापन देता है। उदाहरण के लिए, आपातकाल के दौरान सदनों को समय से पहले भंग किया जा सकता है या उनका कार्यकाल बढ़ाया जा सकता है। इससे पता चलता है कि पांच साल का कार्यकाल कोई ऐसी चीज नहीं है जिसे बदला न जा सके।

देवजी को आंध्रप्रदेश पुलिस ने किया गिरफ्तार

● नक्सली बोले-50 साथी भी पकड़े गए, ऑपरेशन रोके रखें

जगदलपुर (एजेंसी)। मध्यप्रदेश–महाराष्ट्र–छत्तीसगढ़ स्पेशल जोनल कमेटी के सैकड़ों नक्सली अब सरकार के सामने हथियार डालकर मुख्यधारा में लौटने की बात कह रहे हैं। नक्सली लीडर अनंत ने कहा है कि 1 जनवरी को इस कमेटी के सभी साथी एक साथ सरेंडर करेंगे। उन्होंने सरकार से अपील की है कि तब तक ऑपरेशन रोके रखें। अनंत ने इस बारे में एक पर्चा जारी किया। यह पिछले हफ्तेभर में दूसरा पर्चा है। पहले पर्चे में 15 फरवरी तक हथियार डालने की बात कही गई थी, जबकि अब नए पर्चे में 1 जनवरी तक हथियार सरेंडर करने की घोषणा की गई है।

भगवत गीता में श्रीकृष्ण की शिक्षाएं हर युग में प्रासंगिक

● पीएम मोदी बोले-राम मंदिर आंदोलन में उडुपी की भूमिका पूरा देश जानता है ● कहा-महिला सुरक्षा पर भगवान कृष्ण के संदेश ने आरक्षण कानून का मार्गदर्शन किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी शुक्रवार को कर्नाटक के उडुपी में थे। यहां उन्होंने ऐतिहासिक कनक मंडप का दौरा किया और 14वीं-15वीं शताब्दी के संत-दार्शनिक एवं कीर्तनकर कनकदास को पुष्पांजलि अर्पित की। उडुपी श्री कृष्ण मंदिर में भगवान श्रीकृष्ण की मूर्ति के पश्चिम की ओर मुड़ने की पौराणिक घटना का श्रेय कनकदास को दिया जाता है। यहां आयोजित कार्यक्रम में बोलते हुए पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि उडुपी ने पांच दशक पहले नया शासन मॉडल प्रस्तुत किया था। राम जन्मभूमि आंदोलन में उडुपी की भूमिका को पूरा देश जानता है। उन्होंने कहा कि मंदिर आंदोलन में श्री विश्वेश तीर्थ स्वामीजी के मार्गदर्शन का ही परिणाम है कि अयोध्या में राम मंदिर के शिखर पर ध्वज फहराया गया। पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि राम मंदिर में उडुपी के श्री माधवाचार्य को समर्पित एक विशेष द्वार है। उन्होंने कहा, कनक विंडो के माध्यम से उडुपी मंदिर में श्रीकृष्ण की झलक मुझे संत कवि कनकदास से जोड़ती है।

शरद की सुबह

पेड़ ने कब कहा
तुम मेरी छांव में
मत बैठो

नदी ने कब कहा
तुम मेरा पानी
मत पियो

हवा ने कब कहा
तुम मुझे अपनी
साँस में मत भरो

सागर ने कब कहा
तुम मेरे रत्न
मत ले जाओ

आदमी क्यों कहता है
तुम मेरे घर में
मत रहो ।

-दुर्गाप्रसाद झाला .

भारत ने दिखाया दम

अर्थव्यवस्था ने भरी हुंकार

● हर सेक्टर में बल्ले-बल्ले, दुनिया भर में जयकार
● दूसरी तिमाही में कमाल,8.2 फीसदी बढ़ी जीडीपी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की अर्थव्यवस्था ने दूसरी तिमाही में शानदार प्रदर्शन किया है। चालू वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही में भारत की रियल जीडीपी 8.2 फीसदी की दर से बढ़ी है। यह पिछले साल की इसी तिमाही (क्यू 2 एफवाय 2024-25) के 5.6 फीसदी के मुकाबले एक बड़ी छलांग है। इस वृद्धि के साथ भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बना हुआ है। नॉमिनल जीडीपी में भी 8.7 फीसदी की वृद्धि देखी गई है। सरकार के आंकड़ों के अनुसार, यह वृद्धि मुख्य रूप से द्वितीयक (8.1 फीसदी) और तृतीयक (9.2 फीसदी) क्षेत्रों के शानदार प्रदर्शन के कारण हुई है। द्वितीयक क्षेत्र में मैन्युफैक्चरिंग कंस्ट्रक्शन सेक्टर ने क्रमशः 9.1 फीसदी और 7.2 फीसदी की दर से वृद्धि दर्ज की है। तृतीयक क्षेत्र, जिसमें वित्तीय, रियल एस्टेट और पेशेवर सेवाएं शामिल हैं।

● **किस सेक्टर में कितनी तेजी आई–** प्राथमिक क्षेत्र : इसमें खेती–बाड़ी और खनन उद्योग शामिल हैं। इस साल दूसरी तिमाही में इन क्षेत्रों ने सालाना आधार पर 3.1 फीसदी की ग्रोथ दिखाई, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह 3.5 फीसदी थी। खेती–बाड़ी– वित्त वर्ष 2025–26 की दूसरी तिमाही में खेती ने 3.5 फीसदी की सालाना ग्रोथ दर्ज की। पिछले साल, यानी वित्त वर्ष 2025–26 की दूसरी तिमाही में, यह ग्रोथ 4.1 फीसदी थी। खनन–खनन क्षेत्र में थोड़ी गिरावट आई। वित्त वर्ष 2025–26 की दूसरी तिमाही में यह 0.04 फीसदी सिकुड़ा, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह 0.4 फीसदी सिकुड़ा था।

गौहरगंज में बच्ची से रेप के आरोपी का शॉर्ट एनकाउंटर

● पुलिस की पंक्चर गाड़ी से कूदकर भाग रहा था, पैर में गोली मारकर पकड़ा

भोपाल/रायसेन (नप्र)। रायसेन में 6 साल की बच्ची से रेप करने का आरोपी सलमान गुरुवार देर रात शॉर्ट एनकाउंटर में घायल हो गया। पुलिस जब उसे गौहरगंज ले जा रही थी, तभी उसने भागने की कोशिश की। इसके बाद पुलिस को उसे पैर में गोली मारना पड़ी। आरोपी का भोपाल के हमीदिया अस्पताल में इलाज चल रहा है। उसकी हालत खतरे से बाहर है।

सलमान पर आरोप है कि 21 नवंबर को वह बच्ची को चॉकलेट का लालच देकर जंगल में ले गया। वहां उसके साथ रेप कर फरार हो गया। इलाके में तब से ही घटना के विरोध में धरना-प्रदर्शन चल रहा था। लोग आरोपी के एनकाउंटर की मांग कर रहे हैं। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमलेश कुमार खरपुसे के मुताबिक,रायसेन जिले के गौहरगंज में 6 साल की बच्ची से दुष्कर्म के आरोपी सलमान को गुरुवार रात भोपाल से गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के बाद जब उसे गौहरगंज ले जाया जा रहा था, तब पुलिस की गाड़ी औबेदुल्लागंज क्षेत्र के जंगल में पंक्चर हो गई। खरपुसे ने बताया, घटना रात करीब 3-4 बजे के बीच की है। आरोपी को गाड़ी में लेकर जा रहे थे। रास्ते में कील के कारण गाड़ी पंक्चर हो गई। बैकअप में एक और गाड़ी थी। उसे दूसरी गाड़ी में शिफ्ट करना था। उसी दौरान आरोपी ने सुल्तानगंज के थाना प्रभारी श्याम राज की पिस्टल को निकाल लिया। उनके ऊपर पिस्टल चलाने की कोशिश की। उन्होंने अपने बचाव में आरोपी का हाथ पकड़कर पिस्टल ऊपर कर दी। इस दौरान दो फायर हुए। इसके बाद दूसरी टीम ने क्रॉस फायरिंग कर उसे पकड़ा।

सलमान, आरोपी

● **6 दिन बाद भोपाल से पकड़ा गया आरोपी–** पुलिस ने घटना के 6 दिन बाद गुरुवार रात आरोपी सलमान को गांधी नगर इलाके में एक चाय की दुकान से हिरासत में लिया। इसके बाद उसे गौहरगंज पुलिस के हवाले किया गया। गौहरगंज पुलिस उसे लेकर रात में ही रवाना हो गई थी। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह जंगलों के रास्ते पैदल ही भोपाल में दाखिल हुआ था और गांधीनगर इलाके में छिपा हुआ था।

अब्दुल, रिजवान और आसिफ की मदद से पकड़ा आरोपी

समाचार एजेंसी के मुताबिक, आरोपी को पकड़वाने में नई बस्ती में रहने वाले अब्दुल, रिजवान और आसिफ नाम के युवकों की अहम भूमिका थी। अब्दुल के मुताबिक, हम लोग बस स्टैंड पर थे। आसिफ भाई का फोन आया कि एक व्यक्ति किराए से कमरा मांग रहा है। उसने फोटो भेजा। मैं सोशल मीडिया पर एक्टिव हूं। मुझे ये रायसेन के आरोपी जैसा लगा। मैंने आसिफ से कहा– इसे रोक कर रखो। हम लोग आ रहे हैं। हमारे रिजवान भाई ने राहुल भाई गुरुजी पुलिस वाले हैं। उन्हें फोटो सेंड किया। उन्होंने कहा, उसे वहीं रोक कर रखो। तीनों युवकों का कहना था कि हमें इनाम के पैसे नहीं चाहिए। हम चाहते हैं कि वो पैसा पीड़ित लड़की को दिया जाए। दरिंदे को फांसी होनी चाहिए। **विधायक बोले– दरिंदे को फांसी मिलनी चाहिए–** रेप के आरोपी सलमान के शॉर्ट एनकाउंटर पर विधायक रामेश्वर शर्मा ने कहा, मैंने पहले ही कहा था। अपराधी जमीन में छिपा हो या आसमान में। उसे ढूंढ लिया जाएगा।

भोपाल का तापमान
अधिकतम 27 °c
न्यूनतम 23°c

सुबह सवेरे

भोपाल ■ शनिवार, 29 नवंबर 2025

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

मुख्यमंत्री ने 'विश्वरंग-2025 टैगोर अंतर्राष्ट्रीय साहित्य एवं कला महोत्सव में कहा

भाषा और संस्कृति एक-दूसरे के हैं पूरक : सीएम डॉ. यादव

● हिन्दी लोकभाषा हमारे माथे की है बिन्दी ● साहित्य का एक ही रंग- राग और आनंद ● हमने सदैव अधिसत्ता नहीं, प्रभुसत्ता की भावना रखी ● नमस्कार अब बन गया है वैश्विक शब्द

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भाषा और संस्कृति एक-दूसरे की सहज पूरक हैं। संस्कृति, भाषा को वह कथा-बीज देती है, जिनसे लोक-साहित्य से लेकर वैश्विक साहित्य जन्म लेता है और भाषा, संस्कृति को वह अभिव्यक्ति देती है, जिससे परंपराएं पीढ़ियों तक सुरक्षित यात्रा कर पाती हैं। भाषा और संस्कृति दोनों एक-दूसरे की संरक्षक भी हैं। साहित्य का एक ही रंग होता है, राग और आनंद का। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हिन्दी भाषा सच्चे अर्थों में लोक भाषा है। हिन्दी हमारे माथे की बिन्दी है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आज हमारी हिन्दी वैश्विक मंच पर भारत की पहचान बन रही है। उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति ने अधिसत्ता नहीं, सदैव प्रभुसत्ता और लोक बन्धुत्व की भावना रखी। हमारी संस्कृति जियो और जीने दो की पवित्र भावना से ओत-प्रोत है। यही कारण है कि आज भारतीय संस्कृति दुनियाभर में अपनी अलग पहचान रखती है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को रवीन्द्र भवन में साहित्य और कला के सबसे बड़े उत्सव 'विश्वरंग-2025 टैगोर अंतर्राष्ट्रीय साहित्य एवं कला महोत्सव' में देश-विदेश से आए साहित्यकारों, कलाकारों और युवाओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सभी का मध्यप्रदेश की धरती पर स्वागत-अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश की सृजनात्मक और कलात्मक धरती हिन्दी भाषा और भारतीय संस्कृति को जोड़ने वाली सेतु बन गई है। हमारा भोपाल अब भारतीय संस्कृति, भारतीय भाषा चेतना और वैश्विक साहित्यिक संवाद का केन्द्र बन गया है।

महोत्सव में विभिन्न देशों के प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। कार्यक्रम में कई सत्र, कविता पाठ, पैनल चर्चा, कला प्रदर्शनियां और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां आयोजित की जा रही हैं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव को विश्वरंग का कैटलॉग, हिन्दी भाषा की मार्गदर्शिका एवं पुस्तकें भेंट की गईं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि साहित्य सच्चे अर्थों में एक दीर्घ साधना है और साहित्यकार एक प्रयोगधर्मी साधक है। साहित्यकार अपनी कल्पनाशीलता, चिंतन और रचनात्मकता से ऐसे शब्द गढ़ता है, जो कालांतर में अमर हो जाते हैं। उन्होंने साहित्य और कला को समाज का दर्पण बताते हुए कहा कि विश्वरंग जैसे आयोजन नई पीढ़ी में सृजनशीलता और संवेदनशीलता को प्रोत्साहित करते हैं।

देवजी को आंध्रप्रदेश पुलिस ने किया गिरफ्तार

● नक्सली बोले-50 साथी भी पकड़े गए, ऑपरेशन रोके रखें

जगदलपुर (एजेंसी)। मध्यप्रदेश-महाराष्ट्र-छत्तीसगढ़ स्पेशल जोनल कमेटी के सैकड़ों नक्सली अब सरकार के सामने हथियार डालकर मुख्यधारा में लौटने की बात कह रहे हैं। नक्सली लीडर अनंत ने कहा है कि 1 जनवरी को इस कमेटी के सभी साथी एक साथ सरेंडर करेंगे। उन्होंने सरकार से अपील की है कि तब तक ऑपरेशन रोके रखें। अनंत ने इस बारे में एक पर्चा जारी किया। यह पिछले हफ्तेभर में दूसरा पर्चा है। पहले पर्चे में 15 फरवरी तक हथियार डालने की

लीडर अनंत ने कहा- सीएम-गृहमंत्री के सामने सरेंडर करेंगे

बात कही गई थी, जबकि अब नए पर्चे में 1 जनवरी तक हथियार सरेंडर करने की घोषणा की गई है। नक्सलियों ने तीनों राज्यों के गृहमंत्री या मुख्यमंत्री के सामने हथियार डालने की बात कही है। इधर, बस्तर में दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी ने भी एक पर्चा जारी किया है। इसमें कहा गया कि देवजी को आंध्र प्रदेश पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है, साथ ही 50 अन्य नक्सली भी पकड़े गए हैं। इस पर्चे को नक्सली प्रवक्ता विकल्प के नाम से जारी किया गया है। नक्सली प्रवक्ता ने 18 और 19 नवंबर को आंध्र प्रदेश के अल्लूरी सीताराम राजू जिले में हुई मुठभेड़ को फर्जी बताया।

जम्मू-कश्मीर के उधमपुर में तीन संदिग्ध आतंकी दिखे

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के उधमपुर जिले में शुक्रवार को तीन संदिग्ध आतंकियों को देखे गए, इसके बाद सुरक्षा बलों ने हाई लेवल सर्च ऑपरेशन शुरू किया है। शुरुआती सूचना के अनुसार, ये तीनों संदिग्ध चिल्ला बलोठा गांव में एक स्थानीय व्यक्ति से खाना लेकर पास के जंगल की ओर भाग गए। जानकारी मिलते ही सेना और जे×के पुलिस ने पूरे इलाके को घेर लिया और बसंतगढ़ के घने जंगलों में सर्च ऑपरेशन शुरू किया। ड्रोन और स्निफर डॉग भी सर्चिंग के लिए लगाए गए हैं। पहाड़ी और घना जंगल होने के

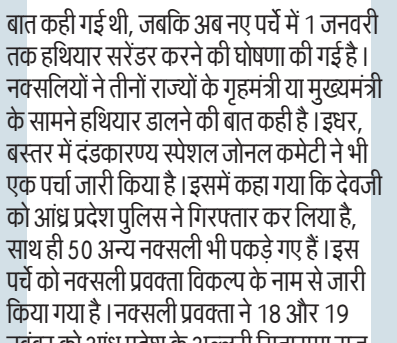

गांव से खाना लेकर जंगल की ओर भागे, सुरक्षा बलों का सर्च ऑपरेशन

कारण ऑपरेशन में परेशानी आ रही है। सुरक्षा बल घर-घर तलाशी कर रहे हैं और अतिरिक्त जवान भी तैनात किए गए हैं। संभावित भागने के रास्तों पर कई नाके बनाए गए हैं ताकि कोई भी संदिग्ध बच न सके। स्थानीय लोगों से अपील की गई है कि वे सतर्क रहें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत सूचना पुलिस को दें। 10 नवंबर को हुए दिल्ली ब्लास्ट के बाद से ही सुरक्षाबल जम्मू-कश्मीर में सर्च ऑपरेशन जारी है। आतंकियों के लिंक खंगाले जा रहे हैं। शुक्रवार को भी पुलिस ने प्रतिबंधित आतंकी संगठन के ठिकानों पर रेड की थी।

इमरान खान जिंदा हैं या नहीं, बेटे ने मांगा सबूत

पाकिस्तान में 4 दिन से प्रदर्शन, पुलिस ने खैबर सीएम को पीटा

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के बेटे कासिम खान ने गुरुवार को जेल में बंद अपने पिता के जिंदा होने का सबूत मांगा है। उन्होंने कहा कि किसी को भी नहीं पता है कि इमरान जिंदा हैं या नहीं।

कासिम ने एक्स पर लिखा कि उनके पिता को 845 दिन पहले गिरफ्तार किया गया था। पिछले 6 हफ्तों से उन्हें अकेले एक 'डेथ सेल' में रखा गया है। न तो किसी को उनसे मिलने दिया गया है, न ही कोई फोन कॉल या मैसेज दिया गया। कासिम ने कहा कि उनकी बुआओं को भी अपने भाई से मिलने नहीं दिया जा रहा है। यह सब असली हालत छिपा रही है। वहीं, इमरान खान का समर्थन करने रावलपिंडी की अडियाला जेल पहुंचे

किसी सुरक्षा नियम की वजह से नहीं, बल्कि जानबूझकर की जा रही कार्रवाई है।

सरकार उनके पिता की खैबर-पख्तूनख्वा राज्य के मुख्यमंत्री सोहेल अफरीदी को पुलिस ने गुरुवार को सड़क पर गिराकर पीटा।

कपिल के कनाडा के कैफे में फायरिंग का आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस क्राइम ब्रांच ने शुक्रवार को कनाडा में कॉमेडियन कपिल शर्मा के कैप्स कैफे में हुई फायरिंग के आरोपी को पंजाब के लुधियाना से गिरफ्तार किया। आरोपी का नाम बंधु मान सिंह सेखों है, जो गैंगस्टर गोल्डी ढिल्लो गैंग का अहम हैंडलर बताया जा रहा है। गिरफ्तारी के दौरान पुलिस ने उसके पास से वीआई-3 हाई-एंड पिस्टल (मेड इन चाइना) बरामद की है, जिसमें 8 जिंदा कारतूस भी मिले। पुलिस के मुताबिक सेखों के भारत में छिपे होने की सूचना मिली थी। उसने फायरिंग की साजिश रची थी।

सेन्यार के बाद चक्रवात 'दितवाह' बरपाएगा कहर

● देश के 5 राज्यों में मूसलाधार बारिश का अलर्ट जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सेन्यार का असर अभी खत्म नहीं हुआ कि एक और चक्रवाती तूफान दितवाह की वजह से मौसम ने दक्षिण भारत में कहर ढाना शुरू कर दिया है।

मौसम विभाग ने बंगाल की खाड़ी में नए तूफान का अलर्ट जारी किया है। दोनों ही तूफानों का असर भारत में देखा जा रहा है। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक दितवाह तूफान दक्षिण भारत के राज्यों में तबाही मचाने वाला है। इन तूफानों की वजह से पहले से ही तमिलनाडु, केरल और आंध्र प्रदेश का मौसम बिगड़ा हुआ है। आईएमडी ने बताया कि गुरुवार कोही बंगाल की खाड़ी में बना कम दबाव का क्षेत्र चक्रवाती तूफान में तब्दील हो चुका है। मौसम विभाग का कहना है कि तूफान दितवाह काफी तबाही मचा सकता है। ऐसे में प्री साइक्लोन अलर्ट जारी कर दिया गया है।

आरएसएस नेता के बेटे की हत्या का आरोपी ढेर

● एनकाउंटर में मारा, पुलिस हिरासत से भगाने आए थे 2 साथी

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब में फिरोजपुर जिले के महामुजोहिया गांव में पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हुई। इसमें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ नेता के बेटे की हत्या का प्रमुख आरोपी मारा गया। अधिकारियों के अनुसार, आरोपी के दो साथी उसे पुलिस हिरासत से छुड़ाने की कोशिश कर रहे थे, तभी एनकाउंटर शुरू हुआ। फिरोजपुर में 15 नवंबर को दो मोटरसाइकिल सवारों ने आरएसएस नेता बलदेव राज अरोड़ा के बेटे नवीन अरोड़ा की गोली मारकर हत्या कर दी थी। इस मामले में महामुजोहिया गांव की बस्ती भट्टीयां के निवासी मुख्य आरोपी बादल को बुधवार को गिरफ्तार किया गया था। फिरोजपुर रेंज के पुलिस उप महानिरीक्षक हरमनबीर सिंह गिल ने बताया कि पूछताछ के दौरान बादल ने अपने दो साथियों राजू और सोनू के बारे में जानकारी दी।

भारत आज दुनिया में जिम्मेदारी की आवाज बन गया है

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने चाणक्य डिफेंस डायलॉग 2025 में कहा कि भारत अब दुनिया में संतुलन और जिम्मेदारी की आवाज है। उन्होंने बताया कि इंडो-पैसिफिक और ग्लोबल साउथ के देश भारत को एक भरोसेमंद साथी मानते हैं। भारतीय सेना के इस संवाद कार्यक्रम का इस वर्ष का शीर्षक रिफार्म टू ट्रांसफॉर्म-सशक्त, सुरक्षित और विकसित भारत है। यहां राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत शांति और संवाद में विश्वास रखता है, लेकिन जब बात संप्रभुता और जनता की सुरक्षा की आती है, तो भारत कोई समझौता नहीं करता। भारतीय सशस्त्र बल राष्ट्र-निर्माण और क्षेत्रीय स्थिरता के सबसे मजबूत स्तंभ हैं। उनकी पेशेवर क्षमता, अनुशासन और दृढ़ता भारत को अपने पड़ोस की चुनौतियों से निपटने की शक्ति देती है। सैन्य नेतृत्व व देश-विदेश के रक्षा विशेषज्ञों के बीच राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत आज जिम्मेदारी, रणनीतिक स्वायत्तता और सभ्यतागत मूल्यों के आधार पर वैश्विक चर्चाओं को दिशा दे रहा है। हमारी आर्थिक प्रगति, तकनीकी क्षमता और सिद्धांतों पर

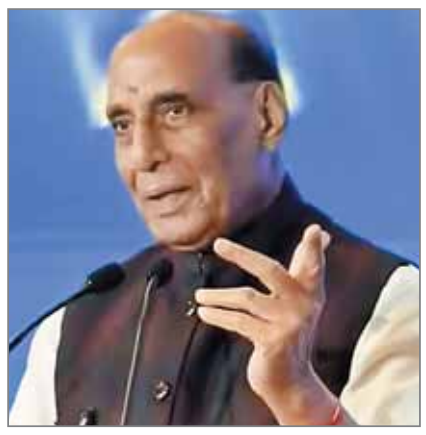

आधारित विदेश नीति ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय में भारत के प्रति विश्वास बढ़ाया है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि भारत हमेशा संप्रभुता के सम्मान और नियम-आधारित वैश्विक व्यवस्था के पक्ष में खड़ा रहा है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के मुताबिक यह सशक्त और सुरक्षित भारत के निर्माण की दिशा में निर्णायक कदम है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार लगातार व्यापक सुधार कर रही है।

एसआईआर मुद्दे पर ईसी से मिले 10 टीएमसी सांसद

● डेरेक ओ ब्रॉयन बोले-चुनाव आयोग के हाथ खून से रंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। देशभर में एसआईआर को लेकर जारी विवाद के बीच टीएमसी के 10 सांसदों का डेलीगेशन शुक्रवार को दिल्ली में चुनाव आयोग से मिलने पहुंचा। सांसदों और चुनाव आयुक्त के

बीच करीब 2 घंटे तक मुलाकात चली। मीटिंग से बाहर आने के बाद टीएससी सांसद डेरेक ओ ब्रॉयन ने कहा- हम चीफ इलेक्शन कमिश्नर और उनकी टीम से मिले। हमने सबसे पहले उन्हें एसआईआर प्रोसेस की वजह से लगभग 40 मरे हुए लोगों की लिस्ट सौंपी। हमने मीटिंग यह कहकर शुरू की कि मिस्टर कुमार और इलेक्शन कमीशन ऑफ इंडिया के हाथ खून से रंगे हैं। हमने पांच सवाल पूछे, किसी का भी जवाब नहीं मिला। मीटिंग के अंदर जो हुआ, वो यही है। स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन को लेकर विपक्ष लगातार सवाल उठा रहा है। विपक्ष 1 दिसंबर से शुरू हो रहे संसद के शीतकालीन सत्र (विंटर सेशन) में इस मुद्दे पर हंगामा कर सकता है।

4 दिसंबर को भारत दौरे पर आएंगे रूसी राष्ट्रपति पुतिन

डिफेंस डील पर पीएम मोदी लगाएंगे मुहर! और समझौते संभव

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आमंत्रण पर रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भारत के दो दिनों के आधिकारिक दौरे पर आ रहे हैं। वह 4 दिसंबर को नई दिल्ली आएंगे, जबकि अगले दिन 5 दिसंबर को वह वापस रवाना होंगे। यह दौरा भारत-रूस के 23वें वार्षिक शिखर सम्मेलन के तहत आयोजित किया जा रहा है। विदेश मंत्रालय द्वारा शुक्रवार को दी गई जानकारी के अनुसार, अपनी यात्रा के दौरान राष्ट्रपति पुतिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। वहीं, भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू भी पुतिन का औपचारिक स्वागत करेंगी और उनके सम्मान में राजकीय भोज का आयोजन करेंगी। इस उच्चस्तरीय यात्रा में भारत और रूस के बीच रणनीतिक संबंधों की प्रगति की समीक्षा की जाएगी।

दोनों देश विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के लिए भविष्य की दिशा तय करेंगे। इसके अलावा, क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी विस्तृत चर्चा होने की उम्मीद है। रूसी राष्ट्रपति पुतिन का यह दौरा ऐसे समय में हो रहा है, जब अमेरिका भारत पर रूसी तेल खरीदने को लेकर लगातार दबाव बना रहा है।

कानपुर में दो कॉन्स्टेबलों ने बचाई 43 की जिंदगी

● जान पर खेलकर बाहर निकाला, स्लीपर बस जलकर राख

कानपुर (एजेंसी)। कानपुर में चलती स्लीपर बस में भीषण आग लग गई। आग का गोला बनी बस में 43 यात्री अंदर फंस गए। चीख-पुकार मच गई। पुरुष यात्री किसी तरह कूदकर नीचे उतरे, लेकिन महिलाएं और बच्चे फंस गए। ड्राइवर-कंडक्टर भी भाग गए। रामा देवी चौराहे पर ड्यूटी में तैनात पुलिसकर्मी दौड़कर मौके पर पहुंचे। धू-धू कर जल रही बस में जान की परवाह किए बगैर दो सिपाही चढ़ गए। तब तक बस की छत से लपटें तेज हो चुकी थीं। कुछ महिला यात्री अपना सामान उठाने लगीं। दोनों कॉन्स्टेबल चिल्लाए- सामान छोड़ दो आग तेज हो रही है। इसके बाद दोनों कॉन्स्टेबलों ने एक-एक यात्री को बाहर निकाला।

तेजस पूरी तरह है सेफ दुनिया में बेस्ट है रिकार्ड

● दुबई की घटना के बाद ऑर्डर पर बोले एचएएल चीफ

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुबई एयर शो में तेजस फाइटर एयरक्राफ्ट हादसे के बाद हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स

लिमिटेड के चेयरमैन और एमडी डीके सुनील का बहुत ही सकारात्मक बयान आया है। उन्होंने कहा है कि तेजस के साथ किसी तरह की कोई दिक्कत नहीं है और यह पूरी तरह से सुरक्षित जेट है। उन्होंने कहा है कि इसका सेफ्टी रिकॉर्ड दुनिया में बेहतरीन है। उनके अनुसार दुबई में जो कुछ हुआ वह एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना थी। एएनआई नेशनल सिक्योरिटी समिट में शुक्रवार को एचएएल चीफ डीके सुनील ने कहा स्वदेशी फाइटर जेट तेजस के साथ किसी तरह की कोई भी दिक्कत नहीं है और यह पूरी तरह से सुरक्षित है। उन्होंने कहा, तेजस में कोई समस्या नहीं है, यह पूरी तरह सुरक्षित है और इसका सेफ्टी रिकॉर्ड दुनिया में सबसे अच्छा है। आपने जो दुबई में देखा वह एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना थी। उन्होंने आगे कहा कि इस घटना से तेजस के भविष्य पर कोई असर नहीं पड़ेगा और साथ ही उन्होंने स्वदेश में बन रहे 4.5वीं पीढ़ी के इस विमान को गर्व का विषय बताया है। उनके अनुसार,मुझे लगता है कि टेक्नोलॉजी डेवलप करते हैं।

राज्यपाल से मिले सीएम डॉ. मोहन यादव

दिल्ली में वीडी की अमित शाह से मुलाकात, 13 को एमपी आ सकते हैं केन्द्रीय गृह मंत्री

भोपाल (नप्र)। दिल्ली में केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह से खजुराहो सांसद और बीजेपी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने मुलाकात की। इधर, देर शाम राजभवन पहुंचकर सीएम डॉ. मोहन यादव ने राज्यपाल मंगू भाई पटेल से भेंट की।

राज्यपाल से शिष्टाचार भेंट

राज्यपाल से मुलाकात के बाद मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा- शिष्टाचार भेंट हुई है। विधानसभा का सत्र शुरू होने वाला है। इसके अलावा योजनाओं और किसानों को दी जाने वाली राहत राशि की भी जानकारी राज्यपाल को दी है। प्रदेश के विकास कार्यों के विषय में उनको जानकारी दी है।

शाह हो सकते हैं चीफ गेस्ट- एमपी की मोहन सरकार के 12 दिसंबर को दो साल पूरे हो रहे हैं। इस मौके पर 13 दिसंबर को एक राज्य स्तरीय कार्यक्रम भोपाल में आयोजित किया जाएगा। इस समारोह में बतौर मुख्य अतिथि केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह शामिल हो सकते हैं। सूत्रों की मानें तो पीएम मोदी भी मोहन सरकार के दो साल पूरे होने पर आयोजित कार्यक्रम को वर्चुअली संबोधित कर सकते हैं। 13 दिसंबर को भोपाल के साथ ही इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर में भी बड़े कार्यक्रम होंगे। प्रदेश भर में इनका लाइव प्रसारण होगा। दो दिनों में कार्यक्रम की विस्तृत रूपरेखा तय हो जाएगी।

अब बिना परमिशन पेड़ काटा तो जाएंगे जेल

निगम कमिश्नर ने जताई नाराजगी; कोलार में सीएम इंफ्रा में लापरवाही, 2 इंजीनियर सस्पेंड

भोपाल (नप्र)। भोपाल में अब कहीं भी बिना परमिशन के पेड़ काटा तो जेल जाना पड़ सकता है। एनजीटी (नेशनल ग्रीन ट्रूबनल) के आदेश के बाद नगर निगम भी सख्त हुआ है। निगम कमिश्नर संस्कृति जैन ने पेड़ कटाने की अनुमति की शाखा खुद अपने हाथों में ली है। वे ही अनुमति जारी करेंगी। इधर, कमिश्नर जैन ने कोलार रोड पर सीएम इंफ्रा में लापरवाही बरतने पर दो इंजीनियरों को सस्पेंड कर दिया। कोलार क्षेत्र में सीएम इंफ्रा के तहत निर्मित सीसी सड़क के कार्यों में लापरवाही बरतने एवं संतोषजनक जानकारी न देने पर जोन नंबर-18 के प्रभारी सहायक यंत्री (यांत्रिक) मनीष सिंह एवं उपयंत्री (यांत्रिक) हर्षदीप सोनी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। वार्ड नंबर-83 में सीएम इंफ्रा के तहत निर्मित सड़क की स्थिति मानक स्तर की गुणवत्ता की न होने और जगह-जगह गड्ढ़े, सतह खराब होने पर सख्त नाराजगी जताते हुए कमिश्नर जैन ने यह कार्रवाई की। वहीं, कार्यपालन यंत्री कोलार एसके राजेश को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। कमिश्नर ने सीएम इंफ्रा के तहत निर्माणाधीन सड़क की कोर कटिंग कर जांच कराने के अधीक्षण यंत्री को निर्देश दिए।

पेड़ काटने को लेकर नाराजगी, बैठक की

कमिश्नर जैन ने एक दिन पहले गुरुवार को निगम ऑफिस में समीक्षा बैठक की। इस दौरान बिना अनुमति के पेड़ काटने पर नाराजगी जताते हुए कहा कि अब शहर में यदि कोई भी बिना अनुमति वृक्ष काटेगा तो उसे जेल तक भी जाना पड़ सकता है। उच्च न्यायालय के आदेश के परिपालन में निगम कमिश्नर जैन ने आयुक्त में निहित वृक्ष अधिकारी की पूर्व में प्रत्यायोजित शक्तियों को निरस्त कर दिया है। अब वे स्वयं वृक्ष अधिकारी के रूप में वृक्ष काटने की अनुमति जारी करेंगी।

महात्मा फुले की 135वीं पुण्यतिथि मनाई गई

भोपाल (नप्र)। भोपाल आज 28 नवंबर को माली समाज में जन्मे क्रांति सूर्य महात्मा ज्योतिराव फुले की 135वीं पुण्यतिथि मध्य प्रदेश संयुक्त माली सैनी मरार समाज एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण परिषद के संयुक्त तत्वाधान में महात्मा फुले चौराहा (7 नंबर बस स्टॉप) भोपाल में मनाई गई। समाज अध्यक्ष श्री जीपी माली (अपर कलेक्टर सेवानिवृत्त) द्वारा माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी साथ हो उनके बताएं मार्ग पर चलने एवं समाज उत्थान के कार्य करने पर जोर दिया। इस अवसर पर महात्मा फुले की प्रार्थना की शपथ राजेंद्र अंबाडकर द्वारा दिलवाई गई। कार्यक्रम में हरि सिंह सैनी, दिनेश कुमार सैनी, कृष्ण गोपाल कश्यप, सुखदेव कश्यप, सुनील महाजन, विट्ठल राव मरघड़े (माली), जगदीश सोलंकी, प्रकाश मालवीय, पिकप के संगठन मंत्री सीएस यादव, प्रोफेसर आरजी चौकसे, राम विश्वास कुशवाहा, सुशील घातोड़, मधु अंबाडकर, वीरेंद्र सैनी, अनिल सैनी एवं अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

सीएम मोहन यादव के बेटे की शादी के कार्यक्रम शुरू

माता पूजन में परिवार-दोस्तों ने जमकर डांस किया, कार्यक्रम स्थल का जायजा लेने पहुंचे मुख्यमंत्री

उज्जैन (नप्र)। उज्जैन में शुक्रवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के छोटे बेटे डॉ. अभिमन्यु यादव की शादी समारोह की शुरुआत हुई। पहले दिन माता पूजन कार्यक्रम में सीएम यादव की पत्नी सहित बड़े बेटे वैभव यादव, बेटी डॉ. आकांक्षा यादव, बड़े भाई नारायण यादव, बहन कलावती यादव सहित पूरे परिवार ने जमकर किया डांस।

हालांकि सुबह शुरू हुए कार्यक्रम में सीएम यादव शामिल नहीं हो पाए हैं। सीएम के बेटे डॉ. अभिमन्यु का विवाह खरगोन की डॉ. इशिता से सामूहिक विवाह समारोह में 30 नवम्बर को होने जा रहा है। सामूहिक विवाह समारोह के लिए उज्जैन के सांवरा खेड़ी में इसकी तैयारी चल रही है। यहां 22 जोड़े एक साथ फेरे लेंगे। इसमें सीएम के बेटे और बहू भी शामिल होंगे।

शुक्रवार सुबह सीएम के गीता कॉलोनी स्थित निवास से माता पूजन का कार्यक्रम शुरू हुआ। जिसमें बैंड बाजे के साथ परिवार और करीबी लोग के साथ दोस्त भी शामिल हुए। इस दौरान भाजपा नेता भी कार्यक्रम में शामिल रहे। माता पूजन के कार्यक्रम भाजपा शहर अध्यक्ष संजय अग्रवाल, रवि सोलंकी, जगदीश पांचाल, मुकेश यादव सहित कई पार्षद और लोग शामिल हुए। इस दौरान सभी ने डीजे और ढोल पर डांस भी किया।

सीएम की बेटी बोली- पूरा परिवार शादी एन्जॉय कर रहा- माता पूजन कार्यक्रम में शामिल सीएम की बेटी डॉ आकांक्षा यादव अपने भाई की शादी में जश्न मनाते हुए नजर आई। उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा कि भाई की शादी है एन्जॉय कर रही हूं।

घर में खुशियों का प्रसंग आया- सीएम की बहन कलावती यादव ने कहा कि बाबा महाकाल की कृपा से घर में खुशियों का प्रसंग आया है। हर्ष उल्लास की घड़ी है। सभी के जीवन में ऐसी खुशियां भरे भगवान महाकाल।

सोशल मीडिया में वायरल हो रही पत्रिका

मुख्यमंत्री मोहन यादव बेटे की शादी सामूहिक विवाह सम्मेलन में कर रहे है। हर कोई इनकी इस सादगी की तारीफ कर रहा है। बेटे की शादी का कार्ड भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जिसमें उन्होंने संदेश देते हुए इस विवाह का निमंत्रण पत्र भी बेहद सामान्य प्रिंट कराया है।

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय स्टीयरिंग कमेटी का गठन

भोपाल (नप्र)। प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के अंतर्गत मध्यप्रदेश की तीन नदी परियोजनाओं के कमांड क्षेत्र विकास आधुनिकीकरण के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय स्टीयरिंग कमेटी का गठन किया गया है। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी आदेशानुसार कृषि उत्पादन आयुक्त, अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव, जल संसाधन, नर्मदा घाटी विकास, वित्त, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, किसान कल्याण तथा कृषि विकास, वन, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, प्रमुख अभियंता, जल संसाधन, अभियांत्रिकी नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण, आयुक्तकमाण्ड क्षेत्र विकासभोपाल, मुख्य अभियंता, केन्द्रीय जल आयोग, भोपाल और मुख्य अभियंता (बोधी), जल संसाधन, भोपाल समिति में सदस्य होंगे। सचिव, जल संसाधन, को सदस्य सचिव बनाया गया है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उज्जैन के सांवरा खेड़ी सामूहिक विवाह समारोह स्थल का निरीक्षण किया।

आईएएस संतोष वर्मा के खिलाफ वल्लभ भवन में प्रदर्शन

पूर्व प्रांताध्यक्ष कंसोटिया पर 65 लाख रुपए अवैध निकालने का आरोप, सीएम से शिकायत

भोपाल (नप्र)। ब्राह्मणों की बेटियों के खिलाफ बयान देने के मामले में अजाक्स के नव निर्वाचित अध्यक्ष और आईएएस अधिकारी संतोष कुमार वर्मा के खिलाफ वल्लभ भवन (मंत्रालय) कैंपस के सामने शुक्रवार को विरोध प्रदर्शन हुआ।

संतोष वर्मा मुर्दाबाद और भगवान परशुराम की जय-जयकार करते हुए यहां पहुंचे कांग्रेस-बीजेपी समेत सभी दलों और संगठनों के लोगों ने श्री हनुमान चालीसा का पाठ किया। इन सभी के द्वारा राज्य सरकार से मांग की गई है कि वर्मा का आईएएस अवॉर्ड वापस लिया जाए और एफआईआर दर्ज कर जेल भेजा जाए।

प्रदर्शन के दौरान ब्राह्मण समाज ने भरी हुंकार- तख्तियां लेकर पहुंचे लोगों ने जय श्री राम के भी नारे लगाए। पुलिस बल की मौजूदगी में हुए प्रदर्शन में मंत्रालय कर्मचारी अधिकारी संघ के सुधीर नायक के अलावा पूर्व मंत्री पीसी शर्मा, बीजेपी नेता गिरीश शर्मा, पुष्पेंद्र मिश्रा, मयूर उपाध्याय समेत समाज के अन्य लोगों की मौजूदगी रही।

इसके साथ ही संघ के पूर्व अध्यक्ष और पूर्व अपर मुख्य सचिव जेएन कंसोटिया पर संघ के खातों से कथित रूप से 65 लाख रुपए निकालने को लेकर कड़ी कार्रवाई की मांग तेज हो गई है। वर्मा के बयान को लेकर प्रदेशभर से प्रतिक्रियाएं आ रही हैं। जगह-जगह प्रदर्शन हो रहे हैं। गुरुवार को भी ब्राह्मण संगठनों ने रोशनपुरा चौराहे पर

प्रदर्शन किया गया था। आज मंत्रालय में प्रदर्शन होगा। उधर, संघ के दूसरे धड़े के अध्यक्ष मुकेश मौर्य और उनके पदाधिकारियों ने 13 नवंबर को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को ज्ञापन सौंपकर संघ के खातों से 65 लाख रुपए निकाले जाने के मामले में हस्तक्षेप की मांग की है।

कंसोटिया पर राशि के दुरुपयोग का आरोप- संघ के दूसरे धड़े के प्रांतीय महासचिव मुरारी लाल लिथोरिया के हस्ताक्षरित ज्ञापन के अनुसार पूर्व प्रांताध्यक्ष जेएन कंसोटिया, तत्कालीन प्रांतीय महासचिव एसएल सूर्यवंशी पर विभागीय पद एवं प्रभाव का दुरुपयोग करने का आरोप है। उन्होंने बताया कि संगठन के एसबीआई टीटी नगर और बीओआई अरेरा कॉलोनी में संचालित खातों से 65 लाख रुपए अवैध रूप से निकाले गए है। संगठन के धन का दुरुपयोग और अमानत में खयानत की गई।

नई कार्यकारिणी मौर्य को बता रही जिम्मेदार- अजाक्स की नई कार्यकारिणी का दावा है कि दोनों बैंक खातों पर नियंत्रण मुकेश मौर्य के नेतृत्व वाली कार्यकारिणी को मिलने के बाद भी राशि निकाली गई।

दो फाड़ हुआ अजाक्स, कोर्ट से लेकर रजिस्ट्रार तक मामला पहुंचा- अजाक्स में नेतृत्व को लेकर विवाद लंबे समय से चल रहा है। ग्वालियर में आमसभा के दौरान 29 जुलाई 2023 को मुकेश मौर्य को सर्वसम्मति से प्रांताध्यक्ष चुना गया था। इस चुनाव को तत्कालीन अध्यक्ष कंसोटिया ने हाईकोर्ट में चुनौती दी, जिसके बाद रजिस्ट्रार फर्म्स एवं सोसायटी द्वारा दोनों पक्षों की सुनवाई के बाद मुकेश मौर्य की कार्यकारिणी को वैधता दी गई। फिर भी विवाद शांत नहीं हुआ। शिकायत के अनुसार सेवानिवृत्त अधिकारी गौतम पाटिल ने कंसोटिया को अनधिकृत रूप से पुनः महासचिव नियुक्त कर दिया और रजिस्ट्रार के आदेश के विरुद्ध अपील दायर कर दी।

गंभीर आरोपों के चलते विवाद और बढ़ा

ज्ञापन में दावा किया गया है कि कंसोटिया ने संगठन पर दोबारा नियंत्रण बनाए रखने के लिए ऐसे व्यक्ति को महत्व दिया जिस पर आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। पत्र के अनुसार राजवीर अग्निहोत्री पर 2 अप्रैल 2018 को रेलवे ट्रैक उखाड़ने का आरोप है। वह कई महीने जेल में सजा काट चुका है और मुरैना पुलिस एवं रेलवे कोर्ट में अन्य प्रकरण भी दर्ज हैं। नई कार्यकारिणी का आरोप है कि ऐसे व्यक्तियों को पद देकर सामाजिक सौहार्द व संगठन को नुकसान पहुंचाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री के हस्तक्षेप की मांग

मौर्य धड़े ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मांग की है कि 65 लाख के आर्थिक घोटाले की उच्चस्तरीय जांच की जाए। कंसोटिया और राजवीर अग्निहोत्री पर वैधानिक कार्रवाई हो। अजाक्स पर आधिपत्य को वैधानिक रूप से मौर्य को दिलाया जाए। विभिन्न विभागों को भेजे जा रहे पत्रों पर रोक लगाई जाए।

हिस्ट्रीशीटर की डंडों से पीट-पीटकर हत्या

सागर में घेरकर सड़क पर घसीटा; हमलावर बोले- इसके पैर तोड़ दो

सागर (नप्र)। सागर के कोतवाली थाना क्षेत्र के लाजपतपुर में हिस्ट्रीशीटर की डंडों से पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। शुक्रवार को वारदात का वीडियो सामने आया है, जिसमें आरोपी डंडों से बदमाश को बेरहमी से पीटते हुए नजर आ रहे हैं। वारदात 25 नवंबर की रात की है। वीडियो सामने आते ही पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार, 25 नवंबर की रात सुशील चौबे (40) निवासी बाहुवली कॉलोनी रास्ते के समय लाजपतपुर क्षेत्र में गली से जा रहा था। जहां किसी बात को लेकर विवाद हुआ। विवाद में कुछ लोगों ने उसके साथ डंडों से जमकर मारपीट की। मारपीट में आई चोटों से वह गंभीर घायल हुआ। घायल को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान 27 नवंबर को उसकी मौत हो गई। सूचना पर पुलिस मौके

पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। शव का पंचनामा बनाकर पोस्टमॉर्टम कराया गया है। शव परिवार वालों को सौंप दिया गया है।

भाई ने कहा- लोगों ने बेरहमी से पिटाई की- वारदात का वीडियो शुक्रवार को सामने आया। वीडियो में करीब 15 लोग हाथों में डंडे लेकर सुशील चौबे से मारपीट करते हुए नजर आ रहे हैं। वे कह रहे है कि इसके पैर तोड़ दो। इसी दौरान वीडियो में एक युवक सुशील को घसीटने की बात भी कह रहा है।

सुशील के बड़े भाई सुधीर चौबे ने बताया कि लाजपतपुर में कुछ लोगों ने भाई के साथ बेरहमी से मारपीट की है। मारपीट में आई चोटों के कारण उसकी मौत हो गई। मारपीट करने वालों में तुलसी प्रजापति और अन्य लोग शामिल हैं। मारपीट किस बात पर की, यह पता नहीं है। उन्होंने दोषियों पर सख्त कार्रवाई करने की मांग की है।

पुलिस ने कहा- आरोपियों की कर रहे तलाश

कोतवाली थाना प्रभारी मनीष सिंघल ने बताया कि सुशील चौबे के साथ कुछ लोगों ने मारपीट की थी। घटना के बाद इलाज के दौरान उसकी मौत हुई है। पोस्टमॉर्टम कराया गया है। पीएम रिपोर्ट में मौत का कारण स्पष्ट हो सकेगा। मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश की जा रही है। सुशील चौबे कोतवाली और गोपालगंज थाने का निगरानी बदमाश था। उसके खिलाफ पूर्व से पैसे छीनना, मारपीट करने जैसे करीब दो दर्जन आपराधिक मामले दर्ज हैं।

आईपीएस डी श्रीनिवास वर्मा प्रतिनियुक्ति से लौटेंगे

- **लवानिया की दिल्ली में पोस्टिंग के बाद गढ़पाले को पावर मैनेजमेंट कम्पनी का एमडी बनाया**

भोपाल (नप्र)। एमपी कैडर के दिल्ली में पदस्थ आईपीएस अधिकारी और सरदार वल्लभभाई पटेल नेशनल एकेडमी के जाइंट सेक्रेट्री की प्रतिनियुक्ति खत्म हो गई है। वे जल्दी ही एमपी में वापसी करेंगे। उधर एमपी कैडर के आईएएस अधिकारी अविनाश लवानिया की केंद्र में प्रतिनियुक्ति के बाद राज्य सरकार ने ऊर्जा विभाग के सचिव विशेष गढ़पाले को एमपी पावर मैनेजमेंट कम्पनी का एमडी बनाया है। लवानिया को जल्दी ही रिलीव किया जाएगा। वर्ष 1997 बैच के आईपीएस अधिकारी डी श्रीनिवास वर्मा सरदार वल्लभ भाई पटेल नेशनल एकेडमी में जॉइंट सेक्रेट्री के तौर पर काम कर रहे थे। जिन्हें केंद्रीय गृह मंत्रालय ने 26 नवम्बर को जारी निर्देश में एमपी कैडर में वापस भेजने का फैसला किया है।

वर्मा की एमपी वापसी के बाद उन्हें एमपी कैडर में नई पदस्थापना दी जाएगी। उधर 2009 बैच के आईएएस अविनाश लवानिया को सेंट्रल स्टाफिंग स्कीम के अंतर्गत दिल्ली में पदस्थ किया गया है। इसके बाद केंद्र सरकार ने एमपी के चीफ सेक्रेट्री को पत्र लिखकर उन्हें रिलीव करने के लिए कहा है। इसके चलते मोहन सरकार ने लवानिया के स्थान पर नई पोस्टिंग भी कर दी है।

संपादकीय

आर्थिक अपराधों में न्याय के दोहरे मापदंड

सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में एक 14 हजार करोड़ के बड़े आर्थिक घोटाले में जिस तरह से आरोपियों को 'नरम' सजा दी है, उससे आर्थिक अपराधों के मामले में न्यायिक असमानता को लेकर सवाल उठ रहे हैं। जबकि यह मामला गंभीर फर्जीवाड़े का था और आरोपियों को 'सेटलमेंट' की जगह सख्त सजा मिलनी चाहिए थी। उल्लेखनीय है कि स्टर्लिंग बायोटेक के मालिक और घोटाले के आरोपी संदेसरा बंधुओं को फैसले के मुताबिक सेटलमेंट के तौर पर क़रीब 5000 करोड़ रुपये देने होंगे। ऐसा करने पर उन पर दर्ज सारे आपराधिक केस हटा लिए जाएँगे। नितिन और चेतन संदेसरा बंधुओं ने 14 हजार करोड़ की यह ठगी सरकारी बैंकों से की थी। गुजरात स्थित उनकी कंपनी स्टर्लिंग बायोटेक लिमिटेड के जरिए उन्होंने बैलेंस शीट में हेराफेरी की, टर्नओवर बढ़ाकर दिखाया और सैकड़ों शेल कंपनियों के माध्यम से कर्ज की राशि को निजी वैभव में बदल दिया। बॉलीवुड की शानदार पार्टियाँ, निजी जेट, विदेशी निवेश- सब कुछ बैंक के पैसों से। इस पूरे मामले की सीबीआई और ईडी की जाँच बताती है कि संदेसरा बंधुओं ने 2004-2012 के बीच व्यवसाय विस्तार के नाम पर लोन लेकर उसे डायवर्ट कर दिया। यह कोई साधारण व्यापारिक गलती नहीं थी बल्कि सुनियोजित लूट थी जिसे रेगुलेटरी खामियों ने आसान कर दिया। 2017 में जब शिकंजा कसा गया, तो दोनों भाई अल्बानिया के पासपोर्ट लेकर नाइजीरिया भाग गए। वहाँ उनकी कंपनी स्टर्लिंग ऑयल अब नाइजीरिया के कुल राजस्व का 2.5 प्रतिशत देती है। यानी भारत में अपराध करके वो अब विदेश में राज करते हैं। सवाल यह है कि संदेसरा बंधु इतना बड़ा फ्रॉड कैसे कर पाए? बगैर तगड़े राजनीतिक संपर्कों के यह संभव नहीं था। बताया जाता है कि यूपीए शासन में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अहमद पटेल से उनके गहरे संबंधों के चलते बैंकों ने आँखें मूंदकर बड़े-बड़े कर्ज मंजूर किए। 2014 के बाद दोनों शातिर भाइयों ने खुद को 'राजनीतिक प्रताड़ना का शिकार' बताया और दावा किया कि मोदी सरकार उनके कांग्रेस कनेक्शन की वजह से बदला ले रही है। लेकिन सच्चाई यह है कि गुजरात में 1995 से बीजेपी की ही सरकार है और शुरुआती कर्ज वहीं मंजूर हुए थे। राकेश अस्थाना जैसे विवादास्पद अधिकारियों से भी उनके तार जुड़े बताए जाते हैं। यानी दोनों पार्टियों के दौर में संरक्षण मिलता रहा। यह भारत के क्रोनी कैपिटलिज्म का क्लासिक उदाहरण है। यानी नेता संरक्षण देते हैं, उद्योगपति चंदा देते हैं, और जनता का पैसा डूबता है। इसी मामले पर 23 नवंबर 2025 को सुप्रीम कोर्ट ने एक ऐतिहासिक फैसला दिया। जिसके मुताबिक 5700 करोड़ रुपये (यानी कुल बकाया का लगभग एक-तिहाई) दिसंबर 2025 तक जमा करने पर सारे संदेसरा बंधुओं पर सभी आपराधिक मुकदमे खत्म हो जाएँगे और दोनों भाई भारत लौट सकेंगे। इसके पहले ईडी ने उनकी 14521 करोड़ की संपत्ति कुर्क की थी- नाइजीरिया के तेल खदान से लेकर गल्फस्ट्रीम जेट तक। हैरानी की बात यह है कि अदालत के इस फैसले को 'व्यावहारिक समाधान' बताया जा रहा है। लेकिन आम आदमी के गले नहीं उतर रहा है। हालांकि फरार आर्थिक अपराधी कानून (2018) में सेटलमेंट का प्रावधान है, लेकिन उसका मकसद अपराधी को सजा से पूरी तरह मुक्त करना तो नहीं ही है। इस फैसले से ध्वनि निकलती है कि इस देश में कितना भी बड़ा आर्थिक अपराध करो और विदेश भाग जाओ तथा वहां नया कारोबार खड़ा कर लो। लेकिन इस मामले में कोर्ट की सोच सिलेक्टिव लगती है। क्योंकि विजय माल्या पर भी ऐसे ही आरोप हैं,लेकिन बैंकों ने माल्या के सेटलमेंट ऑफर को ठुकरा दिया। तो फिर संदेसरा के मामले में इसे क्यों और किस दबाव में स्वीकार किया गया, यह सोचने की बात है।

आतंकवाद के व्यापक तंत्र का उत्तर क्या?

नजरिया

अवधेश कुमार

लेखक दिल्ली निवासी वरिष्ठ पत्रकार हैं।

थ्रीमा ऐप फोन नंबर या ईमेल के बिना काम करता है और हर यूजर को एक यूनिक आईडी देता है, जिससे उसका पता लगाना मुश्किल हो जाता है। हम और आप में से कितने लोगों ने थ्रीमा ऐप का नाम सुना है या उपयोग किया है? पता नहीं अभी इसमें और क्या-क्या जानकारियां सामने आएंगी। डॉक्टर बनने वाला कोई व्यक्ति छात्र के रूप में थोड़ा मेधावी तो होगा ही। इमरान मसूद जैसे नेता इनको भटका हुआ बता दें या हुसैन दलवई जैसे मुस्लिम नेता कहें कि चुनाव के पहले ही विस्फोट क्यों होता है, यह कहा जाए कि आप इसको इस्लामी आतंकवाद ना कहिए तो क्या उत्तर दिया जा सकता है?

दिल्ली लाल किला आतंकवादी कार विस्फोट की छानबीन से आ रही जानकारियों ने पूरे देश में भय और सनसनाहट पैदा किया हुआ है। अभी तक की जानकारियां बता रही हैं कि अगर आतंकवाद का यह मॉड्यूल सफल हो गया होता तो देश में जगह-जगह अनगिनत विस्फोट होते और उसमें होने वाली मानवीय एवं संपत्तियों की क्षति का तो आकलन भी नहीं किया जा सकता। सच कहें तो आतंकवाद के दौर की शुरुआत से अब तक पूरे देश में विध्वंस पैदा करने का यह सबसे बड़ा तंत्र सामने आया है। बताया गया है कि विस्फोट के लिए 32 कारों की व्यवस्था थी जिनमें से कई बरामद हो चुके हैं। इन कारों के अलावा अलग-अलग तरीकों से भी विस्फोटों की तैयारी थी। उनकी तैयारीयों का एक उदाहरण देखिए । कार विस्फोट में आत्मघाती बना उमर उन नबी के जम्मू कश्मीर अनंतनाग के काजीगुंडा के गिरफ्तार साथी जसीर बिलाल वानी उर्फ दानिश से पता चला है कि हमास द्वारा 7 अक्टूबर, 2023 को इसराइल पर किए गए ड्रोन और रॉकेट से हमला की पुनरावृति करने की भी तैयारी थी । उसे छोटे ड्रोन हथियार बनाने और उन्हें मॉडिफाई करने का तकनीकी अनुभव है। उसने डॉ. उमर को तकनीकी मदद दी और वह भीड़भाड़ वाले इलाके में ड्रोन से बम गिराने की योजना को साकार करने के लिए ड्रोन और रॉकेट बनाने की कोशिश कर रहा था। विस्फोट में इस्तेमाल कार खरीदने के लिए दिल्ली आया राशिद अली भी जम्मू कश्मीर का रहने वाला है। वास्तव में अब तक की छानबीन हमें कई पहलुओं पर गंभीरता से विचार करने को भी विवश करती है।

अभी तक इस भयानक आतंकवादी मॉड्यूल में छह ऐसे सम्मिलित डॉक्टर गिरफ्तार किए गए हैं जिनका दिमाग चिकित्सा में अच्छा करने की जगह मजहब के नाम पर हमला हत्या और विध्वंस पैदा करने की दिशा में ही लगा था। श्रीनगर का रहने वाला एक अन्य संदिग्ध डॉ. निसार फरार है। वह डॉक्टर्स एसोसिएशन ऑफ कश्मीर का अध्यक्ष भी है। जम्मू-कश्मीर सरकार ने डॉ. निसार को बर्खास्त कर दिया है।

इन्होंने अचानक कर विस्फोट नहीं किया बल्कि पहले से कोशिश चल रही थी। 6 दिसंबर को अयोध्या से लेकर अनेक स्थलों पर विस्फोट करने और उसके बाद इसकी श्रृंखला कायम रखने की तैयारी थी । अलफलाह यूनिवर्सिटी से गिरफ्तार

डॉ. मुजम्मिल गनई के मोबाइल फोन से प्राप्त डंप डेटा से पता चला है कि उसने और उमर ने इस वर्ष जनवरी में लाल किले क्षेत्र की भी कई बार रेकी की थी। ये रेकी गणतंत्र दिवस पर इसको निशाना बनाने की एक बड़ी साजिश का हिस्सा थी। उस समय क्षेत्र में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के कारण ये ऐसा नहीं कर सके । उच्च शिक्षित होने के कारण ये किस तरह हर प्रकार की तकनीक को समझ कर उसका उपयोग कर पाते थे इसका प्रमाण भी देखिए। उमर उन नबी, डॉ. मुजम्मिल गनई और डॉ. शहीन शाहिद ने स्विट्जरलैंड के 'थ्रीमा' नाम के एन्क्रिप्टेड ऐप से बातचीत की थी। इसी ऐप के जरिए वे धमाके की योजना, नक्शे सहित आवश्यक

दस्तावेज व जानकारियां साझा कर रहे थे। थ्रीमा ऐप फोन नंबर या ईमेल के बिना काम करता है और हर यूजर को एक यूनिक आईडी देता है, जिससे उसका पता लगाना मुश्किल हो जाता है। हम और आप में से कितने लोगों ने थ्रीमा ऐप का नाम सुना है या उपयोग किया है? पता नहीं अभी इसमें और क्या-क्या जानकारियां सामने आएंगी। डॉक्टर बनने वाला कोई व्यक्ति छात्र के रूप में थोड़ा मेधावी तो होगा ही। इमरान मसूद जैसे नेता इनको भटका हुआ बता दें या हुसैन दलवई जैसे मुस्लिम नेता कहें कि चुनाव के पहले ही विस्फोट क्यों होता है, यह कहा जाए कि आप इसको इस्लामी आतंकवाद ना कहिए तो क्या उत्तर दिया जा सकता है? पुलिस की छानबीन में उनके पहले किसी अपराधी से संपर्क आदि की भी जानकारी नहीं है। एक डॉक्टर को समाज में इज्जत मिलती है और उसकी गतिविधियों पर सहसा संदेश नहीं किया जा सकता। आखिर कानपुर में किसने सोचा होगा कि डॉ. शाहीन शाहिद जैश ए मोहम्मद की इतनी बड़ी आतंकवादी होगी और उसके पास एक-47 जैसा हथियार होगा, सामने आया है कि धमाके के लिए 20 से 25 लाख रुपए इकट्ठा करने में उसकी प्रमुख भूमिका थी। इसमें हरियाणा और पंजाब से लेकर दिल्ली, गुजरात, आंध्र प्रदेश, उत्तर प्रदेश तक आसानी से लोग आतंकवादी बन जाते हैं तो इसका कारण समझने के लिए अंतरिक्ष विज्ञानी होना आवश्यक नहीं है।

बगैर स्थानीय और परिवार के लोगों के सहयोग के इतना बड़ा तंत्र खड़ा हो ही नहीं सकता। फरीदाबाद के धौज मस्जिद के इमाम इश्तियाक और सिरोही मस्जिद के इमाम इमामुद्दीन अगर आतंकवाद इस्लाम का काम या जिहाद मानकर उनकी मदद कर रहे थे तो क्यों? इनने मिलकर पूरी अलफलाह यूनिवर्सिटी को ही आतंकवाद के बड़े केंद्र में बदल दिया था। पठानकोट से गिरफ्तार डॉ. रईस अहमद भी पहले अलफलाह यूनिवर्सिटी में काम करता था। इसी तरह हापुड़ के जीएस मेडिकल कॉलेज से गिरफ्तार डॉ. फारूक अहमदार अल-फलाह यूनिवर्सिटी में सीनियर रेजिडेंट रह चुका है। वह जम्मू-कश्मीर के बीरवाह जिले के बडगांव, वीरिपुरा के रहने वाला है। डॉ. मुजम्मिल जब विस्फोटक जमा कर रहा था तो किसी ने उसको टोका तक नहीं। पुलिस को बताया गया कि जब उससे पूछा तो कहा कि खेती का खाद रख रहे हैं और इसे जम्मू कश्मीर ले जाना है। जब मजहब के चेहरे इमाम तक इसमें शामिल हों तो रोक-टोक होगी कहां से। कोई कह सकता है कि परिवार की इसमें भूमिका नहीं है । डॉ. उमर नबी के मोबाइल को तोड़ कर फेंकने वाला परिवार ही था। एनआईए को उसके भाई ने बताया कि डॉ उमर नबी यहां आया था और उसने कहा था कि अगर मेरे बारे में कोई समाचार आए तो मोबाइल को नष्ट करके पानी में फेंक देना और हमने फेंक दिया। क्या भाई और परिवार ने उससे नहीं पूछा कि कौन सा समाचार आएगा? क्या समाचार आने के बाद उनका दायित्व नहीं था कि पुलिस के पास मोबाइल पहुंचायें? आखिर उसने तो अपने को उड़ा लिया था और उसे बचाने की भी समस्या नहीं थी? इसी तरह डॉक्टर शाहीन का भाई डॉ परवेज की भूमिका अभी तक संदिग्ध मानी जा रही है। सीसीटीवी फुटेज बता रहे हैं कि उमर नबी धमाके से पहले हरियाणा के मेवात गया था। फिरोजपुर झिरका टोल प्लाजा फुटेज में उसकी कार दिखाई दी, जिसमें विस्फोटक सामग्री भरी हुई थी। यह फुटेज 10 नवंबर की सुबह, यानी धमाके वाले दिन की है। जांच में पता चला है कि मेवात क्षेत्र -गुरुग्राम, नूंह और आसपास से ही 20 क्विंटल से ज्यादा अमोनियम नाइट्रेट खरीदा गया था । विस्फोटक में इस्तेमाल की गई खाद भी उमर ने मेवात से ही खरीदी थी। स्वयं को कार में उड़ाने के पूर्व उमर नबी का मेवात जाना, होटल में भोजन करना, काफी देर तक रुकना आदि के कोई निहितार्थ हैं या नहीं?

इन सबके बावजूद अगर आक्रामक रूप में प्रतिक्रिया है कि इस मुद्दे को बड़ा नहीं बनाया जाए और मुसलमान या एक समुदाय को बदनाम नहीं किया जाए तो यह देश की सामान्य स्थिति नहीं। कोई सांसद उन्हें भटका हुआ बता रहे हैं तो कोई कह रहे हैं कि अभी इसके प्रमाण क्या हैं.. किसी का तर्क है कि पहले भी आतंकवाद के आरोप में गिरफ्तार लोग लंबे समय बाद रिहा किए गए हैं ज्क्या हिंदुओं ने आतंकवाद नहीं किया है..आदि आदि। सच कह तो इस तरह की प्रतिक्रियायें उन आतंकवादियों के उन्मादी जेहादी विचारों और हिंसक कृत्यों से ज्यादा खतरनाक माना जाना चाहिए। यही प्रतिक्रिया ऐसे तत्वों का हौसला बढ़ाता है। देश हम सबका है और सभी को विचार करना पड़ेगा कि आखिर आतंकवाद से प्रत्यक्ष संघर्ष की बजाय ऐसी प्रतिक्रियाओं से उनके परोक्ष समर्थन के व्यापक व्यवहार से कैसे निपटा जाए। अभी एक मॉड्यूल हमारे सामने आया है। निश्चित मानिए ऐसे कई मॉड्यूल देश के अलग-अलग जगहों में सक्रिय होकर साजिशों को अंजाम देने में संलिप्त होंगे। किसी तरह वे कुछ करने में सफल हुए या साजिश अंजाम देने के पहले पकड़े गए तब भी सामूहिक प्रतिक्रिया ऐसी ही होगी।

आरक्षण के लिए ब्राह्मण-बेटियों की बेहूदी मांग

बयान विवाद

प्रमोद भार्गव

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

मध्य-प्रदेश में आईएएस अधिकारी का आचरण आदर्श व्यवहार के प्रति नितांत अभद्र बयान के रूप में सामने आया है। यह बयान केवल ब्राह्मणों की बेटियों के लिए ही नहीं, बल्कि समूचे देष की बेटियों के प्रति जातिसूचक अशोभनीय बयान है, जो कतई बर्दाश्त के लायक नहीं है। राजधानी भोपाल में कृषि विभाग में उपसचिव स्तर के आईएएस संतोष वर्मा ने आरक्षण का पक्ष लेते हुए विवादित बयान में ब्राह्मण समाज की बेटियों को लपेटा है। उन्होंने कहा कि जब तक मेरे बेटे को कोई ब्राह्मण अपनी बेटी दान न कर दे या उससे संबंध न बना ले तब तक आरक्षण जारी रहना चाहिए। केवल आर्थिक आधार की बात है तो जब तक रोटी-बेटी का व्यवहार नहीं होता, तब तक सामाजिक पिछड़ेपन के आधार पर आरक्षण की पात्रता बनी रहनी चाहिए। वर्मा ने यह टिप्पणी मध्यप्रदेश अनुसूचित जाति एवं जनजाति अधिकारी तथा कर्मचारी संघ का प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद एक सभा में कही है। इस कथन का वीडियो बहुप्रसारित होने के बाद इसका विरोध न केवल ब्राह्मणों ने किया, बल्कि सभी जातियों के प्रभुत्व नागरिकों ने भी किया है। इस आक्रोश के बाद संतोष वर्मा को राज्य सरकार ने निलंबित कर दिया। लेकिन इस बयान के बाद संतोष वर्मा के राज्यसेवा में रहते हुए काले-चिट्ठे का सिलसिलेवार खुलना शुरू हो गया। अब सवाल यह उठ रहा है कि अनेक आपराधिक कृत्यों का आरोपी आखिरकार उस भाजपा सरकार में सेवा में कैसे है, जो नारियों के सम्मान की चिंता का दावा करने से अघाती नहीं है। उनकी आईएएस हेतु पदोन्नति पर भी सवाल उठ रहे हैं।

इस टिप्पणी के आद संतोष वर्मा बैकफुट पर तो है। उनके दुराचरण और फर्जीवाड़े की नई-नई परतें रोजाना खुल रही हैं। उन्होंने आईएएस की पदोन्नति के लिए विषेश न्यायाधीश विजय रावत के नाम से जाली आदेश व हस्ताक्षर तैयार कराए। इन दस्तावेजों और आदेश की सत्यापित प्रति के आधार पर उन्होंने खुद को बरी दिखाकर आईएएस कैडर और पदोन्नति हासिल कर ली। जबकि जिस दिन का यह आदेश है, उस दिन विजय रावत छुट्टी पर थे। जांच में यह आदेश फर्जी पाया गया। उन पर धोखाधड़ी की एफआईआर दर्ज हुई। 27 जून 2021 को पुलिस ने वर्मा को गिरफ्तार किया और राज्य शासन ने उन्हें निलंबित कर दिया। उनके विरुद्ध आईपीसी की धारा 420 (धोखाधड़ी), 467, 471, (कूटरचित दस्तावेज) और 120-बी (साजिश) में मामला दर्ज है। इस प्रकरण की एसीपी सेंट्रल कोतवाली में अभी भी जांच चल रही है।

संतोष वर्मा पर इंदौर के लसूडिया थाने में एक महिला ने धोखाधड़ी और शारीरिक शोषण की एफआईआर दर्ज कराई थी। पीड़ित महिला का कहना था कि वर्मा ने शादी का झांसा देकर विश्वासघात किया। वह पहले से ही विवाहित था। जिसे उसने छिपाया और बाद में शादी से मना कर दिया। इस पर महिला ने एफआईआर के साथ कई जगह सरकार को शिकायती पत्र भी लिखे। लेकिन राज्य सरकार न केवल चुप्पी साधे रखी, बल्कि भारतीय प्रशासनिक सेवा संवर्ग के लिए पदोन्नत करने की अनुशंसा भी कर दी। सरकार का यह नितांत गैर-जुम्मेवाराना काम रहा था। इस पदोन्नति से संतोष वर्मा का अहंकार बड़ा और उन्होंने आरक्षण के बहाने ब्राह्मण बेटियों पर जिस तरह की निंदनीय टिप्पणी की, उसकी उम्मीद किसी समझदार व्यक्ति से कतई नहीं की जा सकती है ? यहां प्रश्न यह भी उठता है कि जिस अधिकारी को सेवा आचरण नियमावली तक का ज्ञान नहीं है, उसे कैसे सरकार ने आईएएस बना देने की अनुशंसा भारत सरकार को कर दी? ऐसी दूषित मानसिकता के अधिकारियों से निष्पक्ष कार्यशैली की उम्मीद कतई नहीं की जा सकती है ? अतएव राज्य सरकार को निलंबन से आगे जाकर सेवा समाप्ति की कार्यवाही तो करने की जरूरत तो है ही, पुलिस एवं अदालत में लंबित प्रकरणों पर भी बस्ते में बंद जांच आगे बढ़ाने की भी जरूरत है।

मध्यप्रदेश में उच्चाधिकारियों के व्यवहार में उद्दंडता लंबे समय से बनी चली आ रही है। मुख्यमंत्री कमलनाथ की सरकार के दौरान राजगढ़ जिले के ब्यावरा नगर में संशोधित नागरिकता कानून के पक्ष में प्रदर्शन कर रहे भाजपा नेताओं को जिलाधीश और उप-जिलाधीश ने चांटे जड़ दिए थे। ये चांटे कलेक्टर निधि निवेदिता और डिप्टी कलेक्टर प्रिया वर्मा ने मारे थे। दोनों नौकरशाहों ने महज अहंकार तुष्टि के चलते कार्यकर्ताओं के साथ निरंकुशता बरती थी। इन दोनों अधिकारियों का यह आचरण नागरिक सेवा के विपरीत था। उनके द्वारा स्वयं भीड़ में पहुंचकर मारपीट करना दंडनीय अपराध है। जेएनयू से षिक्षित और ब्रिटिश हुकूमत के दंभ से प्रेरित यही निधी 2016 में सिंगरौली जिला पंचायत की सीईओ रहते हुए एक पंचायत सचिव को उठक-बैठक लगवा चुकी थी।

जिला प्रमुख के 'कलेक्टर' नाम से वह अर्थ और ध्वनि नहीं निकलते हैं, जो उनकी कार्यशैली और कार्य क्षेत्र का हिस्सा है। कलेक्टर का सामान्य अर्थ, संग्राहक, संग्रहकर्ता, संकलनकर्ता, एकत्रित करने वाला अथवा कर उगाहने वाला होता है। जबकि हमारे यहां पदनाम का दायित्व जिले की कानून व्यवस्था और प्रशासनिक दायित्व से जुड़ा है। इसलिए कलेक्टर को डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट अर्थात् जिला दण्डाधिकारी भी कहा जाता है। कलेक्टर को जिलाधिकारी अथवा जिलाधीश के पदनामों से भी जाना जाता है, किंतु कलेक्टर पदनाम इतना प्रचलित और प्रभावशील हो गया है कि जो भी आईएएस बनते हैं, उन्हें सबसे ज्यादा गौरव का अनुभव कलेक्टर बनने या कलेक्टर कहलाने में ही होता है। इस बीमार प्रशासनिक तंत्र को दुरुस्त करने के लिए उनकी सेवा-शर्तों को नए सिरे से परिभाषित करने की जरूरत है।

इस बात में कोई दो राय नहीं कि बीते दो दशकों के भीतर शासन-प्रशासन के स्तर पर कार्यशैली की गुणवत्ता में बहुत गिरावट आई है और हर क्षेत्र में प्रशानिक निरंकुशता बढ़ी है। शासन यानी सरकार का काम जन-हितैशी व चतुर्मुखी विकास संबंधी ठोस नीतियां बनाना है। स्वीकृत परियोजना के अनुरूप क्रियान्वयन का दायित्व प्रशासनिक अधिकारियों का होता है, जिनमें कलेक्टर जिला प्रमुख होने के साथ अधिकतम अधिकारों से संपन्न भी होता है। इसलिए 95 प्रतिशत कार्यों का संबंध ऐसे उचित क्रियान्वयन से है, जो पूरी तरह नागरिक सेवा के अधिकारियों के हाथ होता है। सच्चाई तो यह भी है कि विधायिका की बजाय अधिकांश नई नीतियों और नए कानूनों के निर्माण में भी अहम भूमिका इन्हीं अधिकारियों की रहती है। इसलिए ज्यादातर कानून इस तरह से परिभाषित किए जाते हैं कि उनमें अंतिम निर्णय का अधिकार अंततः अधिकारी के ही हाथ में रहे। पंचायती राज, सूचना का अधिकार, कानून और उपभोक्ता अदालतों से जनता का मोहभंग हो जाना यही प्रमुख वजह है।

जब शिक्षा-तंत्र पर निगरानी की पहल का दायित्व पंचायतों को सौंपने की बात उठी थी, तब शिक्षकों ने बौद्धिक दंभ दिखाते हुए कहा था कि एक निरक्षर सरपंच उन पर निगरानी कैसे कर सकता है ? यह प्रश्न अपनी जगह तार्किक हो सकता है, लेकिन इस परिप्रेक्ष्य में गौरतलब है कि शिक्षक रोजाना विद्यालय आता है अथवा नहीं ? आता भी है तो वह मटरगश्ती करता है या कुछ पढ़ाता भी है ? इसकी तस्दीक करने का संबंध निगरानीकर्ता के पढ़े-लिखे होने से कतई नहीं है ? आज सरकारी विद्यालयों में गुणवत्ता पूर्ण पढ़ाई से बड़ा सवाल शिक्षक का विद्यालय में उपस्थित नहीं होना है। अब भला शिक्षक की उपस्थिति की तस्दीक करने में निरक्षरता कहां बाधा बनती है ? यहां यह भी गौरतलब है कि एक अनपढ़ व्यक्ति का व्यावहारिक ज्ञान, पढ़े-लिखे से भी कहीं ज्यादा भी हो सकता है ?

कलेक्टर हो या कोई अन्य लोकसेवक उसकी गुणवत्ता का मापदण्ड, उसकी ईमानदारी, कार्यक्षमता और कार्य के प्रति प्रतिबद्धता से होती है। नीतियों व कार्यों पर यदि ठीक से अमल नहीं होता है तो गुणवत्ता ध्वस्त हो जाती है। प्रत्येक राज्य सरकार अनेक श्रेष्ठ नीतियां गरीब, वंचित और किसानों के हित में बनाती हैं, लेकिन प्रशासनिक अकुशलता और भ्रष्टाचार के चलते परिणाम के स्तर पर अमल दोषपूर्ण रहता है। यही वजह रही कि मध्य-प्रदेश में क्लर्क से लेकर आईएस तक जिन अधिकारियों के यहां लोकायुक्त पुलिस ने छापे डाले हैं, उनके यहां से करोड़ों की चल-अचल संपत्तियां बरामद हुई हैं। रंगे हाथों पकड़े जाने के बावजूद ये लोकसेवक धनबल व अपनी पहुंच के जरिए बेदाग बच निकलते हैं। इनका बच निकलना इसलिए भी आसान होता है, क्योंकि बचाव के पक्ष में अनेक कानून और अनुमोदन की कड़ियां हैं। किसी नौकरशाह को गिरफ्त में लेने से पहले इन कड़ियों से पार पाना टेढ़ी खीर होता है। बावजूद कोई भी संवेदनशील सरकार इतना तो कर ही सकती है कि भ्रष्टाचार के मामले में पकड़े गए और तकनीकी आधार के बूते छूटे लोकसेवकों को प्रशासनिक दायित्व से मुक्त रखे। लेकिन ऐसा होता नहीं है। यह संतोष वर्मा के मामले में भी साफ दिखाई दे रहा है।

नौनिहालों का रंगमेला

'विश्वरंग' विशेष

अर्जुन कुमार सिंह

चित्रकार-कलागुरू

'विश्वरंग' ने बच्चों को एक ऐसा सुनहरा मंच प्रदान किया है जहां बच्चे अपनी सोच-समझ, तकनीक और माध्यम हमसे साझा करते हैं।

'विश्वरंग' में बच्चे, सुबह की संजीवनी हवा जैसे शामिल होते हैं। वे आते हैं और चारों ओर छा जाते हैं। वे इस अंतरराष्ट्रीय सांस्कृतिक उत्सव में विभिन्न प्लाट्फ़ार्म्स पर अपनी कलात्मक सचेतनता की चमक बिखेर देते हैं। और 'विश्वरंग' में सम्मिलित सभी उनके कल्पना की उड़ान के साक्षी बनते हैं। एक चित्रकार होने के नाते जब भी मैं विश्वरंग से जुड़ा, बेहद समृद्ध हुआ। इस बात को कहते हुए मैं बहुत खुशी महसूस करता हूँ कि विश्वरंग और रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय ने यह सुनहरा अवसर प्रदान किया जब मैं टैगोर पेंटिंग कार्यशाला में बच्चों से रूबरू हो सका और उनकी सृजनात्मक प्रतिभा से परिचित हो सका। विश्वरंग ने बच्चों को एक ऐसा सुनहरा मंच प्रदान किया है जहां बच्चे अपनी सोच-समझ, तकनीक और माध्यम हमसे साझा करते हैं।और फिर देश के ख्यातिलब्ध चित्रकार, मूर्तिकार, डिजाइनर उन्हें माध्यम और तकनीक में समृद्ध बनाने में हर-संभव कोशिश करते हैं। इस प्रकार यह एक अनूठा अवसर बन जाता है जहां ख्यातिलब्ध कलाकार बच्चों में कला के कौशल को जाग्रत करते हैं और बच्चों के भीतर छुपे रचना संसार को बाहर लाते हैं; उन्हें कला के नए- नए माध्यमों और रूपाकारों से परिचित कराते हैं। 2019 से आज तक, विश्वरंग में यह सिलसला बदस्तूर जारी है। यह आयोजन इस बात के गवाह हैं कि बच्चों ने विश्वरंग में भाग लेते हुए कला के विभिन्न माध्यमों और रूपों में अपनी प्रतिभा को बढ़ाया है।वे जलरंग माध्यम (पेंटिंग) से शुरू करके, क्लेमाडलिंग, पेपरमेशे, प्रिंटमेकिंग, मुखौटे, फोटोग्राफी आदि में एकबारगी कला की यात्रा करते हैं।यह एक ऐसा सुखद पल होता है जिसे बार-बार जीना हर किसी की, ख्वाहिश होती। मुझे याद है 2022 के विश्वरंग में बच्चों ने परंपरा और आधुनिकता दोनों पक्ष का पूरा आनंद उठाया था। जब वे कार्यशाला के लिए आए थे उन्होने ऋषि के विश्वरंग में बच्चों ने परंपरा और आधुनिकता दोनों पक्ष का पूरा आनंद उठाया था। जब वे कार्यशाला के लिए आए थे उन्होने ऋषि वैज्ञानिकों पर केन्द्रित चित्रों की प्रदर्शनी का आनंद उठाया और अपना ज्ञानवर्धन किया। फिर वे अनीता दुबे द्वारा छोटे-छोटे पत्थर से बनाए गए महात्मा गांधी के जीवन पर बनाई गई कलाकृति से वे रूबरू हुए और उन्होने लीक से हटकर कला की निर्मिति का सबब सीखा। फिर वे लोक और आदिवासी कलाकारों द्वारा प्रदर्शित चित्रों और मूर्तियों से रूबरू हुए जहां उन्होने परंपरा की विभिन्न रंगों और रूपाकारों का आस्वादन किया। अब वे टैगोर राष्ट्रीय कलाप्रदर्शनी के सम्मुख थे, जहां उन्होंने आधुनिक कला के विभिन्न पहलुओं को देखा व वरिष्ठ तथा युवाकलाकारों से उनकी कला पर बातचीत की। यहाँ वे विभिन्न माध्यम, भाषा, शैली, रूपाकारों से परिचित हुए। साथ ही प्रदर्शनी में देशभर से पधारे हुए कलाकारों के साथ कार्यशाला के दौरान पेंटिंग, प्रिंट मेकिंग, क्ले-मॉडलिंग, पेपरमेशे माध्यम में सृजन और सृजन प्रक्रिया का आनंद उठाया।

विश्वरंग में एक पूर्वरंग भी है, जब बच्चे विभिन्न विद्यालयों से हजारों की संख्या में आते हैं और टैगोर कला प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हैं।वे सफ़ेद पेपर पर अपनी कल्पना के रंग भरते हैं, अपनी दुनिया के रूपों को आकार देते हैं। वे एक पूरा समानान्तर संसार बसाते हैं; जहां फल-फूल, पेड़-पौधे, पशु-पक्षी, देवी-देवता, महिला-पुरुष, आकाश, बादल, सूरज, चाँद और भी अनगिनत चीजें शामिल होती हैं।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
वरिष्ठ संपादक
पंकज शुक्ला
प्रबंध संपादक
अरुण पटेल
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

मौत ढीली-ढाली है और श्रद्धा तेज तर्रार

व्यंग्य

सुधीर नायक

लेखक व्यंग्यकार हैं।

मौत ढीली-ढाली है और श्रद्धा तेज तर्रार। श्रद्धा की रफ्तार ज्यादा है।श्रद्धांजलि पहले आ जाती है मौत बाद में आ पाती है।कल कोई कह रहा था कि लोगों में संवेदनाएं नहीं बचीं। मैंने लताड़ दिया। मैंने कहा कि तुम रहते कौन सी दुनिया में हो? संवेदनाएं नहीं बचीं? अरे,उल्टा संवेदनाएं बढ़ गयीं हैं।इतनी बढ़ गयीं हैं कि बढ़कर छलक रहीं हैं। अंजलियां श्रद्धा से लबालब हैं।संवेदनाओं का आलम यह है कि मृत्यु हो नहीं पातीं और श्रद्धांजलियां आने लगतीं हैं। अब इससे ज्यादा और कितनी संवेदनशीलता चाहते हो तुम? लोग इतने भावुक हैं कि पूरी तरह मरने तक सब्र नहीं कर पाते। भावनायें उमड़ घुमड़ रहीं हैं कि किसी तरह मृत्यु हो और हम संवेदना पोस्ट करें। संवेदनायें बिल्कुल तैयार रखीं हैं,बस खबर आये और पेस्ट करें। ये प्रेम की बात है। तुम नहीं समझोगे। प्रेम में सबकुछ जायज़ है।भावातिरेक में कभी कभी गफलत हो जाती है।मरीज़ की आंखें बंद हुईं और लोगों ने विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित कर दी। बाद में पता चला कि दवाई के असर से आंख मुंदी थी।कुछ लोग कह रहे हैं कि यह ग़लत है।क्यों ग़लत है? अरे,श्रद्धांजलि ही तो दे रहा है। कोई जेब तो नहीं काट रहा है।उसकी निष्ठा तो देखो।कल की जगह आज दे दी तो कौन सा आसमान टूट पड़ा? उसकी देने की नीयत तो है। राजा हो रंक,एक दिन जाना सबको है।एक न एक दिन ओम् शांति लिखी जाना है।किसी ने थोड़ा पहले लिख दी।क्या फर्क पड़ता है? कम से कम लिखा तो। उसकी भावना की कद्र होनी चाहिए। सरकारें आदेश जारी करतीं हैं और लिख देती हैं इसे अमुक तारीख से लागू माना जाये। श्रद्धांजलि वालों को मेरी सलाह है कि उन्हें भी थोड़ा सा चेंज कर लेना चाहिए। ओम् शांति,शत् शत् नमन वगैरह के बाद एक लाइन डाल दो कि यदि अभी मृत्यु न हुई तो जिस दिन वाकई हो जाये उस दिन इसे मान्य किया जाये। इससे आलोचकों का मुंह बंद हो जायेगा और उनकी श्रद्धांजलि बेकार नहीं जायेगी।लोगों की बातों पर मत जाओ। कुछ तो लोग कहेंगे लोगों का काम है कहना।यही लोग पहले बदनाम करते थे कि भारत के लोग लेट लतीफ़ हैं।टाइम की कद्र नहीं करते। अब भारत वालों ने टाइमिंग सुधारी है।सुधारने के चक्कर में थोड़ी ज्यादा सुधर गयी।समय से पहले ही हो जाता है कभी कभी तो अब उसमें भी दिक्कत है।अब इंसान करे क्या? किधर जाये? संवेदनाएं इस कदर बढ़ गयीं हैं कि हमसे संभल नहीं रहीं हैं।अंगुलियां ओम शांति लिखने को मचलतीं हैं।फोटो दिखी और बेचैनी होती है कि कब ओम् शांति लिख डालें। वो तो गनीमत है कि अब बहुत सहूलियत है। आराम से लेटे लेटे रजाई में दुबके हुए श्रद्धांजलि देने की सुविधा है। पहले श्रद्धांजलि देने विश्राम घाट जाना पड़ता था। श्रद्धांजलि वहीं होती थी और फिर गीले कपड़ों में घर लौटते थे लोग। जब कड़ाके की ठंड पड़ती थी तो लोग भगवान से विनती करते थे कि हे प्रभु !ऐसी ठंड में किसी को मत उठाना। इतनी ठंड में गीले कपड़ों में घर आने की कल्पना से ही कंपकंपी आती थी।हमारे यहां लक्खू भैया थे वे हर दाह संस्कार में जाते थे।और कहीं जायें न जायें पर एक भी दाह संस्कार नहीं चूकता था। हालत यह थी कि लक्खू भैया दिख जायें तो लोग यही पूछते थे कि आज कौन चला गया? घर से उनके निकलने की शर्त ही यही थी कि कोई निकल गया हो।लेकिन लक्खू भैया जब खुद गये तब बहुत कम लोग थे। उन्हें प्रॉपर रिटर्न नहीं मिला। चक्कर यह था कि वे जिन जिनके संस्कार में गये थे वे दूसरे लोक में थे। और जो इसी लोक में थे उनके संस्कार में वे अभी गये नहीं थे। इसलिए वे लोग आये नहीं।

डिजिटल प्लेटफार्म : सारा जहाँ एक मंच पर

विश्वरंग विशेष

विकास अवस्थी

लेखक सीईओ, विश्वरंग फाउण्डेशन है

विश्वरंग की यात्रा का एक और महत्वपूर्ण पहलू है डिजिटल प्लेटफार्म। विश्वरंग डिजि़टल एक ऐसा मंच है जो लगातार देश और विदेश के रचनाकारों को जोड़ने काकाम कर रहा है। वेबसाइट, यूट्यूब, फेसबुक, इंस्टाग्राम, X, स्पॉटिफाई जैसे माध्यमों के साथ मिलकर लगभग 10 लाख से अधिक फॉलोअर्स का एक बड़ा परिवार बनता है। विश्वरंग.com पर भाषा, साहित्य, संगीत, नृत्य, कलाओं की रचनाएँ प्रकाशित की गई हैं। जिसमें 400 से अधिक वीडियो, पॉडकास्ट प्रकाशित किए गए हैं, यूट्यूब चैनल पर 1000 से अधिक वीडियो प्रकाशित किए गए हैं जहाँ साहित्य, कला, सिनेमा, रंगमंच, लोकगीत, बोलियाँ, आदिवासी साहित्य, कलाएँ, जैसे विषयों पर बातचीत, नृत्य प्रस्तुति, संगीत की प्रस्तुतियाँ प्रकाशित की गई हैं।

अलग-अलग क्षेत्रों की जानी-मानी हस्तियाँ जैसे अमीश त्रिपाठी, आशुतोष राणा, रसिका दुग्गल,नीलेश मिश्रा ,पवन कुमार वर्मा, अन्नू कपूर, अवध ओझा, चेतन भगत, अश्विन सांघी आदि से बातचीत आपको देखने को मिलती है।

एक प्रमुख कार्य जो विश्वरंग डिजिटल कर रहा है वह है नई प्रतिभाओं को मंच प्रदान करना। लगभग 10 हजार से अधिक युवा रचनाकारों ने अपनी रचनाएँ और प्रस्तुतियाँ भेजी हैं। आप अक्सर यह सुनते होंगे कि आजकल के युवा साहित्य और कलाओं में अपना योगदान नहीं दे रहे हैं, रुचि नहीं दे रहे हैं। इसमें ही दो कदम आगे चलकर कुछ लोग यह भी कहते हैं कि आज का युवा अब जड़ों और संस्कृति से जुड़ा नहीं है। लेकिन विश्वरंग पर युवाओं की रचनाओं की संख्या देखकर यह बात सिरे से खारिज होती है। जब हमने राम विषय पर रचनाएँ आमंत्रित कीं तो सैकड़ों रचनाएँ प्राप्त हुई जिनमें राम पर आधारित कविताएँ, गीत, कहानियाँ आदि प्राप्त हुई। एक और उदाहरण से इसे समझते हैं, गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर की जयंती पर रचनाएँ आमंत्रित कीं तब भी सैकड़ों रचनाएँ हमें प्राप्त हुई। ये दोनों उदाहरण इस बात को स्थापित करते हैं कि युवाओं में साहित्य और

कलाओं को लेकर उत्सुकता है।

सृजन का अर्थ है नवाचार और नवाचार का अर्थ है परिवर्तन। विश्वरंग डिजिटल इस परिवर्तन का एक मंच है, जहाँ नई प्रतिभाओं को अपनी कला और साहित्यिक कौशल को प्रदर्शित करने का अवसर मिलता है। जब हम युवा रचनाकारों को अपनी रचनाओं में सामाजिक, सांस्कृतिक और मानवीय मुद्दों पर विचार करते हुए देखते हैं, तो यह स्पष्ट हो जाता है कि कला और साहित्य के माध्यम से समाज में बदलाव की कितनी ताकत होती है।

सिर्फ रचनाकारों की बात नहीं बल्कि अच्छी रचनाओं को पढ़ने, सुनने, देखने के लिए लोग भी उतने ही उत्सुक रहते हैं। ऐसा सिर्फ देश ही नहीं बल्कि विदेशों में भी देखने को मिलता है। जब हम सहयोगी देशों के साथ विश्वरंग के कार्यक्रम विश्वरंग डिजिटल पर आयोजित करते हैं तब वहाँ के युवा रचनाकारों का उत्साह देखते ही बनता है। फिर चाहे वह अमेरिका हो या कनाडा, यूके, कतर, चीन आदि देश हों। देश और दुनिया के रचनाकारों को एक मंच पर लाकर एक वैश्विक समुदाय बन रहा है जहां साहित्य और कलाओं के लिए सभी एक साथ आ सकते हैं। विश्वरंग.com भारतीय संस्कृति को वैश्विक मंच पर लाने के अपने प्रयास को लगातार जारी रखे हुए है।

‘वनमाली’ के दस्तावेज़

विश्वरंग

ज्योति रघुवंशी

लेखक-राष्ट्रीय महामंत्री, वनमाली सृजन केन्द्र

दस्तावेजीकरण विश्वरंग का एक प्रमुख लक्ष्य रहा है। विश्वरंग 2022 तक आते-आते कई ऐसे प्रयास कियेग ये हैं जो इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। ‘विश्वरंग’ का एक महत्वपूर्ण रचनात्मक घटक है- वनमाली सृजन पीठ जिसने इस महोत्सव को अनेक दस्तावेज़ी ग्रंथ साझा

किये हैं। एक नया उत्साही परिवेश रचने की पहल इस बीच आकार ले सकी है।

वनमाली सृजनपीठ लगभग 36 वर्षों का साहित्य एवं कलाओं में काम करने का जो अनुभव है व बताता है कि आखिर सभी कलाओं और अनुशासनों में एक तरह की आपसदारी बनती है और उसे पहचानना ही अपने कलात्मक क्षितिज का विस्तार करना है। इसी तरह अन्य अनुशासन भी कलात्मक विधाओं में हस्तक्षेप करते हैं। मसलन उपन्यास और कहानी में क समकालीन तथा युवा रचनाकारों के यहां आपको ऐसी शैलियों और अनुशासनों की छाया मिल जायेगी जिन्हें पहले उपन्यास या कहानी के डोमेन में नहीं रखा जाता था, उनमें आप इतिहासकी, चित्रकला की, फिल्म तकनीक की, नाटक की और दार्शनिक निष्कर्षों की छाया पाते हैं। असल में ज्ञान-विज्ञान का जो विस्फोट हमारे आसपास हुआ है, उसने बहुत सारी पुरानी सीमा रेखाओं को तोड़ा है। उपरोक्त सभी अनुशासनों का विभिन्न सत्रों को आयोजन में शामिल करने का लक्ष्य इस नये उभरते मानचित्र को पहचानना है।

वर्ष 1990 से 30 वर्षों की लंबी यात्रा में वनमाली सृजनपीठ ने बहुत सारे अनुभवों और मित्रों को जोड़कर एक ऐसा समावेशी वातावरण का निर्माण किया जिसमें प्रत्येकक विचारधारा के लोग साथ बैठकर बातचीत कर सके, पहला विश्वरंग इसी समावेशी विचारधारा की संचित पूंजी था। दस्तावेजीकरण विश्वरंग का एक प्रमुख लक्ष्य रहा है। विश्वरंग 2022 तक आते-आते कई ऐसे प्रयास कियेग ये हैं जो इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। हिन्दी की लगभग 200 वर्षों की कथा परम्परा को समेटते हुए, 600 से अधिक कथाकारों तथा आलोचकों के साथ, 18 खंडों में ‘कथादेश’ का प्रकाशन, अविभाजित मध्यप्रदेश 6 खंडों में ‘कथा मध्यप्रदेश’ का प्रकाशन और भोपाल के 187 कथाकारों के साथ ‘कथाभोपाल’ का प्रकाशन दस्तावेजीकरण के ऐसे ही महती प्रयास हैं। हिन्दी में विज्ञानकथाओं की जरूरत को महसूस करते हुए 6 खंडों में ‘विज्ञानकथा कोश’, विज्ञानकविताओं का 3 खण्डों में ‘विज्ञानकविता कोश’, एवं बच्चों की दुनिया को समृद्ध बनाते हुए 11 खंडों में ‘बालकविताकोश’ का भी प्रकाशन किंया गया है। वनमाली सृजन केन्द्रों की रचनात्मेक गतिविधियों पर केन्द्रित बुलेटिन वनमाली वार्ता का मासिक प्रकाशन किया जाता है। जिसमें सभी केन्द्रों की गतिविधियों की रिर्पोट प्रकाशित की

जाती है। दस्तावेजीकरण की श्रृंखला में हमारी आगामी परियोजनाएँ हैं- कथाविश्वह, कवितादेश, कविता मध्यप्रदेश और व्यंग्य मध्यप्रदेश। प्रवासी साहित्यकारों के साहित्य पर और कथाप्रवास परियोजना पर भी कार्यजारी है।

करीब छह हज़ार यहूदी भारत छोड़ेंगे

विश्व राजनीति

डॉ. सुधीर सक्सेना

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

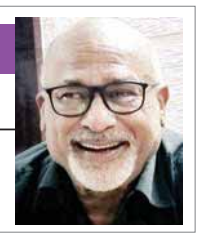

सदियों पहले भारत आ बसे यहूदियों की संख्या इजराइल के निर्माण के बाद दहाई-दर-दहाई कम से कमतर होती गयी है। इस श्रृंखला की ताज़ा कड़ी है भारत में शेष बचे 5800 यहूदी, जो जल्द भारत छोड़ देंगे। इजराइल में लंबी बहस के बाद उनकी स्वदेश वापसी का मार्ग प्रशस्त हो गया है। ये यहूदी उत्तर-पूर्व सीमांत अंचल में मुख्यतः मणिपुर में बसे हुये हैं। यह इसलिये संभव हो सका है, क्योंकि इजराइल की सरकार ने काफी बहस-मुबाहिसे के बाद 23 नवंबर को बनेई मेनाशे समुदाय के सदस्यों के आलियाह (आव्रजन) की महत्वपूर्ण और वृहद पहल को स्वीकृति प्रदान कर दी है। इस हरी झँडी के फलस्वरूप पूर्वोत्तर भारत में शताब्दियों से रह रहे यहूदी सन् 2030 तक इजराइल लौट जायेंगे।

बनेई मेनाशे समुदाय के यहूदी मूल को लेकर बरसों-बरस चली बहस के बाद शेफार्डि समुदाय के मुख्य रब्बी श्लोमो अमर ने उन्हें मान्यता प्रदान करते हुए सन् 2005 में निर्णय सुनाया था कि बनाई मेनाशे अतीत में इजराइल से पारगमित मूल के हैं। प्रमुख रब्बी के इस फैसले के बाद इन यहूदियों की अपने मूल जन्म स्थान को लौटने की साध पूरी होने का रास्ता खुल गया था।

द हिन्दु की खबर के मुताबिक नेतन्याहू-सरकार की औपचारिक स्वीकृति के पश्चात सन् 2030 तक इन सभी यहूदियों को इजराइल ले जाकर बसाने का काम पूरा हो जायेगा। इनमें से 1200 यहूदी सन् 2026 में ही इजराइल आने की अनुमति पा चुके हैं। यह पहला मौका है कि ज्यूइश एजेंसी फॉर इजराइल आव्रजन की सारी औपचारिकताओं की देख-रेख करेगी। वह इजराइल के चीफ रब्बी और धर्मान्तरण व आबादी तथा आव्रजन अधिकारियों की इन इच्छुक यहूदियों की वैधता की तफ्तीश में मुख्य भूमिका निभायेगी।

इजराइल नेसेट में उक्त आशय का प्रस्ताव आव्रजन एवं एकीकरण मंत्री ओफीर सोफर ने प्रस्ताव प्रस्तुत किया। इस सारे अभियान पर अनुमानत 90 मिलियन शैकेल यानि करीब 27 मिलियन डॉलर का खर्च आयेगा। अभियान के तहत वैध सदस्यों के हवाई मार्ग से आने-जाने के अलावा उनके एकीकरण, आवास, हिब्रू-अध्ययन और ज़रूरी औपचारिकताओं की पूर्ति की जायेगी, ताकि इजराइली-समाज में उनका संविलयन हो सके। रब्बियों और विशेषज्ञों का एक बड़ा दल इस योजना को मूर्त रूप देने के लिए शीघ्र ही भारत आयेगा। यह दल पहले उन लगभग तीन हज़ार भारतीय यहूदियों का साक्षात्कार लेगा, जिनके निकट संबंधी इजराइल में हैं।

भारत में बसे इन यहूदियों के बारे में माना जाता है कि वे आज से करीब 2700 वर्ष पूर्व असीरियनों द्वारा निर्वासन को बाध्य उन दस कबीलों में से एक कबीले से ताल्लुक रखते हैं। इस समुदाय के करीब ढाई हज़ार यहूदी पहले से इजराइल में है। मेनाशे-युवक प्राय इजराइली सेना में भर्ती हैं। इस कबीले के सदस्यों का प्राय वेस्ट बैंक में पुनर्वास किया गया है। हाल ही में उन्हें नजारत के समीप नोफ हागालील में भेजा गया है, जो अरबों और यहूदियों की मिली-जुली बस्ती है। नोफ हागालील इजराइल के उत्तरी भाग में करीब 50 हज़ार की मिश्रित आबादी का शहर है, जिसकी स्थापना सन् 1957 में हुई थी। यहाँ करीब 51 फीसद यहूदी और 29 फीसद मुस्लिम रहते हैं। यहाँ सोवियत संघ के विघटन के बाद वहाँ से आये यहूदियों की भरमार है और यह रूसी -यहूदियों का बड़ा मरकज़ है।

जघन्य अपराधों में किशोरों की बढ़ती संलिप्तता

मुद्दा

ममता कुशवाहा

लेखक शिक्षिका हैं।

पिछले कुछ वर्षों में भारत एक गहरी सामाजिक चुनौती से जूझ रहा है गंभीर और हिंसक अपराधों में किशोरों की बढ़ती भागीदारी। दिल्ली के विजय विहार क्षेत्र में घटी हाल की त्रासदी, जहाँ एक ऑटो-रिक्शा चालक की हत्या के आरोप में पाँच नाबालिगों को गिरफ्तार किया गया, इस उभरती प्रवृत्ति का एक विचलित करने वाला उदाहरण है। यह घटना कोई अलग-थलग पड़ने वाला अपवाद नहीं,बल्कि उन सामाजिक, आर्थिक और मनोवैज्ञानिक विफलताओं का प्रतीक बनकर उभरतीहै जो अनेक युवाओं को अपराध की कठोर दुनिया की ओर धकेल रही हैं। जिस आयु में किशोरों के हाथों में किताबें, सपने और संभावनाएँ होनी चाहिए, उसी आयु में उनका हथियारों से लैस होकर फुटपाथों, गलियों और सुनसान सड़कों पर भटकना किसी भी समाज के लिए भयावह संकेत है। यह समय है जब हमें इस बात काईमानदार मूल्यांकन करना होगा कि परिवार, विद्यालय, समुदाय और राज्य किस प्रकार अपने युवाओं का मार्गदर्शन कर रहे हैं और कहाँ वे असफल हो रहेहैं।

दिल्ली की घटना कई कठोर सच्चाइयाँ उजागर करती है। रोज़मर्रा की जीविका कमाने वाला एक व्यक्ति कुछ किशोरों की योजनाबद्ध डकैती का निशाना बन गया। विरोध करने पर उस पर बेरहमी से चाकुओं से हमला किया गया और अंततः उसने दमतोड़ दिया। जांच के दौरान किशोरों ने स्वीकार किया कि वे नशे की लत में डूबे हुए थे और अपनी लत को पूरा करने के लिए पैसों की तलाश में थे। यह अपराध क्षणिक उत्तेजना या आवेग का परिणाम नहीं था, बल्कि एक सोची-समझी रणनीति थी, यह इस बात का संकेत है कि किस प्रकार कुछ किशोर सामान्य जीवनसे कटकर हिंसा और दुष्चक्रों के दलदल में फँसते जा रहे हैं।

इस बढ़ते संकट की जड़ें गहरी और बहुआयामी हैं। पारिवारिक ढांचे का कमजोर होना, शिक्षा की निरंतर गिरती गुणवत्ता, सामाजिक निगरानी का क्षरण और आर्थिक असुरक्षा- ये सभी मिलकर किशोरों को जोखिमपूर्ण रास्तों पर धकेलते हैं। समाज के कई युवा गरीबी, बेरोज़गारी, पारिवारिक कलह, नशे के संपर्कऔर दिशाहीन वातावरण में बड़े होते हैं। ऐसे परिवेश में गलत संगत, अपराध की ग्लैमराइज़ेशन वाली डिजिटल सामग्री और सोशल मीडिया की अनियंत्रित दुनिया उनके नैतिक धरातल को और अधिक विचलित कर देती है। हिंसा और दंडहीनता का यह सामान्यीकरण किशोरों के भीतर एक खतरनाक विश्वास पैदा करता है कि अपराध न केवल आसान है, बल्कि लाभकारी भी।

आज का शिक्षा तंत्र भी इस चुनौती को कम करने में विफल रहा है। विद्यालयों में मूल्य-आधारित शिक्षा, जीवन-कौशल प्रशिक्षण और भावनात्मक परामर्श कोवह प्राथमिकता नहीं मिलती जिसकी आवश्यकता है। परीक्षा-केन्द्रित संस्कृति और अंकों की होड़ ने चरित्र निर्माण को पीछे धकेल दिया है। परिणामस्वरूप, एक ऐसा किशोर वर्ग विकसित हो रहा है जिसमें सहानुभूति, आत्म-अनुशासन और सामाजिक उत्तरदायित्व की कमी दिखाई देती है। यह कमी जब कठोर सामाजिक-सांस्कृतिक दबावों के साथ जुड़ती है, तो अपराध की ओर बढ़ने की संभावना अनेक गुना बढ़ जाती है।

कानूनी ढांचे में भी पर्याप्त अस्पष्टताएँ मौजूद हैं। किशोर न्याय अधिनियम में संशोधन के बाद 16-18 वर्ष की आयु के किशोरों पर जघन्य अपराधों के लिए वयस्कों की भाँति मुकदमा चलाने का प्रावधान तो है, लेकिन इसका क्रियान्वयन कई स्तरों पर अनिश्चित और असंगत है। किशोर अदालतों, कल्याण अधिकारियों और सुधार संस्थानों के बीच सामंजस्य का अभाव एक बड़ी समस्या है। कई सुधार केंद्रों की वास्तविक स्थिति अत्यंत चिंताजनक है-भीड़भाड़, प्रशिक्षित परामर्शदाताओं की कमी, अपर्याप्त पुनर्वास कार्यक्रम और मनोवैज्ञानिक सहायता का अभाव। सुधार गृह, सुधार के स्थान होने के बजाय कई बार अपराध के उन्नत प्रशिक्षण केंद्र बन जाते हैं। यह स्थिति इस मूल प्रश्न को जन्म देती है कि क्या गंभीर अपराधों में लिप्त किशोरों के साथ केवल आयु के आधार पर नरमी बरती जानी चाहिए, या समाज कीसुरक्षा सुनिश्चित करते हुए उनका कठोर लेकिन सोच-समझकर किया गया पुनर्वास आवश्यक है? स्पष्ट है कि केवल दंड या केवल सहानुभूति- दोनों ही अकेले पर्याप्त नहीं हो सकते।

किशोर अपराधों में वृद्धि व्यापक सामाजिक-आर्थिक असमानताओं और नीतिगत कमियों का भी प्रतिबिंब है। युवाओं में बेरोजगारी के उच्च स्तर,व्यावसायिक प्रशिक्षण की कमी, मानसिक-स्वास्थ्य सेवाओं का अभाव और सार्थक मनोरंजन व कौशल-विकास के सीमित अवसर- ये सभी कारक किशोरों को असंतुलित और खतरे से भरे विकल्पों की ओर धकेलते हैं। उद्देश्यहीन, निराश और बेरोज़गार किशोर अक्सर तात्कालिक रोमांच, त्वरित धन और नशे की गिरफ्त में आकर अपराध की दुनिया के आसान शिकार बन जाते हैं।

इस चुनौती से निपटने के लिए बहु-स्तरीय और व्यापक दृष्टिकोण आवश्यक है।परिवारों को सशक्त बनाने के लिए अभिभावक मार्गदर्शन कार्यक्रम, सामुदायिक परामर्श केंद्र और स्थानीय स्तर पर सहयोगी नेटवर्क विकसित किए जाने चाहिए। विद्यालयों को मूल्य शिक्षा, मानसिक-स्वास्थ्य परामर्श और जीवन-कौशल प्रशिक्षण को मुख्यधारा का हिस्सा बनाना होगा। सरकार को खेल सुविधाओं, पुस्तकालयों, युवा केंद्रों, व्यावसायिक प्रशिक्षण संस्थानों और नशामुक्ति कार्यक्रमों में निवेश बढ़ाना चाहिए। पुलिस बलों में विशेष किशोर इकाइयों का गठन और सामुदायिक पुलिसिंग अपराध-निवारण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। साथ ही, सुधार गृहों का पुनर्गठन, प्रशिक्षण आधारित पुनर्वास, मनोवैज्ञानिक थेरेपी और समाज में नियंत्रित पुनर्सलग्नन प्रक्रियाएँ अनिवार्य होनी चाहिए।

नाबालिगों में बढ़ती आपराधिक प्रवृत्ति हमारे समाज के सामने एक चेतावनी है- एक ऐसी चेतावनी जिसे अनदेखा करना भविष्य के लिए विनाशकारी साबित हो सकता है। यह समस्या केवल अपराध की नहीं, बल्कि हमारी सामूहिक असफलताओं की कहानी भी है- असमानता की, उदासीनता की, और उन दरारों की, जिन्हें समय रहते भरा नहीं गया। भारत आज उस मोड़ पर खड़ा है जहाँ उसे तय करना है कि वह अपने किशोरों को अँधेरों में भटकने देगा या उनके लिए एक सुरक्षित, संवेदनशील और अवसरों से भरा भविष्य गढ़ेगा। अपराध के यह बढ़ते पदचिह्न हमें याद दिलाते हैं कि समय रहते किया गया हस्तक्षेप न केवल संभव है, बल्कि अत्यावश्यक भी।

व्यापक लोकहित का सशक्त माध्यम ग्रामीण पत्रकारिता

दृष्टिकोण

राजेंद्र बज

लेखक स्तंभकार हैं।

समाचार सामग्री के रूप परिवर्तन सेसंवाददाता या प्रतिनिधि में समाचार प्रेषित करने की सही समझ भी विकसित होने लगती है। जिसके चलते आमतौर पर अधिकांश संवाददाता या प्रतिनिधि पत्रकारिता के क्षेत्र में इतने दक्ष हो जाते हैं कि जिस अपेक्षा के साथ समाचार प्रेषित किया गया है, वह समाचार उस अपेक्षा की कसौटी पर खरा सिद्ध होता है। यह वर्ग जमीनी धरातल पर काम करता है, इसलिए इसमें निरंतरपरिपक्वता आती रहा करती है। आम नागरिकों की नजरों में पत्र पत्रिका या समाचार चैनल के स्थानीय संवाददाता या प्रतिनिधि उनके दुख दर्द की आवाज को मुखरित करने में महत्वपूर्ण स्थान रखने लगे हैं। जब जनप्रतिनिधि निष्क्रियता का परिचय देने लगे और प्रशासनिक वर्ग निरंकुश हो जाएं तब राजनेताओं की निष्क्रियता को सक्रियता में तब्दील करने तथा प्रशासनिक निरंकुशता पर अंकुश लगाने की दिशा में यही संवाददाता या प्रतिनिधि महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करते हैं।

ग्रामीण एवं कस्बाई क्षेत्रों में औरों के लिए कुछ कर गुजरने की तमन्ना के साथ किसी पत्र पत्रिका या समाचार चैनल के संवाददाता/ प्रतिनिधि के तौर पर पत्रकारिता के क्षेत्र में प्रवेश किया जाता है। लेकिन यह कतई आवश्यक नहीं है कि यह रोजगार की दृष्टि से भीपर्याप्त रूप से लाभदायक पेशा सिद्ध हो। स्थानीय स्तर पर जिनके अंतर्मनमें जनसेवा का जज्बा हो और अन्य कोई अर्थोपार्ज़न का सशक्त माध्यम हो, आमतौर पर वही शख्सियत इस क्षेत्र में पदार्पण करती है। जिसके चलते मीडियाजगत के लिए पाठक एवं दर्शक संख्या का विस्तार होने लगता है। इसके अतिरिक्त व्यावसायिक दृष्टिकोण से संचालित मीडिया संस्थानों के लिए भी यह लाभ का सौदा होता है।

ग्रामीण एवं कस्बाई पत्रकारिता की प्रक्रिया यह रहती है कि विभिन्न समाचार सामग्री एकत्रित कर संबंधित संस्थान को प्रेषित कर दी जाती है। जहां आवश्यक तथ्यों का समावेश कर या किसी प्रकार का संशोधन कर प्रकाशन या प्रसारण हुआ करता है। समाचार सामग्री के रूप परिवर्तन से संवाददाता या प्रतिनिधि में समाचार प्रेषित करने की सही समझ भी विकसित होने लगती है। जिसके चलते आमतौर पर अधिकांश संवाददाता या प्रतिनिधि पत्रकारिता के क्षेत्र में इतने दक्ष हो जाते हैं कि जिस अपेक्षा के साथ समाचार प्रेषित किया गया है , वह समाचार उस अपेक्षा की कसौटी पर खरा सिद्ध होता है। यह वर्ग जमीनी धरातल पर काम करता है, इसलिए इसमें निरंतर परिपक्वता आती रहा करती है।

आम नागरिकों की नजरों में पत्र पत्रिका या समाचार चैनल के स्थानीय संवाददाता या प्रतिनिधि उनके दुख दर्द की आवाज को मुखरित करने में महत्वपूर्ण स्थान रखने लगे हैं। जब जनप्रतिनिधि निष्क्रियता का परिचय देने लगे और प्रशासनिक वर्ग निरंकुश हो जाएं तब राजनेताओं की निष्क्रियता को सक्रियता में तब्दील करने तथा प्रशासनिक निरंकुशता पर अंकुश लगाने की दिशा में यही संवाददाता या प्रतिनिधि महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करते हैं। इसके विपरीत राजनेताओं तथा प्रशासनिक अधिकारियों व कर्मचारियों की व्यापक जनहित के प्रति प्रतिबद्धता का गुणगान करने में भी यह संवाददाताया प्रतिनिधि पीछे नहीं रहते।

इसका त्वरित परिणाम यह निकलता है कि जनप्रतिनिधि और प्रशासन तंत्र अपने कर्तव्य पालन के प्रति प्रतिबद्ध रहा करता हैं। जिसकेचलते शासन प्रशासन की जनहितकारी नीतियों का सटीक क्रियान्वयन सुगमता पूर्वक होने लगता है। तमाम तरह की विसंगतियों का बखान तमाम विसंगतियों को सुसंगत बनाने में योगदान देता है। इसमें मीडिया जगत के संवाददाता या प्रतिनिधि का अहम योगदान होता है। एक प्रकार से ग्रामीण एवं कस्बाई पत्रकारिता किसी भी दृष्टि से समाज सेवा से कमतर नहीं है। हालांकि मीडिया जगत के शहरी दृष्टिकोण से ग्रामीण एवं कस्बाई पत्रकारिता को अन्यथा भी लिया जाता है।

हर एक समाचार सामग्री के प्रकाशन या प्रसारण के उपरांत आमतौर पर उसका जो त्वरित परिणाम निकलकर आता है, वह अत्यंत सकारात्मक हुआ करता है। इसके चलते संवाददाता या प्रतिनिधि का आत्मविश्वास इस कदर पुख्ता हो जाता है कि वह पत्रकारिता धर्म का बखूबी निर्वहन करने में अत्यंत पारंगत होने लगता है। वरिष्ठ सहकर्मियों के सहयोग से अपनी पत्रकारिता को प्रकाशन या प्रसारण संस्थान के लिए धीरे-धीरे अपरिहार्य होने लगता है। तुलनात्मक दृष्टि से देखा जाएं तो ग्रामीण एवं कस्बाई संवाददाता या प्रतिनिधि वास्तव में जमीनी धरातल पर उतरकर विशुद्ध रूप से पत्रकारिता धर्म का निर्वहन करते हुए देखे जा सकते हैं।

ग्रामीण तथा कस्बाई क्षेत्रों में केवल और केवल जन समस्याएं ही नहीं होती, अपितु सामाजिक परिवेश में ऐसा बहुत कुछ घटता रहता है जो हमारी सभ्यता एवं संस्कृति के अनुरुप होता है। इसके अतिरिक्त राजनीतिक, सामाजिक, प्रशासनिक एवं सांस्कृतिक जगत की तमाम सकारात्मक गतिविधियों का समुचित प्रतिसाद देने और दिलाने में भी ग्रामीण एवं कस्बाई संवाददाता की अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका रहा करती है। इसके विपरीत जहां कहीं अनपेक्षित घटनाक्रम होता है, उसकी तह तक जाकर वस्तु स्थिति से अवगत कराने में भी इनका महत्वपूर्ण योगदान हुआ करता है। व्यापक लोकगीत में प्राथमिकता सुनिश्चित करने और कराने की दिशा में भी इनका अहम योगदान हुआ करता है।

धार में गीता जयंती कार्यक्रमों की चल रही व्यापक तैयारियां, अधिकारियों को सौंपे दायित्व

धार । जिला पुरातत्व पर्यटन एवं संस्कृति परिषद, धार की ओर से आगामी 1 दिसंबर 2025 को आयोजित होने वाले अंतरराष्ट्रीय गीता जयंती महोत्सव की तैयारियों को लेकर प्रशासन ने जिम्मेदार अधिकारियों की ड्यूटी निर्धारित कर दी है। संस्कृति विभाग तथा परिषद द्वारा प्राप्त निर्देशों के आधार पर यह आदेश जिला पंचायत सीईओ अभिषेक चौधरी की ओर से जारी किया गया है। आदेश के अनुसार महाविद्यालयों में गीता महोत्सव गतिविधियों तथा ऑनलाइन प्रतियोगिताओं के सफल आयोजन के लिए प्रभारी प्राचार्य, शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय धार को दायित्व सौंपा गया है। वहीं जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) को विद्यालय स्तर पर गीता ज्ञान प्रतियोगिता एवं अन्य गतिविधियों के आयोजन का कार्यभार दिया गया है। सहायक आयुक्त, आदिवासी कार्य विभाग, धार और जिला शिक्षा अधिकारी (माध्यमिक) कार्यक्रमों में छात्र-छात्राओं की सहभागिता सुनिश्चित करेंगे तथा विद्यालयों में गतिविधियों के समन्वय की जिम्मेदारी संभालेंगे। जेल अधीक्षक को जिले में गीता ज्ञान प्रतियोगिता का ऑफ लाईन आयोजन, प्रभारी उप संचालक, डीईटीईएस, धार को भव्यता व आकर्षक प्रस्तुति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। नगर पालिका अधिकारी को कार्यक्रम स्थल पर स्वच्छता, सफाई और यातायात व्यवस्था की जिम्मेदारी दी गई है, जबकि जिला जनसंपर्क कार्यालय कार्यक्रमों के प्रचार-प्रसार का कार्य करेगा। इस समूचे आयोजन की निगरानी के लिए नोडल अधिकारी के रूप में मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत, धार को नियुक्त किया गया है, जो सभी अधिकारियों को सौंपे गए दायित्वों के निर्वहन का मार्गदर्शन करेंगे।

वाटरशेड महोत्सव कार्यक्रम 16 दिसम्बर तक

● वाटरशेड महोत्सव के दौरान होंगी गतिविधियां व कार्यक्रम

नरसिंहपुर। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत नरसिंहपुर श्री गजेन्द्र सिंह नागेश ने बताया कि पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, राजीव गांधी जलग्रहण क्षेत्र प्रबंधन मिशन भोपाल के पत्र के अनुसार प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना- वाटरशेड विकास 2.0 की प्रत्येक परियोजना के कार्यक्षेत्र में वाटरशेड महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन 16 दिसम्बर 2025 तक की अवधि में किया जा रहा है। वाटरशेड महोत्सव का प्रमुख उद्देश्य जनप्रतिनिधियों व परियोजना स्तर पर अधिक से अधिक ग्रामीणों तथा प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना- वाटरशेड विकास 2.0 की परियोजना के कार्यों की उपयोगिता, किए गए कार्यों के परिणामों और इनसे ग्रामीणों को प्राप्त हुए लाभों के संदर्भ में जागरूकता एवं सहभागिता बढ़ाने के लिए विभिन्न गतिविधियों और कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। वाटरशेड महोत्सव अंतर्गत परियोजना क्षेत्र में जल यात्राओं का आयोजन, परियोजना क्षेत्र में किसी एक ग्राम में वाटरशेड सम्मेलन का आयोजन कर परियोजना के कार्यों की प्रगति व प्रभावों की प्रस्तुति, परियोजना क्षेत्र में नए निर्माण कार्यों का भूमिपूजन, पूर्ण हो चुके निर्माण कार्यों का लोकार्पण, मिशन वाटरशेड पुनरूत्थान का शुभारंभ, वाटरशेड जनभागीदारी कप 2026 का आरंभ, श्रमदान कार्य आदि प्रमुख गतिविधियों और कार्यक्रमों का आयोजन किया जाना है। कार्यक्रम के अंतर्गत सभी प्रकार के मीडिया, प्रभात फेरी, आदर्श- वाक्य (स्लोगन) और रंगोली प्रतियोगिता के माध्यम से वाटरशेड महोत्सव के बारे में प्रचार- प्रसार किया जाएगा। कार्यक्रम में परियोजना स्तर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत इस अभियान के नोडल अधिकारी होंगे। जिला परियोजना अधिकारी (वाटरशेड) तथा परियोजनाओं के डब्ल्यूडीटी सदस्य होंगे। सम्पूर्ण अभियान के विभिन्न कार्यक्रमों व गतिविधियों के सफलतापूर्वक आयोजन के लिए उत्तरदायी होंगे।

पीएम विश्वकर्मा योजनांतर्गत मुख्य व्यवसाय के संबंध में प्रशिक्षण कराने के निर्देश

● पीएम इंटरशिप योजना में अधिक से अधिक लाभ प्रदान किए जाएं

● कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह की अध्यक्षता में जिला स्तरीय स्किल कमेटी की बैठक सम्पन्न

नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला स्तरीय स्किल कमेटी की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में उन्होंने जिले की आईटीआई में संचालित व्यवसायों, पीएम विश्वकर्मा योजना, मुख्यमंत्री सीखों- कमाओं योजना, अप्रेंटिसशिप/ नेप्स, पीएम इंटरशिप योजना, प्लेसमेंट, जिले में संचालित उद्योगों से एमओयू के संबंध में समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में सचिव डीएससी/ प्राचार्य औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था नरसिंहपुर श्री एसआर पाराशर, महाप्रबंधक जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र श्री पंकज पटेल सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी और जिले में संचालित शासकीय आईटीआई के प्राचार्य मौजूद थे। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने जिले की आईटीआई में संचालित व्यवसायों की समीक्षा करते हुए शासकीय आईटीआई गोटेगांव को निर्देशित किया गया कि संस्था में संचालित व्यवसाय स्टेनो हिन्दी की 02 यूनिट में से एक यूनिट के स्थान पर और शासकीय आईटीआई बावई चीचली को नवीन व्यवसाय, जिसमें रोजगार की उपलब्धता हो तथा जिले में इंडस्ट्रीज की डिमांड के अनुसार सोलर टेक्नीशियन, मोबाईल रिपेयरिंग, ड्रोन टेक्नीशियन, आरएसी एग्रीकल्चर, फिटर, कोपा, मृदा परीक्षण, कृषि उपकरण सुधार से संबंधित अन्य व्यवसाय प्रारंभ करने का प्रस्ताव तैयार कर विभाग को प्रेषित किया जाए। बैठक में कलेक्टर ने निर्देशित किया कि जिले में 18 व्यवसायों से संबंधित सामाजिक संगठनों के प्रमुखों से संपर्क कर पीएम विश्वकर्मा योजना का व्यापक प्रचार- प्रसार किया जाए। योजना के अंतर्गत मुख्य व्यवसाय जैसे बास्केट मेकर, लोहार, कुम्हार (सिरेमिक पॉट/ प्लांटर), मूर्तिकार आदि विशेष प्रशिक्षण प्रदाय कराने के निर्देश दिए। प्रशिक्षण उपरांत हितग्राहियों द्वारा लोन एवं टूल किट प्राप्त करने के बाद उनकी आजीविका में क्या परिवर्तन आया, इसकी जानकारी प्राप्त की जाये। पीएम विश्वकर्मा योजना एवं प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के अंतर्गत जिले में संचालित प्रशिक्षण केन्द्रों व लक्ष्य आंवटित की जानकारी उपलब्ध की जाए, जिससे प्रशिक्षण के दौरान उक्त प्रशिक्षण केन्द्रों का निरीक्षण किया जा सके। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री सीखो- कमाओ योजना के तहत जिले में अधिक से अधिक ई-पीएफ प्रतिष्ठानों में छात्र-छात्राओं को संलग्न किये जाने के लिए औद्योगिक ईकाई के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित की जाये। इसी तरह अप्रेंटिसशिप/ नेप्स के तहत भी अधिक से अधिक इंडस्ट्रीज में विद्यार्थियों को संलग्न करने के लिए औद्योगिक इकाईयों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित की जाये। पीएम इंटरशिप योजना का व्यापक प्रचार- प्रसार कर प्रशिक्षणार्थियों को अधिक से अधिक लाभ प्रदान किए जाएं। उन्होंने निर्देशित किया कि विद्यार्थियों को प्रतिष्ठित कंपनियों/ इंडस्ट्रीज में प्लेसमेंट कराने के लिए भोपाल व पीथमपुर की कंपनियों से संपर्क कर आईटीआई/ युवा संगम/ रोजगार मेला में आंमत्रित किया जाये और इसमें अधिक से अधिक आईटीआई उत्तीर्ण विद्यार्थियों की उपस्थिति सुनिश्चित कराई जाए। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने निर्देशित किया कि समस्त शासकीय आईटीआई अधिक से अधिक से अधिक इंडस्ट्रीज से एमओयू कराकर प्रशिक्षणार्थियों का भ्रमण कराएं, जिससे प्रशिक्षणार्थी इंडस्ट्रीज के क्रियाकलाप से अवगत हो सके।

एसआईआर लोकतंत्र को मजबूत करने वाला जनअभियान है : जयपाल सिंह चावड़ा

भाजपा कार्यकर्ता पूरी निष्ठा के साथ एसआईआर में जुट जाएं : निलेश भारती

धार। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं किसान मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष जयपाल सिंह चावड़ा ने शुक्रवार को धार विधानसभा क्षेत्र के पांच मंडलो की भाजपा जिला कार्यालय पहुंचकर मतदाता सूची विशेष गहन पुनःनिरीक्षण (एसआईआर) से संबंधित कार्य की समीक्षा कर कार्यकर्ताओं की बैठक को संबोधित किया। बैठक को जिलाध्यक्ष महंत निलेश भारती एवं विधायक नीना वर्मा ने भी संबोधित किया। एसआईआर अभियान जिला संयोजक डॉ. शरद विजयवर्गीय,धार विधानसभा एसआईआर संयोजक देवेंद्र सोनोने मौजूद रहें। जयपाल सिंह चावड़ा ने कहा कि एसआईआर केवल एक सरकारी प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करने वाला जन-अभियान है। पार्टी कार्यकर्ताओं को बूथ स्तर पर जाकर जनता को जागरूक करना होगा और उन्हें सही जानकारी उपलब्ध करानी होगी। यह अभियान 4 दिसंबर तक चलेगा और इस अवधि में सभी मंडल और बूथ समितियों को सक्रिय भूमिका निभानी होगी। उन्होंने कहा कि 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके युवाओं के नाम मतदाता सूची में अवश्य जुड़ें। इसके साथ ही विवाह के बाद परिवार में शामिल हुए नए सदस्यों के नामों को जोड़ना भी आवश्यक है, जिससे कोई भी पात्र मतदाता अपने अधिकार से वंचित न रह जाए। मात्र 6 दिन ही बचे है इसलिए कार्यकर्ता सभी काम छोडकर इस कार्य में जुट जाए।

महंत निलेश भारती ने कहा कि एसआईआर प्रक्रिया लोकतंत्र की सुरक्षा और पारदर्शिता सुनिश्चित करने वाला अत्यंत महत्वपूर्ण अभियान है। पार्टी कार्यकर्ता पूरी निष्ठा के साथ इस अभियान को सफल बनाने में जुट जाएं। भाजपा कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी है कि वे एसआईआर की इस प्रक्रिया को पूर्ण पारदर्शिता और संकल्प के साथ सफल बनाएं। बूथ स्तर पर कार्यकर्ताओं की सक्रियता से मतदाता सूची का शुद्धिकरण अभियान निश्चित रूप से सफल होगा और लोकतंत्र की जड़ें और अधिक मजबूत होंगी।

एसआईआर अभियान को लेकर धार विधानसभा के सात मंडलों की बैठक संपन्न -भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा ने बताया की शुक्रवार को धार विधानसभा क्षेत्र के सभी सात मंडलो की बैठक संपन्न हुई जिसमें पीथमपुर और सागौर मंडल बैठक पीथमपुर भाजपा कार्यालय पर संभाग प्रभारी रणवीर सिंह रावत ने संबोधित किया। धार में तिरला मंडल दिग्ठान धार ग्रामीण तथा नगर मंडल केसरीमल सेनापति और कुशाभाऊ ठाकरे मंडल के अपेक्षित कार्यकर्ता सहित वरिष्ठ पदाधिकारी, पार्षदगण, मंडल पदाधिकारी उपस्थित रहे। संचालन देवेंद्र सोनोने व आभार व्यक्त मंडल अध्यक्ष जयराज देवड़ा ने माना।

बैतूल का गंज क्षेत्र बना नशे का गढ़, दुकानों में बच्चों को बैठाकर कराया जा रहा नशा

● स्कूल-कोचिंग-कॉलेज के बीच खुलेआम अवैध कारोबार

बैतूल। शहर में युवा अब धीरे-धीरे नशे की लत की ओर बढने लगे है। हालात यह है कि मुख्य बाजार, शासकीय कॉलेज, स्कूलों और कोचिंग क्लासेस के ठीक बीच स्थित कई दुकानों में नाबालिग बच्चों को खुलेआम सिगरेट, तंबाकू, सिगरेट और अन्य नशीले पदार्थ का सेवन करते देखा जा सकता है। सबसे ज्यादा शहर का गंज क्षेत्र, जो शिक्षा और व्यापार का प्रमुख केंद्र माना जाता है, आज नशे के अंधेरों में डूबता जा रहा है। सूत्र और स्थानीय नागरिक बताते हैं कि यह कोई सामान्य बिक्री नहीं, बल्कि संगठित और योजनाबद्ध नशे का रैकेट है। कई दुकानों में बच्चों के लिए बैठने की जगह तक बनाई गई है, जहाँ उन्हें आराम से नशा कराया जाता है। शहर के सबसे व्यस्त और भीड़भाड़ वाले हिस्से मुख्य बाजार और कॉलेज के बीच यह सब हो रहा है, जिससे शहर की शांत वातावरण खराब होने लगा है। शाम होते ही शराब दुकानों, पानठेलों और चौक-चौराहों पर नाबालिग युवाओं को नशे की हालत में देखा जा सकता है। सबसे बड़े सवाल खड़े कर देने वाली बात यह है कि लगातार शिकायतों के बावजूद प्रशासन द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई। न तो छापा, न गश्त बढ़ी, न दुकानें सील और न ही कोई ठोस कदम उठाये जा रहे है।

शराब और सिगरेट युवाओं की बर्बादी की वजह - शराब और सिगरेट युवाओं को नशे की लत की ओर धंकेल रही है। शाम होते ही पानठेलों, शराब की दुकानों पर युवाओं का जमघट नजर आने लगता है। स्थानीय नागरिक इसे प्रशासन की लापरवाही नहीं, बल्कि मौन सहमति बताते हैं। उनका आरोप है कि प्रशासन चाहे तो 24 घंटे में सफाई कर दे, पर ठोस कार्रवाहीं नहीं हो रही है। नागरिकों का कहना है कि यदि प्रशासन कार्रवाई में और देरी करता है, तो गंज क्षेत्र पूरी तरह नशे के कब्ज़े में चला जाएगा और यह सीधे तौर पर आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को तबाह कर देगा। नागरिकों ने मांग की है कि नशे के कारोबार पर तत्काल सघन छापामार कार्रवाई की जानी चाहिए। नाबालिगों को नशा कराने वाले दुकानदारों पर एफआईआर और दुकान सील करने की कार्रवाही होना चाहिए।

नशे की आग में झुलस रहे बैतूल के युवा: विजेंद्र गोले - जागरूक नागरिक विजेंद्र कुमार गोले ने बताया कि जिले के अंदर युवाओं को योजनाबद्ध तरीके से नशे का आदि बनाया जा रहा है। गंजा, शराब, जुआ और सट्टे का जाल लगातार फैलता जा रहा है, लेकिन प्रशासन और जनप्रतिनिधि खामोश दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने गंभीर आरोप लगाते हुए बताया कि शहर में कई जगहों पर अहाता बार संचालित हो रहे हैं, जबकि अहाता बार खुद गैरकानूनी हैं। उन्होंने कहा कि इन अवैध अहाता बारों में नाबालिग बच्चों तक को शराब परोसी जा रही है। इन जगहों पर बिना किसी रोक-टोक के नशे का व्यापार फल-फूल रहा है, और प्रशासन की चुप्पी इस पूरे खेल को और बढ़ावा दे रही है। विजेंद्र कुमार गोले ने स्पष्ट कहा कि युवाओं को गांजा, शराब, जुआ और सट्टे में फसाया जा रहा है और यह सब सामने दिख रहा है, परंतु शासन-प्रशासन की ओर से इसे रोकने के लिए कोई ठोस पहल या अभियान नहीं चलाया जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि नशे का जाल जितनी तेजी से फैल रहा है, उसी तेजी से युवाओं का भविष्य अंधकार में डूबता जा रहा है। विजेंद्र कुमार गोले ने मांग की कि बैतूल जिले में नशे के खिलाफ सख्त अभियान चलाया जाए, जुआ-सट्टे पर नकेल कसी जाए और युवाओं को इस दलदल से बाहर निकालने के लिए सामाजिक व प्रशासनिक दोनों स्तरों पर गंभीर पहल हो।

इनका कहना है -पुलिस विभाग द्वारा समय-समय पर नशे के विरूद्ध जागरूकता अभियान चलाया जाता है। पिछले दिनों में नशे से दूरी है, जरूरी अभियान चलाया गया था। इसके अलावा सुट्टा बार, अवैध आहातों पर चेकिंग अभियान तेज करने की कार्रवाही की जायेगी।

- कमला जोशी, एएसपी बैतूल।

भूसे की आड़ में दबा कर ले जाई जा रही 85 लाख से अधिक कीमत की 675 पेटी शराब पकड़ी

देवास। पुलिस अधीक्षक देवास पुनीत गेहलोद के द्वारा संगठित अपराध एवं अपराधियों पर अंकुश लगाने हेतु सम्पूर्ण जिले में 'ऑपरेशन प्रहार' प्रारंभ किया गया है जिसके अंतर्गत अवैध शराब संबंधी अपराध में संलिप्त बदमाशों के खिलाफ कठोर कार्यवाही की जा रही है ।

इसी क्रम में दिनांक 27.11.25 को रात्रि में मुखबिर सूचना प्राप्त हुई कि भोपाल से इन्दौर तरफ रोड पर ट्रक क्रमांक एम.पी.09 एच.जी.5963 जिसकी बॉडी के उपर हरे रंग की त्रिपाल लगी हुई है जिसमें शराब भरी है और वह इन्दौर तरफ जा रहा है । जिस पर से अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) श्री जयवीर सिंह भदौरिया के मार्गदर्शन में अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) सोनकच्छ श्रीमति दीपा माण्डवे के निर्देशन में थाना प्रभारी सोनकच्छ श्री अजय गुर्जर तत्काल मय फोर्स के सूचना की तस्दीक हेतु हमराह फोर्स के सोनकच्छ प्रगति नगर बायपास पहुंचे जहां वाहन चैकिंग लगाई गई । वाहन चैकिंग के दौरान एक ट्रक चालक तेजगति से आता हुआ दिखाई दिया जिसे पुलिस बल द्वारा नाकाबंदी कर रोका गया एवं वाहन चालक व उसके एक अन्य साथी का नाम पता पुछते अपना नाम दीपक रावत,लालु रावत बताया। उत वाहन की चैकिंग करते त्रिपाल हटाकर देखा गया जिसमें आरोपीयों द्वारा बाहर की तरफ भुसे से भरी बोरियां जमा देना और अन्दर शराब की पेटीया छुपाकर कर ले जाते पकड़ा गया। आरोपी दीपक रावत पिता सज्जन रावत,लालु रावत पिता मुकाम रावत निवासी ग्राम आम्बुआ जिला अलीराजपुर के कब्जे से 675 पेटी कुल 5936.4 लीटर अवैध अंग्रेजी शराब कीमती रू. 85,35,440/- सहित एक ट्रक वाहन क्रमांक एम.पी.09 एच.जी. 5963 जप्त कर आरोपियों के विरूद्ध अपराध क्रमांक 749/2025 धारा 34(2) आबकारी एक्ट का प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया जाकर अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जा रही है ।

गिरफ्तार आरोपी के नाम:

01.दीपक रावत पिता सज्जन रावत उम्र 27 साल निवासी ग्राम आम्बुआ जिला अलीराजपुर ।

02.लालु रावत पिता मुकाम रावत उम्र 28 साल निवासी ग्राम आम्बुआ जिला अलीराजपुर ।

जप्त मश्रुका- 675 पेटी कुल 5936.4 लीटर अवैध अंग्रेजी शराब कीमत 85,35,440/- रुपये एवं ट्रक क्रमांक एम.पी.09 एच.जी.5963 कीमत 20 लाख रुपये कुल मश्रुका लगभग रू. 1.05 करोड़ रुपये का जप्त ।

सराहनीय कार्य- उक्त सराहनीय कार्य में थाना प्रभारी सोनच्छ निरीक्षक अजय गुर्जर, उनि हिमांशु पाण्डेय,मान सिंह गामोड,प्रआर विकास पटेल, हरिओम,सुनील खरे,आर सत्येन्द्र सोलंकी,रविंद्र,राजु माली, राजकुमार,आर (चालक) लखन एवं सायबर सेल टीम से प्रआर सचिन चौहान,शिवप्रताप सिंह सेंगर की सराहनीय भूमिका रही ।

मोही में 10 आवेदकों को मिला भूमि आवंटन का आशय प्रमाण पत्र

कलेक्टर ने औद्योगिक गतिविधियों को लेकर उद्यमियों से की चर्चा

बैतूल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशानुसार जिले में औद्योगिक गतिविधियों को लगातार बढ़ावा दिया जा रहा है। इसी अनुक्रम में बैतूल जिले के

मोही क्षेत्र में भूमि आवंटन के लिए चयनित 10 आवेदकों को आशय प्रमाण पत्रों का वितरण किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने औद्योगिक गतिविधियों को लेकर उद्यमियों और अधिकारियों के साथ चर्चा भी की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री जी की औद्योगिक नीतियों और निवेश बढ़ाने की मंशा के अनुरूप जिले में उद्योगों के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करना प्रशासन की पहली प्राथमिकता है। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने कहा कि नए प्रस्तावित उद्योगों से स्थानीय युवाओं को अधिकतम रोजगार मिल सके, इसके लिए समन्वित प्रयास किए जाएं। इस अवसर महाप्रबंधक जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र कैलाश मानेकर, प्रबंधक धीरज मंडलेकर, ब्रजअशीष पांडे, अंबेश बलवापूरे सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहें। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के द्वारा 2025 को उद्योग एवं रोजगार वर्ष मनाने का निर्णय लिया गया था। इसी परिदृश्य में बैतूल में भी उद्योगों के विकास एवं स्थानीय लोगों को रोजगार देने के उद्देश्य से मुलताई तहसील के मोही में औद्योगिक क्षेत्र विकसित किया गया है। यह औद्योगिक क्षेत्र 15 एकड़ में विकसित किया जा रहा है, जिसमें प्रथम चरण में विकासित 27 प्लाटों के लिये 01 से 15 नवंबर 2025 के बीच एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट के तहत आवेदन आमंत्रित किए गए थे, जिसमें कुल 91आवेदन आए थे। राज्य स्तरीय समिति के द्वारा दस्तावेजों का निरीक्षण करने के पश्चात ऐसे 10 औद्योगिक भूखंड, जिसमें पात्र लाभार्थी सुखदेव उइके, कीरणबाला देशमुख, धनराज मनोटे, रिषभ पाटनकर देवेन्द्र राजपुत हीमांशू कटारे, जुझार हुसैन सिंगल पाए गए उन सभी को आशय पत्र जारी किए गए है।

10 आवेदकों को मिला भूमि आवंटन का आशय प्रमाण पत्र - पात्र पाए गए 10 आवेदकों द्वारा मिल्क प्रोडक्ट, पीवीसी पाईप्स, आयरण प्रोडक्ट, बेसिक मटेरियल, हर्बल कॉस्मेटिक प्रोडक्ट, मसाले पाउडर, डिस्पोसेबल पेपर प्लेट, पोल्टरी फिड प्रोडक्ट, फुड प्रोडक्ट, रॉड बोल्ड आदि विनिर्माण इकाईयों के माध्यम से कुल 150 लोगों को रोजगार एवं 7.5 करोड़ का निवेश किया जाना प्रस्तावित है। इसके अलावा शेष 17 औद्योगिक भूखंडों पर 1 से ज्यादा आवेदन आए, जिनके बीच एमपी टेंडर के माध्यम से ऑनलाईन ऑक्सन किया जाएगा।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना के शताब्दी वर्ष में संघ का वृहद् गृह सम्पर्क अभियान

धार जिले में गृह सम्पर्क अभियान 1 दिसम्बर से 15 दिसम्बर तक

धार। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना के शताब्दी वर्ष में पूरे देश में संघ के कार्यकर्ताओं द्वारा गृह सम्पर्क का संकल्प लिया गया है। धार जिले में यह गृह सम्पर्क अभियान आगामी एक दिसम्बर से पंद्रह दिसम्बर तक किया जावेगा।

संघ रचना के धार जिले में जिसमे 9 इकाई क्षेत्र आते हैं के सभी 88 मंडलों के 925 गाँवों और 8 नगरों के 49 बस्तियों में संघ के कार्यकर्ताओं की 1500 से अधिक टोलियाँ घर-घर जाकर संपर्क करेंगी। इस वृहद् गृह संपर्क अभियान में जिले के 2 लाख से अधिक परिवारों में संघ परिचय पत्रक, संघ साहित्य, स्टीकर, और भारत माता का चित्र लेकर कार्यकर्ता घरों पर परिवारों से संपर्क करेंगे। ग्रामीण क्षेत्रों और नगरों की सेवा-बस्तियों में घरों पर भगवा पताका भी लगायी जावेंगी।

संघ स्थापना के शताब्दी वर्ष में संघ द्वारा पंच परिवर्तन के संकल्प का आह्वान किया गया है। भेदभाव रहित और सभी के सुख-दुख में शामिल होने वाला समरस हिन्दू समाज सबल और सशक्त भारत का आधार है। समाज में संस्कारों और परंपराओं की पाठशाला हमारे परिवार है, अपनी संस्कृति की रक्षा और संस्कारों के लिये परिवारों को संस्काराक्षम बनाये रखना आज की चुनौती भी है। सभी प्राणियों का जीवन सुखी हो, इस हेतु हमारे वन,वायु,जल,धरती सहित सम्पूर्ण पर्यावरण का संरक्षण और संवर्धन आवश्यक है। स्वदेशी जीवन शैली और भारत केन्द्रित विचार-व्यवहार और व्यापार ही स्वावलंबी और स्वतंत्र भारत का आधार है। प्रत्येक नागरिक द्वारा संवैधानिक, राष्ट्रीय, सामाजिक और नैतिक कर्तव्यों के पालन से भारत को विश्वगुरु बनाना है। सामाजिक समरसता, परिवार प्रबोधन, पर्यावरण केन्द्र जीवनशैली, जीवन के हर क्षेत्र में स्वदेशी का संकल्प और नागरिक कर्तव्यों का पालन ये पंच-परिवर्तन के पाँच संकल्प है।

गृह संपर्क अभियान में संघ के कार्यकर्ता पंच-परिवर्तन के संकल्पों की चर्चा घर-घर जाकर करेंगे और परिवारों द्वारा किसी एक संकल्प का आह्वान करवाया जावेगा। गृह संपर्क अभियान में प्रत्येक घर में संघ के तीन से चार कार्यकर्ताओं की टोलियाँ सम्पर्क हेतु जावेंगी। इन टोलियों में महिला कार्यकर्ता भी रहेंगी। देशभर में चलने वाले इस संपर्क अभियान में सात से दस दिन समयदानी कार्यकर्ता निकलेंगे। विविध श्रेणियों के प्रमुखजनों से मिलने हेतु पृथक टोलियाँ बनायी गयी है। संपर्क टोलियाँ गृह संपर्क में संघ स्थापना के उद्देश्य, संघ का सामान्य कार्यपद्धति और संघ की सौ वर्षों की यात्रा और इस यात्रा में सदैव समाज की सहयोगी भूमिका के विषय पर सामान्य चर्चा भी करेगी। गृह सम्पर्क अभियान में सभी जाति-पंथों, नगरों, ग्रामीण क्षेत्रों, सेवा-बस्तियों और वनवासी परिवारों में हर हिन्दू तक संघ का विचार पहुँचाने हेतु कार्यकर्ता घर-घर पहुँचेंगे। जनवरी माह में 88 मंडल (आठ-दस गाँवों के समूह) व 49 बस्ती के हिंदू सम्मेलन आयोजित होंगे, जिस हेतु हर स्तर पर समाजजनों की मार्गदर्शन व आयोजन समितियाँ गठित हो रही हैं। हिन्दू सम्मेलनों में संत, समाज प्रमुख और महिला वक्ता रहेंगी।

बैतूल-सारणी हाईवे पर दो बाइकों की भिड़ंत, दो की मौत

बैतूल। बैतूल-सारणी स्टेट हाईवे पर रानीपुर और डैम जोड़ के बीच गुरुवार देर रात एक सडक़ हादसा हो गया। इस दुर्घटना में दो लोगों की मौके पर मौत हो गई, जबकि एक दंपती गंभीर घायल हो गया। मृतकों में एक 16 वर्षीय किशोर और एक युवक शामिल हैं। जानकारी के अनुसार, बांका शाहपुर से खोखरा जा रहे सुखलाल पांसे अपनी पत्नी संतो पांसे और जवाई राजेश काजले (32), निवासी कांटावाड़ी, के साथ एक बाइक पर सवार थे। आमढाना के पास पेट्रोल पंप के सामने उनकी बाइक सामने से आ रही दूसरी बाइक से टकरा गई। दूसरी बाइक पर कुही निवासी पीयूष उईके (16) सवार था, जो बैतूल से अपने घर लौट रहा था। टक्कर इतनी भीषण थी कि पीयूष उईके की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, राजेश काजले ने घोड़ाडोंगरी ले जाते समय दम तोड़ दिया। हादसे में सुखलाल पांसे और उनकी पत्नी संतो पांसे गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना की सूचना मिलते ही रानीपुर पुलिस मौके पर पहुंची।

संक्षिप्त समाचार

जिले में ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस पर बच्चों व गर्भवती महिलाओं को मिलीं स्वास्थ्य सेवाएं

सीहोर (निप्र)। जिले में ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस के अवसर पर जिले की समस्त स्वास्थ्य संस्थाओं में बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं को महत्वपूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की गईं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला सीहोर डॉ. सुधीर कुमार डेहरिया ने बताया कि ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस (वीएचएनडी) के अंतर्गत 0 से 1 वर्ष आयु वर्ग के 309 बच्चों तथा 1 वर्ष से अधिक आयु के 118 बच्चों का टीकाकरण किया गया, वहीं 56 गर्भवती महिलाओं की स्वास्थ्य जांच भी की गई। इस दौरान उपस्थित हितग्राहियों को आवश्यक परामर्श, पोषण संबंधी जानकारी एवं अन्य स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ प्रदान किया गया।

विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य में तेजी, बीएलओ घर-घर जाकर कर रहे गणना फार्म संग्रह

सीहोर (निप्र)। कलेक्टर श्री बालागुरू के. के निर्देशानुसार जिले में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य को तेजी से संचालित किया जा रहा है। सभी बीएलओ अपने-अपने निर्धारित मतदान केंद्र क्षेत्रों में घर-घर पहुंचकर मतदाताओं से गणना फार्म एकत्र कर रहे हैं और प्राप्त जानकारी को 'बीएलओ मोबाइल एप' पर अपलोड कर रहे हैं, जिससे कार्य की गति में वृद्धि हुई है। एसआईआर की प्रगति पर सतत निगरानी के लिए एसडीएम, तहसीलदार एवं नोडल अधिकारी लगातार फील्ड भ्रमण कर रहे हैं और बीएलओ के कार्य की मॉनिटरिंग कर आवश्यक मार्गदर्शन दे रहे हैं। अधिकारी यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि प्रत्येक पात्र मतदाता का नाम मतदाता सूची में जुड़ सके तथा किसी भी प्रकार की त्रुटि या चूक न रहे। कलेक्टर द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुसार यह पूरा अभियान समयबद्ध एवं प्रभावी ढंग से चलाया जा रहा है, जिससे जिले में मतदाता सूची को अद्यतन और त्रुटिरहित बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति हो रही है।

शेरपुर में कलेक्टर ने निर्माणाधीन इंडस्ट्री का निरीक्षण किया, व्यवस्थाओं को दुरुस्त रखने दिए आवश्यक निर्देश

सीहोर (निप्र)। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने शेरपुर स्थित निर्माणधीन दौलतराम इंडस्ट्री का निरीक्षण किया और वहां की व्यवस्थाओं, चल रहे कार्यों तथा बुनियादी सुविधाओं का जायजा लिया। कलेक्टर ने परिसर में सुरक्षा, विद्युत आपूर्ति, सड़क व्यवस्था और अन्य आवश्यक सुविधाओं की स्थिति का अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधित विभागीय अधिकारियों और इंडस्ट्री के प्रतिनिधियों से चर्चा कर समस्याओं एवं आवश्यकताओं की जानकारी ली। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि औद्योगिक क्षेत्र में सभी आधारभूत सुविधाओं को सुचारु रखा जाए, जिससे उद्योगों को निर्बाध वातावरण मिल सके। उन्होंने कहा कि उद्योगों की बेहतर कार्यप्रणाली जिले के आर्थिक विकास के लिए महत्वपूर्ण है, इसलिए सभी विभाग समन्वय से कार्य करें और किसी भी शिकायत का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करें। निरीक्षण के दौरान जिला औद्योगिक केन्द्र के महाप्रबंधक श्री अनुराग वर्मा सहित अन्य अधिकारी एवं उद्योग प्रतिनिधि उपस्थित थे।

नगरपालिका पिपरिया के वृद्धाश्रम में किया गया स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

नर्मदापुरम (निप्र)। नगरपालिका पिपरिया के वृद्धाश्रम में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया, जहाँ कुल21 वृद्धजनों की व्यापक स्वास्थ्य जांच की गई। इस अवसर पर नोडलएनसीडीजिला चिकित्सालय नर्मदापुरम के डॉ. उदितकुमारभट्ट, हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ.अनिलबड़ूके, फिजियोथेरेपिस्ट डॉ.महेंद्रसिंह, साइकोलॉजिस्ट नाजियासिद्दीकी, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ.रश्मि तथा अन्य चिकित्सीय स्टाफ उपस्थित रहे।शिविर में मधुमेह, रक्तचाप, हड्डी, नेत्र रोग, स्त्री रोग आदि विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं की जांच की गई। डॉक्टरों ने प्रत्येक वरिष्ठ नागरिक को व्यक्तिगत सुझाव दिए, जिनमें ठंड से बचाव के उपाय और हृदय-अटैक जैसी ठंड-संबंधी बीमारियों की रोकथाम के लिए आवश्यक निर्देश शामिल थे। वृद्धाश्रम के अधिकारियों ने बताया कि इस प्रकार के नियमित स्वास्थ्य कैंप से वरिष्ठ नागरिकों को अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता मिलती है और उन्हें आवश्यक चिकित्सा सुविधाएँ समय पर उपलब्ध कराई जा सकती हैं। इस पहल का मुख्य उद्देश्य वृद्धजनों के स्वास्थ्य की निगरानी करना और उन्हें गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवा प्रदान करना है।

जिला अस्पताल पहुंचकर एसडीएम ने बीएलओ के स्वास्थ्य की ली जानकारी

रायसेन (निप्र)। बुधवार को प्रातः एसडीएम रायसेन तथा विधानसभा क्षेत्र सांची के निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी श्री मनीष शर्मा ने जिला अस्पताल पहुंचकर यहां भर्ती सांची विधानसभा के भाग संख्या 108 गोंदरा के बीएलओ श्री टीकाराम चौधरी के स्वास्थ्य की जानकारी ली तथा डॉक्टर्स से भी चर्चा की।

न्यायोत्सव विधिक सेवा सप्ताह अंतर्गत आयोजित प्रतियोगिताओं के विजेताओं को किया गया पुरस्कृत

जिला न्यायालय में संविधान की प्रस्तावना का किया गया सामूहिक वाचन

रायसेन (निप्र)। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार एवं प्रधान जिला न्यायाधीश और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री अनिल कुमार सोहाने के मार्गदर्शन एवं अध्यक्षता में 26 नवम्बर 2025 को संविधान दिवस के उपलक्ष्य में जिला न्यायालय परिसर रायसेन में जिला न्यायालय के समस्त न्यायाधीषगण एवं न्यायालयीन अधिकारी व कर्मचारीगण द्वारा भारत के संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन किया गया। साथ ही संविधान दिवस के अवसर पर जिला न्यायालय परिसर स्थित एडीआर भवन में प्रधान जिला न्यायाधीश की अध्यक्षता में विधिक साक्षरता शिविर सह जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय श्री अरविन्द कुमार जैन द्वारा संविधान दिवस के संबंध में जानकारी देते हुए बताया गया कि 26 नवंबर, हम भारतीयों के लिए अत्यंत गौरव और सम्मान का दिन है। इसी दिन वर्ष 1949 में भारत की संविधान सभा ने हमारे महान भारतीय संविधान को अंगीकार किया था। यह वही संविधान है जिसने हमारे देश की नींव को मजबूत बनाया और हमें एक संप्रभु, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष और लोकतांत्रिक गणराज्य का दर्जा दिया। भारत का संविधान केवल कानूनों का संग्रह नहीं है, बल्कि यह हमारे देश की विविधता, संस्कृति और मूल्यों का प्रतिबिम्ब है। कार्यक्रम में न्यायोत्सव विधिक सेवा सप्ताह (दिनांक 09 नवम्बर 2025 से 14 नवम्बर 2025) के तहत आयोजित मैराथन प्रतियोगिता एवं चित्रकला प्रतियोगिता में प्रथम द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को प्रधान जिला न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अध्यक्ष श्री अनिल कुमार सोहाने द्वारा शील्ड एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित भी किया गया।

मैराथन प्रतियोगिता में बालिका वर्ग से प्रथम स्थान शोभा भील, खेल परिसर रायसेन द्वितीय स्थान शालिनी मालवीय ताईक्वांडो क्लब रायसेन, तृतीय स्थान नंदीनी, पी.एम श्री महाविद्यालय रायसेन एवं मैराथन प्रतियोगिता में बालक वर्ग से प्रथम स्थान पुष्पेन्द्र दांगी, द्वितीय स्थान सत्यम पवार व तृतीय स्थान राज कुषवाह, खेल परिसर रायसेन द्वारा प्राप्त किया गया। इसी तरह दिनांक 14 नवम्बर को सांदीपनि विद्यालय पाठनदेव में आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता में प्रथम स्थान कामना सेन कक्षा 11 (विज्ञान संकाय), द्वितीय स्थान खुशबु रैकवार, कक्षा 11 (विज्ञान संकाय), एवं तृतीय स्थान सिमरन ठाकुर कक्षा 11 (विज्ञान संकाय), सांदीपनि विद्यालय पाठनदेव द्वारा प्राप्त किया गया। कार्यक्रम का आभार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रायसेन की सचिव श्रीमती हर्षिनी यादव द्वारा किया गया। इस अवसर पर श्री अरविंद जैन प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय रायसेन, श्रीमती शशि सिंह माननीय विशेष न्यायाधीश, श्री कमलेश कुमार इटावदिया तृतीय जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश, श्री सुनील कुमार शौक चतुर्थ जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश, श्री महेश कुमार माली द्वितीय जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश, श्री अजय कुमार यदु मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, श्रीमती हर्षिनी यादव सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रायसेन, श्रीमती सौम्या साहू अस्थाना न्यायिक मजिस्ट्रेट, श्री संचित अस्थाना न्यायिक मजिस्ट्रेट रायसेन, श्री अनीस उद्दीन अब्बासी जिला विधिक सहायता अधिकारी सहित श्री विनयकांत चतुर्वेदी जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष, श्री अजय कुमार सक्सेना चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल्स, श्री विनय खरे डिप्टी चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल्स एवं अन्य अधिवक्तागण, एनजीओ के सदस्य, पैरालीगल वालेंटियर्स एवं सांदीपनी विद्यालय के छात्र-छात्राएं एवं शिक्षकगण उपस्थित रहे।

जवाहरलाल नेहरू स्मृति महाविद्यालय, सोहागपुर में जिला स्तरीय रोजगार एवं स्वरोजगार मेला सफलतापूर्वक सम्पन्न

219 छात्र-छात्राओं को किया गया लाभान्वित

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर सोनिया मीना के निर्देश पर बुधवार, 26 नवम्बर2025 को सोहागपुर स्थित जवाहरलाल नेहरू स्मृति महाविद्यालय में जिला स्तरीय रोजगार मेला आयोजित हुआ। इस मेले में 15से अधिक प्रतिष्ठित कंपनियों ने भाग लेकर स्थानीय युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान किए। कुल 16 कंपनियों और 6 शासकीय विभागों ने स्टॉल लगाकर युवाओं को विभिन्न पदों के लिए आमंत्रित किया। रोजगार मेला में 190 युवाओं को प्राथमिकता चयन किया गया। स्वरोजगार योजना के तहत 29 लाभार्थी को लाभान्वित किया गया। रोजगार एवं स्वरोजगार मेला में कुल 219 छात्र-छात्राओं को लाभान्वित किया गया। प्लेसमेंट ऑफिसर श्री धर्मेश तिवारी ने बताया कि मेले मे 6 युवाओं को तीन अलग-अलग कंपनियों ने मौके पर ही नियुक्ति पत्र सौंपे। शेष उम्मीदवारों को आगे की प्रक्रिया के लिए कंपनियों द्वारा अपने-अपने संस्थानों में बुलाया जाएगा। मेले के दौरान स्वास्थ्य विभाग ने 44 छात्र-छात्राओं की जाँच की, जिससे उनका स्वास्थ्य भी सुनिश्चित किया गया। कार्यक्रम के दौरान एसडीएम प्रियंका भलावी ने विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को ऋण प्रमाणपत्र वितरित किए। ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत चयनित लाभार्थियों को बैंकों के माध्यम से ऋण स्वीकृत कर, उन्हें स्वरोजगार के लिए प्रोत्साहित किया गया।

एआई की कार्यप्रणाली से प्रशिक्षित हुए

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर कार्यालय के ई-दक्ष केंद्र में आज विभिन्न विभागों के लगभग 62 अधिकारियों एवं कर्मचारियों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) विषयक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशासन द्वारा आयोजित यह महत्वपूर्ण पहल जिले में शासकीय कार्यों को अधिक दक्ष, पारदर्शी एवं तकनीक-सक्षम बनाने की दिशा में उठाया गया सार्थक कदम है। प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य सरकारी कर्मचारियों को आधुनिक तकनीकी साधनों से परिचित कराना तथा दैनिक कार्यप्रणाली में एआई उपकरणों के प्रभावी उपयोग के माध्यम से उनकी कार्यकुशलता बढ़ाना था। प्रतिभागियों को प्रशिक्षण के दौरान निम्नलिखित प्रमुख विषयों पर विस्तृत मार्गदर्शन दिया गया। शासकीय पत्राचार को एआई की सहायता से अधिक प्रभावी, स्पष्ट और समयबद्ध तरीके से तैयार करने की तकनीक। पावर पॉइंट प्रेज़ेंटेशन तैयार करने की उन्नत विधियाँ और सूचनाओं को आधुनिक, आकर्षक एवं सरल रूप में प्रस्तुत करने के उपाय। डेटा एनालिसिस में एआई टूल्स का उपयोग, रिपोर्ट तैयार करने, सारांश निर्माण, प्रवृत्तियों के अध्ययन एवं निर्णय प्रक्रिया को तेज और अधिक सटीक बनाने के तरीके। दैनिक शासकीय कार्यों में उपयोगी विभिन्न एआई आधारित स्वचालित प्रक्रियाओं का व्यावहारिक प्रदर्शन एवं अभ्यास।प्रशिक्षकों ने वास्तविक उदाहरणों के माध्यम से प्रतिभागियों को समझाया कि एआई तकनीक किस प्रकार सरकारी योजनाओं की निगरानी, रिपोर्ट संकलन, पंजी प्रबंधन, जनसेवा संबंधी कार्यों तथा विभागीय पत्राचार में समय और श्रम की बचत कर सकती है। इस अवसर पर यह भी बताया गया कि जिले में डिजिटल गवर्नेंसको बढ़ावा देने हेतु प्रशासन द्वारा भविष्य में भी ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहेंगे, जिससे अधिकारी एवं कर्मचारी नवीन तकनीकों के अनुरूप स्वयं को अद्यतन कर बेहतर सेवा प्रदाय सुनिश्चित कर सकें। प्रशिक्षण में सभी प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा एआई तकनीकों को अपने विभागीय कार्यों में लागू करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ और रासेयो ने मनाया संविधान दिवस

बैतूल (निप्र)। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सिलेन्स जेएच कॉलेज में स्थापित भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ तथा राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वावधान में 26 नवंबर संविधान दिवस के अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य के मार्गदर्शन में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस अवसर पर आयोजित संगोष्ठी में उच्च शिक्षा विभाग मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार सर्वप्रथम महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ.मीनाक्षी चौबे द्वारा विद्यार्थियों को संविधान की प्रस्तावना का वाचन कराया गया। मुख्य वक्ता के रूप में अपना उद्बोधन देते हुए भूतपूर्व प्राध्यापक डॉ. सुखदेव डोंगरे ने कहा कि सच्चे अर्थों में हम सभी भारतीय ही संविधान निर्माण के प्रमुख स्रोत रहे है। हमारा संविधान भारत की आत्मा है , हमारी प्रत्येक व्यक्तिगत और राष्ट्रीय उपलब्धि का एक मात्र आधार संविधान ही है। उन्होंने समाज के प्रत्येक नागरिक का आह्वान किया कि राष्ट्र के विकास में सक्रिय योगदान देने के लिए संविधान के विभिन्न आयामों को गहराई से जानने का प्रयास करें और उसके आदर्शों के अनुरूप आचरण करें। भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ के नोडल अधिकारी प्रो राकेश पवार द्वारा त्रैमासिक कैलेंडर के निर्देशानुसार नवंबर माह में प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित की गई विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी गई। इस अवसर पर आयोजित प्रश्न मंच प्रतियोगिता में क्रमशः प्रीति धुर्वे, अमित घिन्दोड़े प्रथम, द्वितीय तथा श्रुति उइके और श्रुति माहोरे ने संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त किया। स्लोगन प्रतियोगिता में गंगा बुडगारिया ने प्रथम, वीणा बारस्कर ने द्वितीय तथा सुखदेव कहर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम का संचालन प्रो संतोष पवार द्वारा किया गया।

नगद इनाम की घोषणा

विदिशा (निप्र)। थाना कोतवाली विदिशा में दर्ज अपराध प्रकरण क्रमांक 424/2025 का फरार आरोपी यश पुत्र शंकरलाल डिडोत निवासी रायसेन गेट विदिशा की सूचना देने अथवा गिरफ्तारी में मदद करने वालो के लिए दो हजार रूपए का नगद इनाम घोषित किया गया है। सूचना देने वाला व्यक्ति चाहे तो उसका नाम गोपनीय रखा जाएगा।

गैस सिलेण्डरो के अवैध क्रय विक्रय पर कार्यवाही

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने अखबारों में प्रकाशित खबर को त्वरित संज्ञान में लेते हुए खाद्य विभाग के माध्यम से जांच कराई है और घरेलू गैस सिलेण्डरो के अवैध क्रय विक्रय व उपयोग पर 21 गैस सिलेण्डरों को जप्त करने की कार्यवाही खाद्य विभाग के द्वारा संपादित की गई है। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता के द्वारा दिए गए निर्देशो के अनुपालन पर की गई कार्यवाही की जानकारी देते हुए जिला आपूर्ति अधिकारी श्री अनिल तंतुवाय ने बताया कि लटेरी विकासखण्ड के आनंदपुर क्षेत्र में घरेलू गैस सिलेण्डर के क्रय विक्रय किए जाने की सूचनाएं प्राप्त होने पर क्षेत्रीय अधिकारी और नापतौल तथा कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी के द्वारा संयुक्त रूप से कार्यवाही की गई।

पचमढ़ी महोत्सव को लेकर हुई बैठक

नर्मदापुरम (निप्र)। पचमढ़ी महोत्सव को लेकर संजय गांधी संस्थान में जिला पंचायत सीईओ की अध्यक्षता में हुई बैठक। बैठक में दिसंबर माह के अंतिम सप्ताह में आयोजित होने वाले पचमढ़ी महोत्सव की तैयारियों की समीक्षा की गई। पचमढ़ी महोत्सव में इस बार भी कार्निवाल का आयोजन किया जाएगा। जिला पंचायत सीईओ ने बताया कि कार्निवाल में विभिन्न झांकियां ओर अन्य आयोजन किये जायेंगे साथ ही स्कूली बच्चे एवं कलाकार भी हिस्सा लेंगे। पचमढ़ी महोत्सव ग्राउंड से प्रारंभ होकर पचमढी शहर में घुमाकर वापस से पचमढ़ी महोत्सव ग्राउंड पर ही समाप्त होगा। इस कार्निवाल में गरबा, भांगड़ा, शिव नृत्य, क्रिसमस, आदिवासी नृत्य, प्रस्तुति एवं अन्य कार्यक्रम शामिल होंगे। इसके अलावा पचमढ़ी के प्रमुख स्थानों पर प्रस्तुति दी जाएगी। जिला पंचायत सीईओ ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे समय सीमा में महोत्सव के आयोजन से संबंधित सभी तैयारियां सुनिश्चित करें। पचमढ़ी महोत्सव बैठक के दौरान राहुल गजभिए, एसडीएम आपिक खान ,साडा सीईओ रवि नायक, साडा पूर्व अध्यक्ष कमल धूत, उपसंचालक कृषि जे आर हेड़ाऊ परियोजना अधिकारी योगेन्द्र राय, परियोजना अधिकारी शैलेष उके, एस टी आर से संजीव शर्मा, जिला पर्यटन प्रबंधक मनोज सिंह ठाकुर एवं अन्य विभागों के अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग के वरिष्ठ परामर्शदाता सह एपीएस श्री उइके ने किया पारधीढाना का निरीक्षण

बैतूल (निप्र)। राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग के वरिष्ठ परामर्शदाता सह एपीएस श्री प्रकाश कुमार उइके बुधवार को बैतूल जिले के प्रवास पर रहे। उन्होंने वरिष्ठ समाजसेवी श्री प्रवीण ढोलके के साथ पारधीढाना, सोनाघाटी का भ्रमण कर यहां निवासरत लोगों की समस्याएं गंभीरता से सुनीं। श्री उइके ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि पारधी समुदाय के लोगों के आधार कार्ड, समग्र आईडी और अन्य वैध दस्तावेज प्राथमिकता से बनाए जाएं, ताकि वे सरकारी योजनाओं का लाभ बिना किसी बाधा के प्राप्त कर सकें। उन्होंने कहा कि समुदाय के लोगों के लिए स्वच्छ पेयजल, बिजली, रोशनी, आवास और अन्य मूलभूत सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा जाए। बच्चों के स्कूल में प्रवेश से जुड़ी समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए भी अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए। दौरे के बाद वरिष्ठ परामर्शदाता श्री उइके से सर्किट हाउस में बैतूल कलेक्टर श्री नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी और पुलिस अधीक्षक श्री वीरेंद्र जैन ने भेंट की।

बैठक में पारधीढाना से जुड़े प्रमुख मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने बताया कि पारधीढाना क्षेत्र की मूलभूत समस्याओं के निराकरण के लिए पहले भी एक विशेष कैंप आयोजित किया गया था। उन्होंने आधार कार्ड, समग्र आईडी और अन्य आवश्यक सेवाओं को लेकर पुनः कैंप आयोजित करने तथा प्रत्येक कैंप के लिए स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित कर उन्हें समय पर पूरा करने के निर्देश दिए। बैठक में वरिष्ठ परामर्शदाता श्री उइके ने यह भी कहा कि पारधीढाना के सभी परिवारों के मकानों का सर्वे कर डीपीआर तैयार कर आयोग को भेजा जाए। इस पर अधिकारियों ने जानकारी दी कि प्राथमिक स्तर पर सभी परिवार प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 के अंतर्गत किए गए सर्वे में शामिल कर लिए गए हैं। दौरे के दौरान उप संचालक कृषि श्री आनंद कुमार बड़ोनिया , डिप्टी कलेक्टर श्रीमती तृप्ति पटेरिया, तहसीलदार, मुख्य नगर पालिका अधिकारीतथा विभिन्न विभागों के अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे।

नो-मैपिंग जोन में मतदाताओं के चिन्हांकन में आयोग के निर्देशों का कड़ाई से पालन हो : कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना

नर्मदापुरम (निप्र)। बुधवार को कलेक्टर ने इटारसी पहुंचकर एसआईआर 2026 के तहत की जा रही गतिविधियों का सूक्ष्मता से निरीक्षण किया। कलेक्टर ने मतदान केंद्रों के क्लस्टर तैयार कर लगाए गए मतदाता सुविधा शिविरो का निरीक्षण किया। कलेक्टर ने एमजीएम कॉलेज पहुंच कर एसआईआर के लिए बीएलओ एवं सुपरवाइजर द्वारा किए जा रहे मैपिंग एवं डिजिटाइजेशन कार्य की समीक्षा की। उन्होंने प्रत्येक मतदान केंद्र वार अब तक हुए मैपिंग एवं डिजिटाइजेशन कार्य के आंकड़ों का अवलोकन कर निर्देश दिए की उक्त केंद्रों के शेष बचे हुए मतदाता गणना प्रपत्र को डिजिटल करने के लिए प्रतिदिन लगभग 100 प्रपत्रों का डिजिटाइजेशन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने मौके पर उपस्थित बीएलओ से स्थानांतरित, मृत तथा अनुपस्थित मतदाताओं की संख्या की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि आगामी पांच दिवस के भीतर समस्त कार्य को पूरा किया जाना है। बीएलओ द्वारा प्रस्तुत जवाब पर

असंतोष व्यक्त करते हुए कलेक्टर ने कहा कि इस प्रकार के औपचारिक जवाब संतोषप्रद नहीं है। एसडीएम तथा सीएमओ विशेष रूप से बीएलओ तथा बीएलओ सुपरवाइजर की नियमित समीक्षा करें और उनसे प्रत्येक दिवस की अद्यतन जानकारी प्राप्त करें। कलेक्टर ने इस दौरान बीएलओ द्वारा तैयार की गई स्थानांतरित, मृत तथा अनुपस्थित मतदाताओं की सूची का गहन परीक्षण किया। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि उक्त श्रेणी में रखे गए मतदाताओं को पूरी पुष्टि होने के बाद ही सूचीबद्ध किया जाए। एएसडीआर श्रेणी में सूचीबद्ध किए गए प्रत्येक मतदाताओं की जानकारी स्पष्ट कारण के साथ तैयार की जाए। कलेक्टर ने कहा कि मतदाताओं को नो मैपिंग जोन में चिन्हित किए जाने के पूर्व निर्वाचन आयोग के द्वारा जारी दिशा निर्देशों का अक्षरशः पालन किया जाए। इस दौरान कलेक्टर ने न्यास क्षेत्र में पहुंचकर लगाए गए मतदाता सुविधा शिविर का भी अवलोकन किया। उन्होंने वहां उपस्थित मतदाताओं से चर्चा कर उनकी समस्याओं का मौके पर ही समाधान किया। शिविर में उपस्थित मतदाताओं ने कलेक्टर को अपनी अपनी समस्याओं से अवगत कराया जिस पर कलेक्टर ने प्रत्येक मतदाताओं से संवाद कर उनका समाधान किया। उन्होंने मतदाताओं को बताया कि एसआईआर कार्यक्रम के तहत सभी मतदाताओं को मतगणना प्रपत्र भरकर बीएलओ के पास जमा किया जाना है। इस दौरान कलेक्टर ने कहा कि मतदाता सुविधा शिविरों के माध्यम से सभी मतदाता वर्ष 2003 में किए गए एसआईआर के अनुसार अपनी जानकारी को खोज सकते हैं। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि जिन मतदाताओं की जानकारी सरलता से उपलब्ध नहीं हो पा रही है उन मतदाताओं की वंशावली, पूर्व निवास स्थान आदि जानकारियां की खोज कर मतदाताओं की जानकारी निकाली जाए जिससे उनकी मैपिंग तथा मतदाता गणना प्रपत्रों का डिजिटाइजेशन किया जा सके। एसडीएम द्वारा जानकारी दी गई की कुछ क्षेत्रों में प्रवासी मतदाताओं की जानकारी को खोजने में समस्या का सामना करना पड़ रहा है। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि ऐसे क्षेत्र में विशेष कैंप लगाए जाएं। मतदाताओं को समक्ष में बिठाकर उनसे उनके वंशावली तथा पूर्व निवास स्थान के आधार पर उनकी जानकारी को खोजा जाए। इसके लिए मतदाताओं के माता-पिता, दादा, आदि की निर्वाचन संबंधी जानकारी खोजें। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने इटारसी के यार्ड क्षेत्र में आयोजित मतदाता सुविधा शिविर का भी निरीक्षण किया। उन्होंने यहां पर मतदान केंद्र क्रमांक 226, 227, 228, 230 तथा 232 की वर्तमान प्रगति की समीक्षा की। कलेक्टर ने कहा कि सभी बीएलओ अपने-अपने क्षेत्र अंतर्गत निवासरत प्रत्येक मतदाता की जानकारी रखें। जिन क्षेत्रों में मतदाताओं द्वारा अब तक गणना प्रपत्र वापस प्रदान नहीं किए गए हैं उन्हें विशेष रूप से कार्यक्रम की समयसीमा से अवगत कराते हुए उनसे प्रपत्र प्राप्त करें।

कलेक्टर कार्यालय में ली गई संविधान दिवस की शपथ

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्ट्रेट में बुधवार को संविधान दिवस मनाया गया। इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्री राजीव रंजन पांडे एवं अपर कलेक्टर श्री अनिल जैन ने कलेक्ट्रेट परिसर में उपस्थित अधिकारी कर्मचारियों के साथ भारतीय संविधान की प्रस्तावना का वाचन किया।

नव निर्वाचित पदाधिकारी ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा और पारदर्शिता का उच्च स्तर पर करें पालन : राज्यपाल श्री पटेल

राज्यपाल ने रेडक्रास सोसाइटी की प्रदेश शाखा की नव गठित प्रबंध समिति एवं पदाधिकारियों को दिलायी शपथ

भोपाल (नप्र)। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने रेडक्रॉस कार्यकारिणी के नवनिर्वाचित पदाधिकारी से कहा कि संगठन के प्रशासनिक कार्यों में ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा और पारदर्शिता के उच्च मानदंडों का पालन करें। दीन- दुखी, वंचित और पीड़ित मानवता की सेवा से बड़ा कोई पुण्य कार्य नहीं है। इस पावन पथ पर चलने का जो सुअवसर मिला है, उसे अपने ज्ञान, कौशल और प्रयासों से रेडक्रॉस संगठन का गौरव बढ़ाए। मानव सेवा की पावन परम्परा में प्रदेश की रेडक्रॉस इकाई के कार्यों के नए आदर्श स्थापित करें। समाज के सबसे ज़रूरतमंद लोगों के जीवन में आशा, राहत और सुरक्षा का संबल बने। रेडक्रास के कार्यों को नई गति, नई दिशा और नए विस्तार के साथ आगे बढ़ाए।

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि नव नियुक्त सदस्य समाज के कमज़ोर वर्गों के लिए सुरक्षा, राहत और सशक्तिकरण की दिशा का आधार सेवाभाव है। मानवीय मूल्य और नैतिक आदर्श के पालन पर ज़ोर रहना चाहिए। उपचार संबंधी आधुनिक सुविधाओं और संसाधनों की उपलब्धता के विशेष प्रयास करें। पीड़ित मानवता के उपचार कार्यों में निजी और सार्वजनिक संस्थानों की सहभागिता कराएं। उन्होंने कहा कि रेडक्रास के संकल्प की सफलता के लिए युवाओं को जोड़े। उन्हें मानवता की सेवा के विभिन्न प्रकल्पों में सक्रिय और संवेदनशील सहभागिता के लिए प्रेरित करें।

राज्यपाल श्री पटेल शुक्रवार को भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी की मध्यप्रदेश राज्य शाखा की नवगठित प्रबंध समिति एवं पदाधिकारियों के शपथ ग्रहण समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने नव नियुक्त चेयरमैन डॉ. श्याम सिंह कुमरे, उप सभापति श्री मनीष रावल और मानसेवी कोषाध्यक्ष श्री दीपेश मेहता को शपथ दिलायी। सभी को पुष्प-गुच्छ भेंटकर आगामी कार्यकाल के लिए शुभकामनाएँ दी। राज्यपाल श्री पटेल ने रेडक्रॉस के जिला प्रतिनिधियों को संभागवार शपथ दिलायी। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी भोपाल श्री कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने नव निर्वाचित तीनों पदाधिकारियों को सर्टिफ़िकेट प्रदान किया। राजभवन के सांदीपनि सभागार में आयोजित समारोह में आयुक्त लोक स्वास्थ्य परिवार कल्याण डॉ. तरुण राठी भी मौजूद थे।

राज्यपाल श्री पटेल का कार्यक्रम के प्रारंभ में रेडक्रॉस के जनरल सेक्रेटरी श्री रामेंद्र सिंह ने तुलसी का पौधा भेंट कर स्वागत किया। पूर्व चेयरमैन डॉ. गगन कोल्हे ने शॉल भेंट किया। आयुक्त स्वास्थ्य डॉ. राठी ने स्मृति चिन्ह भेंट कर अभिनंदन किया। जनरल सेक्रेटरी श्री रामेंद्र सिंह ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में राज्यपाल के अपर सचिव श्री उमाशंकर भार्गव, रेडक्रास की प्रदेश शाखा के पदाधिकारी और जिलों के रेडक्रास समिति के सदस्य मौजूद थे।

कानून व्यवस्था की आदर्श स्थिति सुनिश्चित करें

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वीडियो कांफ्रेंस के द्वारा दिए निर्देश

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में नागरिकों का सामान्य जन-जीवन सुनिश्चित करने के लिए सभी तरह के अपराधों पर पूर्ण नियंत्रण की कार्यवाही की जाए। कानून व्यवस्था की जिले में अच्छी एवं आदर्श स्थिति रहे, यह कलेक्टर एसपी सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कल रात्रि मुख्यमंत्री निवास प्रदेश के समस्त कलेक्टर्स, एस पी से वीडियो कॉन्फ्रेंस द्वारा चर्चा की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के प्रमुख निर्देश

● अपराध नियंत्रण पहली प्राथमिकता हो। ● पुलिस की नियमित गश्त होना चाहिए। ● किसानों को कहीं भी खाद की समस्या ना हो, उचित प्रबंधन करें। वितरण की व्यवस्था सुधारने पर ध्यान दें। खाद लेने के लिए अधिक देर लाइन में लगने की नौबत ना आए, ऐसी व्यवस्था बनाएं। किसी किसान को दिक्कत नहीं आनी चाहिए। ● अधिकांश जिलों में ठंड की अधिकता को देखते हुए जनता के लिए व्यवस्थाएं बनाएं। गांवों से शहरों में या केंद्रों में खाद क्रय करने आए किसान बंधुओं के लिए भी शीतकाल से बचाव के आवश्यक उपाय करें।

नाबालिग प्रेमी जोड़ा ट्रेन के आगे कूदा, मौत

स्कूल ड्रेस में पहुंचे थे रेलवे स्टेशन; कूदने से पहले इंस्टाग्राम पर पोस्ट की फोटो

झाबुआ (नप्र)। झाबुआ जिले के बामनिया रेलवे स्टेशन पर शुक्रवार दोपहर नाबालिग छात्र-छात्रा चलती ट्रेन के आगे कूद गए। दोनों की मौत हो गई। दोनों स्कूल ड्रेस में थे। घटना की सूचना मिलते ही गवर्मेंट रेलवे पुलिस (जीआरपी) मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। अब तक मिली जानकारी के अनुसार मामला प्रेम प्रसंग में सुसाइड का बताया जा रहा है। दोनों की पहचान रामपुरिया निवासी के रूप में हुई है। छात्रा पेटलावद में पढ़ती थी।

आत्महत्या से पहले पोस्ट की फोटो

पुलिस के अनुसार, दोनों काफी देर से रेलवे स्टेशन पर टहल रहे थे। आत्महत्या करने से कुछ ही देर पहले छात्र ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर दोनों की एक तस्वीर पोस्ट की थी। पुलिस का कहना है कि वे यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि किन कारणों से दोनों ने एक साथ ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या की। दोनों शवों को पेटलावद सिविल अस्पताल में पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

कुछ दिन से स्कूल नहीं जा रहा था छात्र- शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के प्राचार्य सुखराम गरवाल ने बताया कि मृतक दसवीं का छात्र था। वह पिछले कुछ दिन से स्कूल नहीं आ रहा था। गरवाल ने बाद में कहा- मैं एसआईआर में व्यस्त हूं। अभी स्कूल बंद हो गया है, बाकी जानकारी कल मिलेगी। वहीं, छात्रा तुलसी विद्या मंदिर में 10वीं की नियमित छात्रा थी। प्राचार्य हरीश जानी ने बताया कि शुक्रवार को उसका अंग्रेजी का पेपर था। अभी तक हुए चारों पेपर उसने दिए। छात्रा के पिता दिन में स्कूल आए थे। तब उन्हें बताया था कि वह आज स्कूल ही नहीं आई।

मुख्यमंत्री ने महात्मा ज्योतिबा फुले को किया नमन

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने समाज सुधारक, चिंतक एवं लेखक, महात्मा ज्योतिबा गोविंदराव फुले जी की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि महात्मा फुले ने देश में प्रचलित अनेक रूढ़ियों को खत्म करने में उल्लेखनीय योगदान दिया है। साथ ही उन्होंने दलितों एवं महिलाओं के अधिकारों के पक्ष में भी आवाज बुलंद की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारत में कई सामाजिक न्याय आंदोलनों के प्रेरणा स्रोत के रूप में महात्मा फुले के योगदान को सदैव याद किया जाएगा।

आईएएस अधिकारी का बयान बहन-बेटियों के सम्मान के विरूद्ध और समाज को बांटने वाला : उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल

● आरक्षण के संदर्भ में महिलाओं पर की गई टिप्पणी घोर आपत्तिजनक है

भोपाल (नप्र)। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने आईएएस अधिकारी द्वारा आरक्षण के संदर्भ में दिये गये बयान को आपत्तिजनक बताते हुए निंदा की है। उन्होंने इस बयान को बहन-बेटियों के सम्मान के विरूद्ध और समाज को बांटने वाले बताया। उन्होंने कहा कि सरकार में एक जवाबदार पद पर बैठे अधिकारी द्वारा सार्वजनिक रूप से की गई इस

टिप्पणी से सामाजिक समरसता को ठेस पहुंची है। जातिगत, नारियों के सम्मान के विपरीत और समाज को बांटने वाले इस बयान की जितनी भी निंदा की जाए उतनी कम है। श्री शुक्ल ने कहा कि अधिकारी की इस सोच को भारतीय संस्कृति और मर्यादा का भी अपमान ही कहा जाएगा। हमारी परंपराएं अपमान नहीं सभी वर्गों का सम्मान सिखाती है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि कोई भी अधिकारी चाहे वह किसी भी रैंक का हो, द्वारा संवैधानिक नीतियों पर ऐसी टिप्पणी करना कदापि उचित नहीं है जिससे सामाजिक ताना-बाना प्रभावित होता हो। अधिकारी के इस बयान से सामाजिक सद्भाव और संविधान का भी अपमान हुआ है। श्री शुक्ल ने कहा कि आईएएस अधिकारी द्वारा दिए गए आपत्तिजनक और अशोभनीय बयान को लेकर कानून अपना काम करेगा और प्रदेश में किसी भी स्थिति में सामाजिक सद्भाव बिगाड़ने की कोशिशों को कामयाब नहीं होने दिया जाएगा। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि आईएएस अधिकारी का यह बयान अखिल भारतीय सेवाएं आचरण नियम का भी घोर उल्लंघन है जिसे लेकर सरकार ने भी उनसे स्पष्टीकरण मांगा है। इस संबंध में सरकार उचित और नियमानुसार कार्यवाही करेगी।

नवंबर में ठंड ने लिया यू-टर्न: दिन में गर्मी

रात में भी पारा 15 डिग्री के पार; लेकिन दो दिन बाद फिर से शीतलहर लौटने का अनुमान

भोपाल (नप्र)। मध्य प्रदेश में कड़ाके की ठंड ने यू-टर्न लिया है। आमतौर पर नवंबर के आखिरी सप्ताह कड़ाके की ठंड पड़ती है, लेकिन इस बार दिन में गर्मी है और रात में भी पारा 15 डिग्री से ज्यादा चल रहा है। ऐसा बर्फीली हवा प्रदेश में नहीं आने से हो रहा है। गुरुवार की रात में भी भोपाल, इंदौर-उज्जैन समेत 20 से ज्यादा शहरों में पारा 15 डिग्री से ज्यादा ही रहा। हालांकि, दो दिन बाद फिर से पारा लुढ़कने लगेगा।

हालांकि, प्रदेश में सुबह के समय कोहरा छा रहा है। भोपाल में दिनभर धुंध का असर रहता है। सुबह के समय विजिबिलिटी 1 हजार मीटर तक रहती है। सीहोर में भी कोहरे का असर देखने को मिलता है। कोहरे की वजह से ही गुरुवार सुबह सीहोर में सड़क हादसा हो चुका है। नर्मदापुरम, रीवा समेत कई शहरों में कोहरा छा रहा है।

6 से 22 नवंबर तक कड़ाके की ठंड रही, अब राहत- बता दें कि प्रदेश में 6 नवंबर से ही कड़ाके की ठंड का दौर शुरू हो गया था। आम तौर पर नवंबर के दूसरे पखवाड़े से तेज ठंड पड़ती है, लेकिन इस बार पहाड़ी राज्य- हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर में समय से पहले बर्फबारी हो गई। इस वजह से बर्फीली हवाओं से एमपी भी कांप उठा।

भोपाल में लगातार 15 दिन तक शीतलहर चली। रिकॉर्ड के अनुसार, साल 1931 के बाद शीतलहर के यह सबसे ज्यादा दिन है। दूसरी ओर यहां रात का पारा 5.2 डिग्री तक पहुंच गया, जो ओवरऑल रिकॉर्ड भी रहा। इंदौर में नवंबर की सर्दी का 25 साल का रिकॉर्ड टूट गया।

भोपाल, इंदौर-उज्जैन में भी बढ़ा रात का पारा

बुधवार-गुरुवार की रात प्रदेश के शहरों में रात के तापमान में बढ़ोतरी देखने को मिली। भोपाल में 15 डिग्री, इंदौर में 16.3 डिग्री, ग्वालियर में 10.3 डिग्री, उज्जैन में 17 डिग्री और जबलपुर में पारा 13.6 डिग्री रहा। रीवा, कल्याणपुर और नौगांव में पारा 10 डिग्री से नीचे ही रहा। दूसरी ओर, रतलाम, टीकमगढ़, सागर, गुना, खंडवा, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, धार, सिवनी, बैतूल, नर्मदापुरम समेत कई शहरों में पारा 15 से 18.8 डिग्री के बीच रहा। वहीं, गुरुवार को उज्जैन, खंडवा, खरगोन, धार, नर्मदापुरम, इंदौर, रतलाम, मंडला में पारा 29 डिग्री से ज्यादा दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार, पिछले एक सप्ताह में प्रदेश के अधिकांश शहरों में रात के तापमान में 8 डिग्री तक की बढ़ोतरी देखने को मिली है।

1995 का वोटर आईडी, 2003 की लिस्ट में नाम नहीं

बुजुर्ग महिला को तनाव, आईसीयू में भर्ती, रोते हुए बोलीं- नाम नहीं मिला तो बांग्लादेश भेज देंगे

भोपाल (नप्र)। भोपाल के काजी कैंप में रहने वाली 60 वर्षीय रजिया बी इन दिनों चुनाव आयोग की एसआईआर प्रक्रिया को लेकर तनाव में हैं। उनके पास वर्ष 1995 में जारी वोटर आईडी कार्ड मौजूद है, लेकिन वर्ष 2003 की मतदाता सूची में उनका नाम नहीं मिल रहा। इसी वजह से उनका सत्यापन रुक गया है और डर बढ़ता जा रहा है। रजिया बी के बेटे सद्दाम ने बताया कि उन्होंने हर संभव सूची में नाम खोजा, और रोज कलेक्टर कार्यालय जाकर भी जानकारी ली, लेकिन वहां से भी कोई समाधान नहीं मिला। उन्होंने कहा कि मां दिनभर इसी तनाव में रहती हैं कि उनका नाम क्यों नहीं है।

तनाव ने बिगड़ी तबीयत, कराना पड़ा भर्ती

23 नवंबर को रजिया बी का बीपी अचानक बढ़ गया। घबराहट के चलते उन्हें निजी अस्पताल में भर्ती किया गया। रोते हुए उन्होंने कहा कि लोग कहते हैं नाम नहीं होगा तो बांग्लादेश भेज देंगे हमें बहुत डर लग रहा है इसी टेंशन में मेरी तबीयत खराब हुई।

प्रशासन ने दिया भरोसा, अभी मिलेगा मौका- उप जिला निर्वाचन अधिकारी भुवन गुप्ता ने कहा कि एसआईआर की प्रक्रिया जारी है। एक माह बाद भी दावे-आपत्तियां ली जाएंगी। तब दस्तावेज पेश कर नाम जुड़वाया जा सकता है। घबराने की जरूरत नहीं है।

44वें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में मध्यप्रदेश मण्डप को रजत पदक

श्री तिवारी ने प्राप्त किया पदक

भोपाल (नप्र)। नई दिल्ली स्थित भारत मण्डपम में 14 से 27 नवम्बर तक आयोजित हुए 44वें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में मध्यप्रदेश मध्यप्रदेश मण्डप को राज्यों की श्रेणी मे उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए रजत पदक से सम्मानित किया गया। गुरूवार की शाम को भारत मण्डपम में आयोजित एक समारोह में इंडिया ट्रेड प्रमोशन आर्गनाइजेशन के डॉ. नीरज खैरवाल, प्रबन्ध निदेशक ने यह पुरस्कार मध्यप्रदेश मण्डप के संचालक श्री बी. एन. तिवारी, को प्रदान किया। इस अवसर पर श्री एन. के. नरें, संयुक्त संचालक, डॉ. राजू राठौर, सुश्री प्रियंका सोनी, श्री देवेन्द्र रघुवर्शी, सुश्री कविता बारिया, सहायक संचालक उद्योग एवं श्री जगमोहन सिंह तथा श्री सी. के. प्रिन्स भी उपस्थित थे।

इस वर्ष मेले की थीम एक भारत श्रेष्ठ भारत अनुरूप मध्यप्रदेश मण्डप को ग्वालियर किले के रूप में तैयार किया गया था तथा मण्डप के केन्द्र में 64 योगिनी मन्दिर को दर्शाया गया था। लुटियन्स ने जब भारतीय संसद भवन का डिजाइन तैयार किया था तब उन्होने भारत वर्ष की नामी गिरामी इमारतों के

डिजायन बुलवाये थे, जिसमें से उन्होने मुरैना जिले के 64 योगिनी मन्दिर का चुनाव किया था। इसके आधार पर ही उन्होंने भारतीय संसद के भवन का निर्माण कराया था। इस स्थान पर सभी देशी विदेशी पर्यटक भ्रमण करने के लिए आते हैं। इससे एक भारत, श्रेष्ठ भारत की भावना मजबूत होती है और राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा मिलता है। मण्डप में मध्यप्रदेश की विश्व धरोहारों- खजुराहो, सांची स्तूप एवं भीमबेटका के साथ प्रस्तावित धरोहर स्थलों, विभिन्न सांस्कृतिक महोत्सवों, हस्तशिल्प, हाथकरघा, जी.आई. ओ.डी.ओ.पी. उत्पादों को भी सजाया गया।

मण्डप में उत्पादों को होलोग्राफिक इमेज से भी प्रदर्शित गया है। इन उत्पादों की विकी भी हुई। प्रदेश शासन की विभिन्न नीतियों एवं उपलब्धियों को प्रदर्शित किया गया है। मण्डप में औधोगिक विकास के साथ साथ पर्यटन की भी पूर्ण जानकारी प्रदर्शित की गयी। मण्डप मे सिंहस्थ-2028 की तैयारी को भी स्थान दिया गया। इन्दौर के जी.आई. उत्पाद, चमड़े के खिलौने एवं टेराकोटा का संजीव प्रदर्शन किया गया है। स्टार्टअप ने भी अपने उत्पादों के प्रचार प्रसार के साथ विकय भी किया। मध्यप्रदेश मण्डप में निर्मित विरासत, सांस्कृतिक विरासत, जनजातीय विरासत एवं वन्य जीवन को आकर्षक रूप से प्रदर्शित किया। मण्डप ने जहां एक ओर प्रदेश की गौरवशाली विरासत को प्रदर्शित किया वही दूसरी ओर सम्पूर्ण भारत को एक सूत्र में बाधने का संदेश भी दिया है। यही कारण है कि मेले में इस बार फिर मध्यप्रदेश मण्डप लोगों के लिए आर्कषण का केन्द्र बना। यहां अभ्युदय मध्यप्रदेश की झलक साफ देखी गई।

मध्यप्रदेश देश का हृदय प्रदेश है। यहां कि एतिहासिक धरोहर, प्रचुर प्राकृतिक संसाधन, धार्मिक और सांस्कृतिक स्थल, लोक परम्पराओं की समृद्धि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प एक भारत श्रेष्ठ भारत को न केवल पूरी कर रही है अपितु विश्व पर्यटन मानचित्र पर इसे अग्रणी स्थान दिला रही है।

लहार के गोदाम से 83 लाख की खाद गायब

गोदाम प्रभारी पर गबन का केस, 23 हजार बोरियों का रिकॉर्ड नहीं मिला

भिंड (नप्र)। भिंड जिले में खाद संकट के बीच लहार क्षेत्र के डबल डैक खाद गोदाम में बड़ा घोटाला सामने आया है। सहकारी विपणन संघ की शिकायत पर जांच में पाया गया कि गोदाम से 83 लाख 40 हजार रुपए से अधिक मूल्य की खाद बिना किसी अनुमोदन और बिना वितरण रिकॉर्ड के गायब है। लहार थाना पुलिस ने गोदाम प्रभारी दीपक शर्मा के खिलाफ गबन का प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गौरतलब है कि जिले में पिछले दिनों किसान डीएपी और यूरिया की एक बोरी के लिए घंटों कतारों में खड़े रहे। इसी बीच खुलासा हुआ कि गोदाम में हजारों बोरी खाद का लेखा-जोखा ही नहीं मिल रहा था। शुरुआती जांच में पुलिस को शिकायत सही मिली, जिसके बाद केस दर्ज किया गया।

23 हजार बोरियों का हिसाब नहीं मिला- लहार एसडीएम विजय सिंह यादव ने कुछ दिन पहले गोदाम का निरीक्षण किया था। जांच दल ने निरीक्षण में पाया कि लहार क्षेत्र में करीब 23 हजार बोरी खाद का रिकॉर्ड नहीं है। जिला प्रशासन के अनुसार यह अनियमितता बड़ा वित्तीय नुकसान दिखाती है और बड़े स्तर पर गड़बड़ी की आशंका है।

पुलिस ने केस दर्ज किया

भारी अनियमितताओं के बाद सहकारी विपणन संघ ने आधिकारिक शिकायत पुलिस को दी। लहार थाना प्रभारी शिवसिंह यादव ने कहा कि मामला गंभीर है, गोदाम प्रभारी के खिलाफ गबन का केस दर्ज कर लिया गया है। पूरे प्रकरण की गहन जांच जारी है, आगे और नाम सामने आने की संभावना है। पुलिस प्रशासन निरीक्षण रिपोर्ट, स्टॉक रजिस्टर और खाद वितरण रिकॉर्ड की जांच कर रहा है। घोटाले का खुलासा होते ही किसानों में नाराजगी बढ़ गई है और वे दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।